



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 96]
No. 96]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 8, 2005/चैत्र 18, 1927
NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 8, 2005/CHAITRA 18, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 2005

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय: यूरोपीय संघ, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन जन.गण. तथा चीनी ताइपेई के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कतिपय खड़ रसायनों (एमओआर, पीएक्स-13 तथा टीडीक्यू) के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच

.....

सं० 14/13/2004-डीजीएडी- वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान तथा उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे इसके बाद नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए:

जबकि मै० नेशनल आर्गेनिक केमिकल इंडस्ट्रीज लि० (जिसे इसके बाद एनओसीआईएल अथवा याचिकाकर्ता कहा जाएगा) ने उपर्युक्त अधिनियम तथा नियमावली के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक प्रार्थना-पत्र दर्ज कराया है जिसमें यूरोपीय संघ, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीनी ताइपेई तथा चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कतिपय खड़ रसायनों नामतः एमओआर, पीएक्स-13 तथा टीडीक्यू के तथाकथित पाटन का आरोप लगाया गया है और अनुरोध किया गया कि संबद्ध माल पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के संबंध में जांच-प्रारंभ की जाए । याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि यूरोपीय संघ, संयुक्त राज्य अमेरिका तथा चीन के निर्यातकों तथा उत्पादकों द्वारा एमओआर का पाटन किया जा रहा है और यूरोपीय संघ तथा

ताइवान के निर्यातकों तथा उत्पादकों द्वारा पीएक्स-13 तथा टीडीक्यू का पाटन किया जा रहा है। इन देशों/क्षेत्रों को इसके बाद संबद्ध देश/क्षेत्र कहा गया है।

और जबकि प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से याचिकाकर्ता -मै0 नैशनल आर्गेनिक केमिकल्स लि0 द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 17 अगस्त, 2004 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसके अनुसार उक्त नियमावली के उप-नियम 5(5) के अनुसार, संबद्ध देशों/क्षेत्रों से निर्यातित के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध माल के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच आरंभ की गई जिससे तथाकथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा तथा इसके प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की राशि, यदि उगाही जाए तो क्या वह घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को समाप्त करने हेतु पर्याप्त रहेगी, की सिफारिश की जा सके।

क. प्रक्रिया

- (4) प्राधिकारी द्वारा उपरोक्त जांच-प्रारंभ के बारे में अधिसूचित करते हुए सार्वजनिक सूचना जारी किए जाने के बाद इस जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया अपनाई गई है:
 - i) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देशों/क्षेत्रों के दूतावासों/प्रतिनिधियों, संबद्ध देशों/क्षेत्रों के निर्यातकों और अपने पास उपलब्ध जानकारी के अनुसार आयातकों तथा घरेलू उद्योग को दिनांक 17 अगस्त, 2004 की जांच-प्रारंभ अधिसूचना की प्रतिलिपियां भेजीं और उनसे अनुरोध किया कि वे जांच-प्रारंभ संबंधी अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर प्रश्नावली का प्रत्युत्तर भेज दें और अपने-अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत करें।
 - ii) घरेलू उद्योग द्वारा दायर याचिका के अगोपनीय अंश की प्रतियां नियम 6(3) के अनुसार संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों और दूतावासों/उच्चायोगों को उपलब्ध करायी गयी।
 - iii) संबद्ध देशों के नई दिल्ली स्थित दूतावासों/उच्चायोगों/प्रतिनिधियों को नियम 6(2) के अनुसार जांच-प्रारंभ के बारे में सूचित किया गया और अनुरोध किया गया कि वे अपने-अपने देशों/क्षेत्रों के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें कि वे निर्धारित

समयावधि के भीतर प्रश्नावली का प्रत्युत्तर दे दें। निर्यातक को भेजे गए पत्र, याचिका तथा प्रश्नावली की एक-एक प्रति ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची के साथ-साथ संबद्ध देशों के दूतावासों/उच्चायोगों को भी भेजीं।

iv) प्राधिकारी ने संगत जानकारी मंगाने हेतु संबद्ध देशों/क्षेत्रों के ज्ञात निर्यातकों को नियम 6(4) के अनुसार, प्रश्नावली भेजी:-

v) उपरोक्त अधिसूचना के प्रत्युत्तर में संबद्ध देशों/क्षेत्रों के निम्नलिखित निर्यातकों ने अपना-अपना प्रश्नावली-उत्तर दर्ज कराया। किंतु, चीन जनगण., चीनी ताईपेई तथा संयुक्त राज्य अमेरिका से कोई भी प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं हुआ:-

- क) मै0 फ्लेक्सीस एनवी, बेल्जियम
- ख) मै0 लांक्सेस एनवी, बेल्जियम
- ग) मै0 लांक्सेस एजी, जर्मनी
- घ) मै0 जनरल क्यूमिका एसए, स्पेन

vi) भारत में संबद्ध माल के ज्ञात आयातकों तथा उपभोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई जिसमें नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक जानकारी मंगائی गई। जबकि मै0 जे.के. इंडस्ट्रीज लि0 ने पर्याप्त आयातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दर्ज कराया है लेकिन निम्नलिखित इच्छुक पक्षकारों ने जांच प्रारंभ करने के संबंध में केवल संक्षिप्त प्रत्युत्तर ही दर्ज कराया है:-

- क) मै0 लांक्सीस इंडिया प्रा0 लि0
- ख) ऑटोमोटिव टॉयर मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटीएमए)
- ग) यूरोपीय संघ का प्रतिनिधि मंडल

उपर्युक्त इच्छुक पक्षकारों के विचार, जहां तक वे संगत रहे हैं, को रिकॉर्ड में लिया गया है और प्राधिकारी द्वारा उनकी जांच यथोचित स्थानों पर की गई है।

vii) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएण्डएस) और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीईसी) से अनुरोध किया गया कि वे जांच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के लिए संबद्ध माल के आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराएं।

- viii) प्राधिकारी ने विभिन्न इच्छुक पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश को सावजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया और उसे इच्छुक पक्षकारों को निरीक्षण हेतु खुला रखा ।
- ix) सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत जानकारी पर आधारित भारत में संबद्ध माल की अनुकूल उत्पादन-लागत, और विनिर्माण एवं बिक्री-लागत की गणना अनंतिम तौर पर की गई जिससे यह पता लगाया जा सके कि यदि पाटन से कम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो क्या वह घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को समाप्त करने हेतु पर्याप्त रहेगा ।
- x) इस अधिसूचना में **** पर व्यक्त जानकारी याचिकाकर्ता द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत जानकारी को व्यक्त करती है और प्राधिकारी द्वारा उक्त नियमावली के तहत उसी पर विचार किया गया है ।
- xii) जांच दिनांक 1.1.2003 से 31.12.2003 तक की अवधि (जांच अवधि) के लिए की गई ।

ग. विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु

मौजूदा जांच में रबड़ उत्पादों के विनिर्माण में प्रयुक्त तीन विशेष रबड़ रसायनों, नामतः i) एंटी-डिग्रेडेंट्स: पीएक्स 13 ii) एक्सेलेटर्स:एमओआर iii) आंटीऑक्सीडेंट:टीडीक्यू को शामिल किया गया है ।

इन उत्पादों के विस्तृत रसायन नाम निम्नानुसार हैं:-

एमओआर: एन-ऑक्सीडिएंथिलीन-2-बेंजोथियाजोल सल्फेनामाइड (2-मॉरफूलिनोथिओबेनाथियाजोल) (एमबीएस) । एमओआर **मर्सैटो** बेंजोथियाजोल डाइसल्फाइड को मार्फोलीन तथा सोडियम हाइपोक्लोराइट के साथ रिएक्ट किया जाता है । यह प्रतिक्रिया आइसोप्रोपाइल एल्कोहल की मौजूदगी में की जाती है । इस उत्पाद को रंग-पट्टिका बनाने के लिए फिल्टर, धोया तथा अलग किया जाता है जोकि शुष्क अथवा पैकेट बंद हों । आइसोप्रोपील एल्कोहल को रिकवर करके उसे रिसाइकिल किया जाता है ।

पीएक्स-13 - एन-1,3-डाइमिथाइल बुटाइल-एन फिनाइल पैराफिनाइलनेडियामाइन(6पीपीडी)। पीएक्स-13 का उत्पादन एक नोबल मैटलकैटलिस्ट के साथ सामान्यतया उच्च दाब पर एक ऑटोक्लेव में 4-नाइट्रोडाइफिनाइलेमाइन और मिथाइल आइसोबुटाइल केटोन के मिश्रण के हाइड्रोजनेशन द्वारा किया जाता है। परिणामी प्रतिक्रिया मास जिसमें प्रतिक्रियाहीन केटोन, बाइप्रोडक्ट, आदि शामिल होता है, को कैटलिस्ट समाप्त करने के लिए फिल्टर किया जाता है जिसे बाद में रिसाइकिल किया जाता है। इस फिल्ट्रेट को न्यून बॉयलर समाप्त करने के लिए डिस्टिल किया जाता है और तत्पश्चात् उसे अंतिम उत्पाद प्राप्त करने के लिए फ्लेक किया जाता है। कम बॉयलरो को प्रतिक्रियाहीन कैटोन प्राप्त करने के वास्ते दोबारा डिस्टिल किया जाता है। कैटलिस्ट को तब तक रिसाइकिल किया जाता है जब तक कि उसकी एक्टिविटी कम नहीं हो जाती। उसके बाद उसे प्रणाली से हटा दिया जाता है।

टीडीक्यू: पोलिमराइज्ड 2,2, 4-ट्राइमिथाइल-1, 2 डाइ-हाइड्रोकिनोलिन। टीडीक्यू एसीटोन और एनीलाइन को किसी एसिड कैटलिस्ट के साथ उच्च ताप पर कंडेन्स किया जाता है। इस प्रकार प्रणाली मास को बाद में अपेक्षित डिग्री तक पॉलिमराइज किया जाता है: अतिरिक्त एसिड को कास्टिक साल्यूशन के साथ न्यूट्रलाइज किया जाता है और तब उसे पानी से धो लिया जाता है। तब यह सामग्री कम बॉयलर प्राप्त करने के वास्ते वाक्यूम के तहत उच्च ताप पर स्ट्रिप किया जाता है। तत्पश्चात् यह उत्पाद पेस्टलाइज करके बोरो में बंद किया जाता है।

इन रबड़ रसायनों का व्यापक प्रयोग प्राकृतिक रबड़, सिंथेटिक रबड़ (एसबीआर, बुटाडीन रबड़, निट्राइल रबड़, कार्बोजेलेटिड रबड़) और विभिन्न उत्पादों के विनिर्माण हेतु प्रयुक्त अन्य सिंथेटिक रबड़ आधारित मिश्रणों में किया जाता है।

प्राधिकारी नोट करता है कि संबद्ध माल के संबंध में कोई भी समर्पित आईटीसी एचएस वर्गीकरण नहीं होता है और विचाराधीन उत्पादों को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के शीर्षक 38.12.10, 38.12.20 और 38.12.30 तथा 29.34.20 और 29.25.20 (6-अंकीय स्तर पर) के सीमाशुल्क वर्गीकरण के विभिन्न उपशीर्षकों और आईटीसी एचएस वर्गीकरण के तहत वर्गीकृत किया जाता है। यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल ने निवेदन किया है कि उपर्युक्त उत्पादों का यूरोपीय वर्गीकरण यूरोपीय संघ में प्रयुक्त वर्गीकरण के अनुरूप नहीं है। किंतु, प्राधिकारी नोट करता है कि इन उत्पादों को ऊपर इंगित संबंधित व्यापार नामों और रसायन विवरणों के रूप

में जाना जाता है । अतः, ऊपर दर्शाए गए सीमाशुल्क तथा आईटीसी एचएस वर्गीकरण केवल संकेतात्मक हैं और उनकी मौजूदा जांच के दायरे पर किसी प्रकार कोई बाध्यता नहीं है ।

ग.1 निर्यातकों, आयातकों और अन्य इच्छुक पक्षकारों के विचार

इच्छुक पक्षकारों ने अपने-अपने प्रारंभिक निवेदनों में कहा है कि यह निर्दिष्ट प्राधिकारी की "श्री इन वन" जांच करने के वास्ते एक अभूतपूर्व प्रयोग है जिसमें तीन अलग-अलग तथा भिन्न रबड़ रसायनों अर्थात् एमओआर, टीडीक्यू तथा पीएक्स-13 को एक एकल जांच में कवर किया गया है और इन तीनों उत्पादों के संबंध में एक पाटनरोधी मामला नहीं बन सकता है । यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल ने प्राधिकारी से यह भी अनुरोध किया है कि वे जांचे गए उत्पादों की जांच करें क्योंकि उनका वर्गीकरण इन उत्पादों के ईयू वर्गीकरण के साथ पूरी तरह से मेल नहीं खाता है ।

प्राधिकारी नोट करता है कि न तो उक्त करार में और न ही पाटनरोधी नियमावली में एक जांच के तहत बहु-उत्पादों की किसी तरह से जांच में कोई मनाही नहीं है । अलग-अलग घरेलू उत्पाद तथा अलग-अलग निर्यात उत्पाद समान उत्पाद हैं इसलिए क्षति का निर्धारण अलग-अलग उत्पादों के संबंध में किया जा सकता है और जैसाकि निर्यातक द्वारा तर्क दिया गया है इस जांच को एकल उत्पाद तक ही सीमित रखे जाने का कोई प्रावधान नहीं है ।

प्राधिकारी आगे यह भी नोट करता है कि मौजूदा जांच में विचाराधीन उत्पाद हालांकि तीन अलग अलग हैं लेकिन वह प्रयुक्त रबड़ रसायनों की सामान्य श्रेणी रबड़ उद्योग में एंटी-डिग्रेडेंट, एक्सीलेटर रबड़ रसायन और एंटी-ऑक्सीडेंट नहीं है। घरेलू उद्योग इन रबड़ रसायनों के संबंध में वही है जो इन सभी रसायनों का विनिर्माण समान विनिर्माण सुविधाओं के अंतर्गत करता है । अतः एक संयुक्त जांच ऐसी जांच के संबंध में संसाधनों के प्रयोग को अनुकूल बनाने की स्थिति में ठीक है।

प्राधिकारी यह भी नोट करता है कि जांच प्रारंभ अधिसूचना में पर्याप्त रूप से यह स्पष्ट किया गया है कि पाटन तथा क्षति-जांच दोनों ही संपूर्ण घरेलू उद्योग पर समग्र प्रभाव जांच के अतिरिक्त अलग-अलग उत्पादों के संबंध में की जाती है । प्राधिकारी यह भी नोट करता है कि इस जांच में प्रत्येक संबद्ध रबड़ रसायन के विरुद्ध याचिका में उल्लिखित देशों/क्षेत्रों को कवर किया गया है और उसमें जैसाकि तर्क दिया गया है, सभी उत्पादों के संबंध में सभी देशों को कवर नहीं किया गया है । अतः इस संबंध में इच्छुक पक्षकारों के तर्क वैध प्रतीत नहीं होते हैं।

घ. घरेलू उद्योग की स्थिति और जांच प्रारंभ

घ.1 इच्छुक पक्षकारों के विचार

इच्छुक पक्षकारों ने अपने-अपने निवेदनों में घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रश्न उठाया है। उन्होंने निवेदन किया है कि कुल घरेलू उत्पादन और याचिकाकर्ता के हिस्से के संबंध में याचिका में ठीक से रिपोर्ट नहीं दी गई है। अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी को चाहिए था कि वह इस मामले में सहायता की मात्रा को मापने के प्रयोजनार्थ अन्य घरेलू उत्पादकों को जांच प्रारंभ पूर्व प्रश्नावलियां भेजने की प्रक्रिया अपनाते और उनके उत्पादन तथा बिक्री मात्रा संबंधी जानकारी हेतु अनुरोध करते और यह भी अनुरोध करते कि क्या अथवा अन्यथा वे शिकायत का समर्थन करने की जानकारी देते। चूंकि जांच-प्रारंभ अधिसूचना में ऐसा कोई परिणाम नहीं बताया गया है जो उक्त याचिका में प्रस्तुत जानकारी के विरुद्ध हो, अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुच्छेद 5(3)(क) का स्पष्ट उल्लंघन किया है।

उन्होंने आगे यह भी निवेदन किया है कि ऊपर किए गए निवेदनों के पूर्वाग्रह के बिना यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस कार्रवाई को प्रारंभ करने से पहले स्थिति परीक्षण(पोलिंग) की पर्याप्तता की पड़ताल कर ली है तो फिर भी निर्दिष्ट प्राधिकारी को चाहिए कि वह "स्थिति" के प्रयोजनार्थ प्रस्तुत आंकड़ों की पड़ताल करने हेतु सख्त साक्ष्य के लिए याचिकाकर्ता पर दबाव डाले, बेशक यह त्रुटियां निर्दिष्ट प्राधिकारी के संज्ञान में लाई गई हों।

उक्त निर्यातक ने यह भी निवेदन किया है कि पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंध के बारे में स्पष्ट तथा साक्ष्य के अभाव में यह कार्रवाई असफल रहेगी क्योंकि याचिकाकर्ता इस बारे में जांच हेतु अपने प्रार्थना-पत्र में पर्याप्त अगोपनीय प्रकटन करने में असफल रहा है।

घ.2 घरेलू उद्योग के विचार

घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि पाटन अत्यधिक हुआ है और ऐसा दो प्रमुख उत्पादकों अर्थात् बॉयर इंडिया तथा मै0 आईसीआई इंडिया की ओर से किया गया पाटन विचाराधीन उत्पादों के विनिर्माण से हुए काफी मात्रा में किया गया है और इससे व्यापारियों को कुछ संबद्ध देशों से हुए आयात का सहारा लेना पड़ा है। चूंकि ये कंपनियां अब व्यापारी के रूप में बदल गई हैं अतः उनका नियम 2(ख) के आशय के भीतर घरेलू उद्योग के रूप में अर्हता प्राप्त करने के लिए भारतीय उद्योग का बनना उचित नहीं है।

याचिकाकर्त्ता ने आगे यह भी तर्क दिया है कि रबड़ रसायनों की उत्पादन सुविधाओं में सामान्य रूप में समान सुविधाओं के भीतर बड़ी संख्या में रबड़ रसायनों का उत्पादन शामिल होता है। अतः विभिन्न उत्पादकों के उत्पादन के संबंध में यथोचित रूप से कोई भी जानकारी प्रकाशित नहीं हुई है। किंतु, बाजार के अनुसार बॉयर इंडिया तथा आईसीआई ने अपना-अपना उत्पादन रोक दिया है और वे इन उत्पादों के उत्पादन से पर्याप्त रूप से बाहर हो गए हैं और वे आयात का सहारा लेते हुए इस सामग्री की ऑफर जारी रखे हुए हैं। अतः उन्होंने इन कंपनियों के उत्पादन का आकलन उसकी बाजार आसूचना के आधार पर किया है क्योंकि इस संबंध में कोई प्रकाशित सूचना उपलब्ध नहीं है।

उन्होंने आगे यह भी तर्क दिया है कि चूंकि आईसीआई तथा मर्सकेम ने उत्पादन रोककर/कम करके/उसमें कटौती करके वाणिज्यिक मात्रा में एमओआर, पीएक्स-13 तथा टीडीक्यू के आयात और इन कंपनियों को बाजार में यह माल बेचने का सहारा लिया है अतः ये कंपनियां घरेलू उद्योग का दर्जा प्राप्त करने के लिए अर्हता प्राप्त नहीं करती हैं। अतः इन कंपनियों का उत्पादन यदि एक बार अलग कर दिया जाता है तो ऐसी स्थिति में याचिकाकर्त्ता भारतीय नियमावली के नियम 5 तथा डब्ल्यूटीओ करार के तहत अपनी स्थिति की अपेक्षा की संतुष्टि करता है और तब वह घरेलू उद्योग बनता है। चूंकि याचिकाकर्त्ता का उत्पादन उक्त प्रत्येक रसायन के पात्र भारतीय उत्पादन के 50% से भी अधिक है अतः याचिकाकर्त्ता समझता है कि उक्त याचिका का समर्थन पाने अथवा विरोध को साबित करना आवश्यक नहीं है।

ड:3 प्राधिकारी द्वारा जांच

यह याचिका मै0 एनओसीआईएल, मुंबई द्वारा दायर की गई है। विचाराधीन उत्पाद के संबंध में अन्य विनिर्माता मै0 बॉयर इंडिया लि0, मै0 आईसीआई लि0 और मै0 मर्सकेम लि0 हैं। किंतु, घरेलू उद्योग द्वारा तर्क दिया गया है कि या तो उन सभी ने पाटित आयातों के कारण संबद्ध माल का उत्पादन करना बंद कर दिया है और वे संबद्ध माल के व्यापारी तथा आयातक के रूप में बदल गए हैं अथवा उन्होंने अपना-अपना उत्पादन काफी कम कर दिया है। प्राधिकारी द्वारा इन तीनों कंपनियों से पूछा गया कि वे उपर्युक्त स्थिति को स्पष्ट करें और साथ ही, उक्त प्रार्थना-पत्र का समर्थन अथवा विरोध करें। अतः प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि किसी भी घरेलू उत्पादक की ओर से इस जांच का कोई विरोध नहीं हुआ है।

डीजीसीआईएंडएस तथा अन्य स्रोतों द्वारा प्रस्तुत सौदेवार आयात आंकड़े यह दर्शाते हैं कि इन कंपनियों ने जांच अवधि के दौरान इन उत्पादों का काफी आयात किया है। जहां तक बॉयर इंडिया का संबंध है, यह कंपनी विश्वप्रमुख मै0 बॉयर जीएमबीएच से तथाकथित रूप से संबद्ध है जोकि विभिन्न स्थानों पर स्थित अपनी विनिर्माण

सुविधाओं से भारत को संबद्ध माल का प्रमुख उत्पादक तथा निर्यातक है। बॉयर इंडिया भी जर्मनी तथा बेल्जियम में अपने प्रमुखों से संबद्ध माल का आयातक भी है। अतः ये घरेलू विनिर्माता उक्त करार के अनुच्छेद 4.1(आई) के अनुसार घरेलू उद्योग के क्षेत्र में शामिल होने के वास्ते अर्हता प्राप्त नहीं करते हैं।

जहां तक आवेदक का संबंध है, यह आर्गेनिक रसायनों का एक बहु-उत्पाद विनिर्माता है। प्राधिकारी नोट करता है कि विचाराधीन अलग-अलग उत्पादों के संबंध में याचिकाकर्ता की संयंत्र क्षमता समर्पित है। प्राधिकारी नोट करता है कि याचिकाकर्ता कंपनी के अलग-अलग रसायनों के उत्पादन को देखते हुए और संबंधित उत्पादों के पर्याप्त आयातकों तथा उत्पादकों के उत्पादन की अनुमति नहीं देने के बाद याचिकाकर्ता कंपनी का विचाराधीन उत्पादों के कुल घरेलू उत्पादन में एक प्रमुख हिस्सा है। उपरोक्त को देखते हुए प्राधिकारी निर्णय देता है कि याचिकाकर्ता पाटनरोधी नियमावली के नियम 5.3(क) के तहत घरेलू उद्योग के रूप में प्रार्थना-पत्र दायर करने हेतु स्थिति अपेक्षा को पूरा करता है।

ड. न्यूनतम सीमा

यूरोपीय संघ के अनेक सदस्य देशों से आयात होने की रिपोर्ट दी गई है। किंतु, इस जांच के प्रयोजनार्थ यूरोपीय संघ को एकल सीमाशुल्क क्षेत्र के रूप में माना गया है। प्राधिकारी द्वारा वाणिज्यिक आसूचना तथा सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) और अन्य गौण स्रोतों से प्राप्त आयात आंकड़ों के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ, चीन तथा ताइवान से अलग-अलग उत्पादों के आयात न्यूनतम सीमा से अधिक रहे हैं।

च. अन्य निवेदन तथा उठाए गए मुद्दे

च.1 घरेलू उद्योग

घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि विचाराधीन उत्पादों के लिए कोई समर्पित वर्गीकरण शीर्ष उपलब्ध नहीं है और एमओआर, पीएक्स-13 और टीडीक्यू के संबंध में सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के तहत अनेक सीमाशुल्क उपशीर्ष बताए गए हैं। चूंकि सीमा शुल्क वर्गीकरण विचाराधीन उत्पाद के संबंध में समर्पित नहीं पाया गया है अतः याचिकाकर्ता ने इंटरनेशनल बिजनेस इन्फार्मेशन सर्विस (आईबीआईएस), मुंबई द्वारा प्रस्तुत आयात संबंधी सौदेवार जानकारी के आधार पर आयात जानकारी संकलित की है। उन्होंने यह भी निवेदन किया है कि इस जांच के प्रारंभ होने और प्रारंभिक निर्धारणों के बाद पाटन और अधिक हुआ है और उन्हें जो क्षति का होना जारी है, उसे देखते हुए अनंतिम शुल्क लगाना आवश्यक हो जाता है।

च.2 मै0 लांक्सेस एन.वी. बेल्जियम और मै0 लांक्सेस जीएमबीएच, जर्मनी

मै0 लांक्सेस एन.वी. बेल्जियम और मै0 लांक्सेस जीएमबीएच, जर्मनी ने इस जांच के विरुद्ध अपने-अपने प्रश्नावली प्रत्युत्तर दर्ज कराए हैं और अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित निवेदन किए हैं:-

- कि कार्य-नीति पुनराभिमुखीकरण के कारण बॉयर ने दिनांक 1 अक्टूबर, 2004 से अपने रसायन कार्यकलाप का अधिकांश हिस्सा बॉयर मैटिरियल साइंस एजी से अपने पॉलीमर व्यापार (बिजनेस एकक खड़ रसायन सहित) के हिस्से और बॉयर केमिकल एजी से लांक्सेस डचलैंड जीएमबीएच में हस्तांतरित कर दिए हैं।
- कि इस प्रकार संबंधित खड़रसायन उत्पादों के संबंध में लांक्सेस डचलैंड जीएमबीएच कानून द्वारा बॉयर मैटिरियल साइंस एजी का कानूनी उत्तराधिकारी बन गया है और लांक्सेस एनबी कानून द्वारा बॉयर आंटवर्प एनबी का कानूनी उत्तराधिकारी बन गया है।
- कि मै0 लांक्सेस एनवी, बेल्जियम ही भारत को एमओआर निर्यात से एकमात्र संबंधित है। लांक्सेस डचलैंड जीएमबीएच का संबंध भारत को पीएक्स 13 के निर्यात से है। इस कंपनी ने भारत को न तो संगत जांच अवधि के दौरान टीडीक्यू का निर्यात किया है और ना ही उसका संबंध इस कार्रवाई के प्रयोजनार्थ से है।
- एमओआर एक ऐसा एक्सीलरेटर है जिसका प्रयोग खड़ के वल्केनाइजेशन की दर बढ़ाने में किया जाता है। इस वस्तु का मूल रूप से प्रयोग एक नॉन रेडिएल किस्म के ऑटोमोटिव टायर हेतु खड़ उत्पादन में होता है। अपने स्वभाव से नॉन रेडियल टायरों का विश्व-व्यापी बाजार सीमित होता है और उसके लिए बाजार उदाहरण के लिए यूरोपीय संघ ही ऐसा सीमित है कि जिसे स्वाभाविक रूप से मौजूद नहीं समझा जाता है। सामग्री मात्रा में इन वस्तुओं का प्रयोग करने वाले देश भारत और ईरान हैं। अन्य छोटे प्रयोक्ताओं में संयुक्त राज्य अमरीका, कोलम्बिकिया, इंडोनेशिया, आदि शामिल हैं। जहां तक पीएक्स-13 का संबंध है इसका विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक प्रयोग होता है और इसका अनेक देशों को निर्यात होता है।
- कि एमओआर के संबंध में भारतीय बाजार में लांक्सेस का हिस्सा स्थिर है और पीएक्स-13 के संबंध में भारत को निर्यातित मात्रा में वृद्धि हुई क्योंकि एक भारतीय उत्पादक ने उत्पादन बदलकर जर्मनी से आयात करना आरंभ कर दिया है। किंतु, याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से में कोई बदलाव नहीं आया है।
- कि यूरोपीय संघ में एमओआर का घरेलू बाजार वास्तव में कोई नहीं है और बाजार कीमतों का निर्धारण आवश्यक रूप से उन देशों की कीमतों के आधार पर किया जाना चाहिए जहां इसका बाजार मौजूद है। यदि ऐसा किया जाता है तो कीमतों में अंतर मामूली रहता है।

- कि आवश्यक रूप से पीएक्स 13 के संबंध में यूरोपीय संघ के घरेलू बाजार में ऐसी कीमतें हैं जो निर्यात कीमतों की तुलनीय हैं ।
- कि याचिकाकर्ता एक ऐसा संयंत्र चला रहा है जो बाजार में सतत अर्थव्यवस्था ऑफर करने अथवा अनेक कई लागत लाभ प्राप्त करने के लिए बहुत ही छोटा पड़ता है।
- कि याचिकाकर्ता द्वारा एमओआर के संबंध में वर्णित विनिर्माण प्रक्रिया आर्थिक रूप से लांक्सेस द्वारा प्रयुक्त प्रक्रिया की तुलना में अलाभकर है ।

इन सामान्य निवेदनों के अतिरिक्त इन दोनों निर्यातकों ने अपने-अपने सामान्य मूल्यों तथा निर्यात कीमतों के संबंध में विशिष्ट निवेदन किए हैं । जहां तक सामान्य मूल्य के निर्धारण का संबंध है इन दोनों निर्यातकों ने अन्य बातों के साथ निम्नानुसार निवेदन किया है:-

- कि डब्ल्यूटीओ करार के अनुसार सामान्य मूल्य तुलनीय कीमत ही है जिस पर माल की बिक्री व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में निर्यातक देश अथवा क्षेत्र के घरेलू बाजार में होती है । अगर ऐसा निर्धारण नहीं किया जाता है तो ऐसी स्थिति में इसका निर्धारण इस प्रकार किया जा सकता है (क) किसी यथोचित तीसरे देश को तुलनीय प्रतिनिधि निर्यात कीमत; अथवा (ख) प्रशासनिक, बिक्री तथा सामान्य कीमत और लाभ को यथोचित जोड़कर मूल के देश में उत्पादन लागत ;
- कि जहां तक एमओआर का संबंध है ऐसी कोई विश्वसनीय तुलनीय कीमत दिखाई नहीं देती है जिस पर माल की बिक्री, व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में यूरोपीय संघ के घरेलू बाजार में की जाती है । ज्यादा-से-ज्यादा ऐसे छोटे-छोटे सौदे किए जाते हैं जोकि न तो प्रतिनिधिपरक हैं और न ही इनकी बिक्री से व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में बिक्री कही जा सकती है जैसाकि आमतौर पर समझा जाता है । इस देखते हुए किसी ऐसे विश्वसनीय आंकड़े अथवा उपलब्ध व्यापार कीमत निर्धारण का प्रश्न नहीं उठता है जिस पर यूरोपीय संघ में सामान्य मूल्य को प्राप्त करना संभव हो ।
- कि यदि मामला ऐसा है तो एमओआर के संबंध में शेष दो विकल्पों के संबंध में सर्वाधिक सही और प्रतिनिधि कीमत आवश्यक रूप से वह होगी जो तीसरे देशों के लिए तुलनीय निर्यात कीमत होगी । निर्यातक का दावा है कि उनके द्वारा प्रस्तुत संगत ब्यौरों के आधार पर यह साबित होता है कि सामान्य मूल्य भारत के लिए निर्यात कीमत के समान होगी ।
- कि पीएक्स 13 के संबंध में उपलब्ध कराई गई सामग्री से यह स्पष्ट है कि घरेलू बाजार की कीमतें तथा निर्यात कीमतें समायोजनों के पश्चात् आवश्यक रूप से तुलनीय हैं ।
- कि आम विश्वास यह होता है कि तयशुदा लागतें यूरोपीय संघ में अपेक्षतया अधिक हैं, सही नहीं है । वह मापक लाघव जिस पर याचिकाकर्ता अनुसरण करेगा, आवश्यक रूप

से यूरोपीय संघ में स्वीकार्य नहीं होगा । अतः लांक्सेस सुविधाओं पर प्रचालन माप, रोजगारयुक्त प्रतिव्यक्ति उत्पादन, उपयोगिता लागत (पानी तथा बिजली दोनों ही भारत में संपूर्ण तुलना की दृष्टि से अपेक्षतया अधिक होती हैं) से हुए याचिकाकर्ता की मानव शक्ति तथा सुविधाओं (और सुविधा लागत) के मामूली अंश का प्रयोग करते हुए याचिकाकर्ता के उत्पादन का कई गुना उत्पादन दे सकेंगे ।

- कि इसलिए आमतौर पर दोहराए गए यह वक्तव्य कि यूरोपीय संघ में उत्पादन लागत अपेक्षतया अधिक होती है, प्रतिस्पर्धी प्रचालन माप की समुचित तुलना करके योग्य पाए जाने की अपेक्षा है । वास्तव में लांक्सेस की क्षमताएं याचिकाकर्ताओं की क्षमता की तुलना में लगभग काफी अधिक हैं । यह उनके पिछड़े एकीकरण संबंधी शक्ति को दक्षता से लगाए जाने की योग्यता के साथ संयोजित है कि वे स्थल पर प्रमुख कच्चे माल तथा मध्यवर्ती सामान का उत्पादन कारगर ढंग से करते हैं जिसके परिणामस्वरूप उनकी उत्पादन लागत अच्छी बन जाती है जोकि याचिकाकर्ता की अपेक्षा अधिक लागत कुशल है ।
- कि सामान्य मूल्य के आकलन के प्रयोजनार्थ याचिका में अपनाई गई संपूर्ण पद्धति त्रुटिपूर्ण है और नियमावली के अनुसार तथा प्राधिकारी के अपने ही मार्गदर्शी सिद्धांतों के विपरीत है ।
- कि एमओआर के संबंध में तीसरे देशों के लिए तुलनीय निर्यात कीमतों का पता लगाने के बारे में कोई भी प्रयास, जैसा भी हो, नहीं किया गया है । यदि ऐसा किया जाता तो यह स्पष्ट हो जाता कि भारत के लिए निर्यात कीमतें वास्तव में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में माल का सामान्य मूल्य होती ।
- कि पीएक्स-13 के संबंध में यूरोपीय संघ में इसके लिए एक कारगर बाजार उपलब्ध है और उसमें कीमतें मौटे तोर पर समायोजनों के पश्चात निर्यात कीमत के अनुसार है ।
- कि उत्पादन लागत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ अपनाई गई पद्धति त्रुटिपूर्ण तथा गैर-कानूनी दोनों ही हैं । गणना के संबंध में कोई भी ब्यौरे, जो भी हो, नहीं दिए गए हैं जोकि, जैसाकि याचिकाकर्ता ने स्वयं दर्शाया है, " सर्वोत्तम आंकड़ों " पर आधारित हैं । ऐसे आंकड़ों को संभाव्य रूप से गोपनीय नहीं समझा जा सकता है ।
- कि यह वक्तव्य कि तयशुदा लागतें विकसित देशों में अपेक्षतया अधिक मानी जाती हैं, भ्रामक हैं और वह इस तथ्य को शामिल करने में असफल रही है कि विश्वस्तरीय विनिर्माण क्षमता और मापक लाभ पर उनके विनिर्माण एकक प्रचालन करने में असफल रहे हैं और इस प्रकार उसके पास अनेक लागत लाभ होते हैं जिनमें आधारिक कच्चा माल खरीद और उनकी आधारिक कच्चा माल क्षमता शामिल है ।
- कि वे एक ऐसी खास स्थिति में है जिसमें वे भारत तथा यूरोप में समग्र विनिर्माण लागतों के संदर्भ में प्रत्यक्ष तुलना कर सकते हैं क्योंकि वे इन दोनों स्थानों में रबड़ रसायन विनिर्माण एकक चलाते हैं ।
- जहां इस तथ्य के संबंध में कोई अराहमति नहीं है कि प्रतिप्रचालक लागत भारत में यूरोप की तुलना में अपेक्षतया कम हैं, यह भी तथ्य है कि भारत में विनिर्माण लागतों

के अन्य प्रमुख घटक जैसाकि उदाहरण के लिए ऊर्जा तथा सुविधाओं की लागत काफी अधिक है।

- कि एमओरआर के संबंध में विनिर्माण प्रक्रिया वैसी ही नहीं है जिसका प्रयोग लांक्सेस प्रौद्योगिकी में लांक्सेस द्वारा किया जाता है जिसमें वे कोई कतिपय प्रतिक्रिया बिल्कुल भी नहीं करने देते ।
- कि जहां तक पीएक्स-13 के संबंध में विनिर्माण प्रक्रिया का संबंध है, वे ऐसी स्थिति में हैं कि जिससे वे पिछड़े एकीकरण के संबंध में अपनी ताकत को स्थल पर उत्पादित प्रमुख कच्चे माल तथा मध्यवर्ती सामान के साथ लगा सकें ।
- कि निर्यात के मामले में अपेक्षित पैकिंग तथा अन्य मामले के बीच, जो भी हो, कोई ज्यादा अंतर नहीं है ।

च.3 अन्य इच्छुक पक्षकार

अन्य इच्छुक पक्षकारों ने इस जांच के प्रत्युत्तर में अपने-अपने निवेदनों में उत्पाद वर्गीकरण, जांच अवधि तथा उसके प्रारंभ और प्रोडक्ट कवरेज आदि के संबंध में सामान्य मुद्दे उठाए हैं । प्राधिकार ने इन निवेदनों को उनकी संगत तथा पुष्ट होने की सीमा तक के लिए नोट कर दिया है ।

च.4 प्राधिकारी द्वारा जांच:

प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के सामान्य मूल्य और निर्यात कीमतों के निर्धारण के संबंध में निर्यातकों द्वारा किए गए निवेदनों को नोट कर लिया है । सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमतों के संबंध में निर्यातकों द्वारा अपने सामान्य निवेदनों में किए गए आधारिक तथ्यों को इस आशय से नोट कर लिया है कि उनकी तुलनीय बिक्रियां या तो उनके घरेलू बाजारों में अथवा समुचित तीसरे देशों में हो रही हैं जिन्हें प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य के प्रयोजनार्थ स्वीकार कर लिया जाना चाहिए और ये कीमतें भारत के निर्यात कीमतों की तुलना में अधिक नहीं हैं । उन्होंने अपने संयंत्र आकार और संबद्ध माल के विनिर्माण की कार्यकुशलता का मुद्दा भी उठाया है जो उनकी उत्पादन लागत को अपेक्षतया कम स्तर पर रखते हैं और जिनसे वे भारत सहित विश्व-बाजार में प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं ।

प्राधिकारी नोट करता है कि संयंत्र के आकार और कार्यकुशलता के दावे की पुष्टि, उनकी उत्पादन लागत की सार्थक जांच के लिए निर्धारित रूप तथा तरीके में साक्ष्य और आंकड़ों पर होनी चाहिए ताकि उनके घरेलू बाजार तथा तीसरे देश को की गई बिक्रियों के संबंध में यथोचित सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ व्यापार की

सामान्य प्रक्रिया में किया जा सके। अतः जैसाकि निर्यातक द्वारा प्रस्तुत जानकारी की सीमा का संबंध है, प्राधिकारी द्वारा इन पहलुओं की जांच यथोचित स्थान पर की जाएगी।

जहां तक याचिकाकर्ता द्वारा सामान्य मूल्य के आकलन का संबंध है याचिकाकर्ता के ऊपर यह दायित्व है कि वह प्राधिकारी को निर्यात के देश में सामान्य मूल्य के बारे में ऐसी जानकारी प्रदान करें जोकि याचिकाकर्ता के पास यथोचित रूप से उपलब्ध हो। तत्पश्चात यह प्रत्युत्तरदाता निर्यातक के ऊपर निर्भर होगा कि वह इस दावे का खंडन करे और इसके विरोध में जरूरी साक्ष्य उपलब्ध कराए। जहां तक इच्छुक पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत ऐसी जानकारी का संबंध है, प्राधिकारी द्वारा इसकी जांच सत्यापन के अध्वधीन कर दी जाएगी।

छ. पाटन मार्जिन का निर्धारण

छ.1 उत्पाद: पीएक्स 13

प्राधिकारी नोट करता है कि यूरोपीय संघ के केवल दो निर्यातकों अर्थात् मै0 फ्लेक्सीस एनवी, बेल्जियम और मै0 लांक्सीस जीएमबीएच जर्मनी ने ही इस उत्पाद के संबंध में अपने-अपने प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किए हैं। हालांकि इस उत्पाद का कथित पाटन चीनी ताईपेई से भी हो रहा है लेकिन इस उत्पाद के संबंध में चीनी ताईपेई के किसी भी निर्यातक से कोई प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।

प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ, प्राधिकारी ने प्रत्युत्तरदाता निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों की जांच निम्नानुसार की है:-

छ.1.1 मै0 फ्लेक्सीस एनवी, बेल्जियम

मै0 फ्लेक्सीस एनवी, बेल्जियम ने इस जांच के संबंध में एक विस्तृत प्रश्नावली प्रत्युत्तर दर्ज कराया है जो उनके प्रत्युत्तर पर आधारित है और उसमें पाई गई त्रुटियों के बारे में अतिरिक्त जानकारी भी मंगाई है। प्रश्नावली और विभिन्न शंकाओं के उत्तर के प्रत्युत्तर में इस निर्यातक ने अन्य बातों के अलावा यह निवेदन किया है कि वह अनेक रबड़ रसायनों का विनिर्माण करता है जिनमें इस जांच में शामिल संबद्ध उत्पाद भी शामिल हैं। एमओआर अथवा सेंटोकोर एमबीएस तथा सेंटोफ्लेक्स 6 पीपीडी अथवा पीएक्स 13 का विनिर्माण आंटवर्प, बेल्जियम स्थित उनकी उत्पादन सुविधा में किया जाता है। टीडीक्यू अथवा फ्लेक्टोल ईएमक्यू का उत्पादन उनके यूके स्थित उत्पादन संयंत्र में होता है किंतु उन्होंने 6पीपीडी अथवा पीएक्स 13 के

संबंध में ही प्रश्नावली प्रत्युत्तर दर्ज कराया है और निवेदन किया है कि उनकी बाजार मौजूदगी के आधार पर उनका दीर्घावधि आधार पर भारतीय बाजार में एमबीएस तथा टीडीक्यू के विपणन करने का इरादा नहीं है । अतः उन्होंने इन दोनों उत्पादों के संबंध में अपना प्रत्युत्तर दर्ज नहीं कराया है ।

प्राधिकारी नोट करता है कि यह निर्यातक उत्पाद 6 पीपीडी का उत्पादन करता है और उसे घरेलू बाजार तथा भारतीय बाजार में बेचता है । यह उत्पाद विनिर्मित पीएक्स 13 के बराबर है और इसे घरेलू उत्पादक द्वारा भारत में बेचा जाता है । अतः 6 पीपीडी इस निर्यातक के लिए समान उत्पाद बनता है और 6 पीपीडी के घरेलू बिक्री आंकड़े इस निर्यातक के संबंध में सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ अनंतिम तौर पर स्वीकार कर लिए गए हैं ।

सामान्य मूल्य

प्रस्तुत प्रश्नावली प्रत्युत्तर के आधार पर इस निर्यातक ने इस उत्पाद अथवा 6 पीपीडी के **** घरेलू सौदे (**** मी.टन) यूरोपीय संघ के विभिन्न प्रयोक्ताओं को किए हैं । इस निर्यातक ने संबद्ध माल की उत्पादन लागत के बारे में कतिपय जानकारी प्रस्तुत की है । उत्पादन लागत की पड़ताल तथा घरेलू बिक्री सौदों की व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में जांच होने तक भारत और अंतर्राष्ट्रीय घरेलू बिक्री कीमत उनके सामान्य मूल्य के रूप में अनंतिम तौर पर स्वीकार कर ली गई है । इस आवेदक ने व्यापार समायोजनों के स्तर के रूप में घरेलू बिक्रियों पर कतिपय समायोजनों का दावा किया है । सत्यापन होने तक दावा किए गए समायोजनों को प्राधिकारी द्वारा अनंतिम रूप से स्वीकार कर लिया गया है जिससे सामान्य मूल्य की गणना कारखानागत कीमत स्तर पर की जा सके । इसके आधार पर उपरोक्त निर्यातक के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण **** अम.डा./कि.ग्रा.पर किया गया है ।

निर्यात कीमत

इस निर्यातक ने **** अम.डा./कि.ग्रा. की भारत और अंतर्राष्ट्रीय निर्यात कीमत पर भारत को संबद्ध माल की निर्यात बिक्री के **** निर्यात सौदों (**** मी.टन) की सूचना दी है । इस निर्यातक ने समुद्री बीमें तथा पोतलदान प्रभारों के लिए समायोजन नहीं बताया है । दावे के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय भाड़ा सुपुर्दगी तथा समुद्री भाड़ा के अनंतिम तौर पर अनुमति दिए जाने के पश्चात् निवल कारखानागत निर्यात कीमत की गणना **** अम.डा./कि.ग्रा. पर की जाती है ।

पाटन मार्जिन

पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ, इस प्रकार अनंतिम तौर पर निर्धारित कारखानागत सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमतों की तुलना व्यापार के उसी स्तर पर की गई है। कीमत तुलनीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले अन्य कारकों के लिए किसी भी समायोजन का दावा नहीं किया गया है, तदनुसार, इस निर्यातक के संबंध में पाटन मार्जिन का अनंतिम निर्धारण इस प्रकार किया गया है:-

निर्यातक	सामान्य मूल्य अम.डा./टि ग्रा.	निर्यात कीमत अम.डा./वि ग्रा.	पाटन मार्जिन अम.डा./वि ग्रा.	पाटन मार्जिन %
फ्लेक्सीस एनवी	****	****	****	23.36%

छ.1.2 मै0 लांक्सेस जीएमबीएच, जर्मनी

मै0 लांक्सेस जीएमबीएच ने केवल एक उत्पाद अर्थात् पीएक्स 13 के बारे में ही अपना प्रत्युत्तर दर्ज कराया है और इस बात की पुष्टि की है कि वे एमओआर के विनिर्माण तथा बिक्री में शामिल नहीं हैं। वे तीसरे उत्पाद अथवा टीडीक्यू का निर्माण करते हैं और उसकी बिक्री अपने यूरोपी संघ के घरेलू बाजार में करते हैं लेकिन भारत को उसका निर्यात नहीं करते हैं। किंतु उन्होंने सहयोग की भावना में इस उत्पाद की अपनी घरेलू बिक्री कीमत संबंधी कतिपय जानकारी भी प्रदान की है ताकि प्राधिकारी यूरोपीय संघ के निर्यातकों के संबंध में इस उत्पाद के सामान्य मूल्य का निर्धारण कर सके।

इस निर्यातक ने जर्मन बाजार में वॉलकेनाक्स 4020 (पीएक्स 13 के बराबर) नामक उत्पाद के अपने घरेलू बिक्री ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं। किंतु प्रस्तुत जानकारी निर्धारित प्रारूप तथा तरीके के अनुसार नहीं पाई गई है। इस संबंध में उन्हें सूचित त्रुटियों के प्रत्युत्तर में इस निर्यातक ने यह स्पष्ट किया है कि उनकी कंप्यूटर प्रणाली में उपलब्ध आंकड़ों को प्रश्नावली प्रारूप में हस्तांतरित करना संभव नहीं है। अतः उन्होंने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि प्रस्तुत जानकारी के तरीके तथा प्रारूप के प्रति हुए सख्त तथा अलोचशील दृष्टिकोण न अपनाएं। उन्होंने आगे यह भी स्पष्ट किया है कि यह जानकारी तथा आंकड़े उनके विश्वव्यापी प्रचालनों की वजह से बहुत ही संवेदनशील हैं। किंतु उन्होंने निवेदन किया है कि यह सभी जानकारी आंकड़ों के सत्यापन के दौरान स्वस्थाने उपलब्ध करा दी जाएगी और प्राधिकारी इस बात के

लिए स्वतंत्र है कि वह इन आंकड़ों की जांच उनकी प्रणाली से कर सकता है। प्राधिकारी नोट करता है कि यह संबंधित निर्यातक की जिम्मेदारी है कि वह निर्धारित प्रारूप तथा तरीके में आंकड़े प्रस्तुत कराए ताकि पाटन मार्जिन यदि कोई हो, की उद्देश्यपरक जांच तथा निर्धारण की जा सके। अतः इस निर्यातक के संबंध में सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए अपेक्षित आंकड़ों का सत्यापन होने तक प्राधिकारी ने इस निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर सामान्य मूल्य का अनंतिम मूल्य का निर्धारण निम्नानुसार किया है:-

सामान्य मूल्य: लांक्सेस जीएमबीएच

इस निर्यातक ने बताया है कि उन्होंने जांच अवधि के दौरान **** यूरो (**** अम.डा. के बराबर) की औसत कीमत पर घरेलू जर्मन बाजार में इस उत्पाद की **** मी.टन बिक्री की है। इस निर्यातक ने इस कीमत पर किसी समायोजन का दावा नहीं किया है और इस प्रकार ऐसा मान लिया जाता है कि यह कीमत कारखानागत कीमत के स्तर पर है। तदनुसार, पीएक्स 13 के सामान्य मूल्य का अनंतिम निर्धारण **** अम.डा./कि.ग्रा. पर किया जाता है।

निर्यात कीमत: लांक्सेस जीएमबीएच

इस निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को पीएक्स 13 के **** मी.टन का निर्यात हुआ बताया है। हालांकि इस निर्यातक ने उल्लेख किया है कि इस निर्यात का एक भाग मै0 लांक्सेस इंडिया की मारफ़त हुआ है लेकिन उन परिणामी बिक्रियों का ब्यौरा नहीं दिया गया है। अतः प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने इसकी गणना संबद्ध देशों से हुए आयात के संबंध में सभी तुलनीय सौदों की भारित औसत निर्यात कीमत पर की है ताकि भारत के लिए सीआईएफ़ निर्यात कीमत का निर्धारण किया जा सके जोकि **** अम.डा./कि.ग्रा.बैठती है। इस निर्यातक ने यह भी इंगित किया है कि सभी सौदों पर **** % कमीशन भी देय होता है। इस प्रकार, आकलित निर्यात कीमत जोकि सीआईएफ़ निर्यात कीमत है, उपलब्ध तथ्यों पर आधारित कुल **** अम.डा./कि.ग्रा. पर समुद्री भाड़ा, बीमा तथा कमीशन का समायोजन किया गया है और इन्हीं पर विचार किया गया है। तदनुसार, कारखानागत स्तर पर निवल निर्यात कीमत **** अम.डा./कि.ग्रा. बैठती है।

पाटन मार्जिन (लैंक्सीस जीएमबीएच)पीएक्स-13

पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए निर्यात कीमत की तुलना जांच अवधि के दौरान

1175 GI/01-5

व्यापार के उसी स्तर अर्थात् कारखानागत स्तर पर सामान्य मूल्य से की गई है। इस निर्यातक ने कीमत तुलनीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले अंतरों के बारे में किसी भी समायोजन का दावा नहीं किया है जिसमें बिक्री, कराधान, व्यापार-स्तर, मात्रा, वास्तविक विशेषताओं की शर्तों में अंतर और वह अंतर शामिल हैं जो कीमत तुलनीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं।

तदनुसार, संबद्ध देशों के संबद्ध माल के उत्पादकों/निर्यातकों के बारे में पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:-

(पीएक्स-13)	सामान्य मूल्य अम.डा./कि.ग्रा.	निर्यात कीमत अम.डा./कि.ग्रा.	पाटन मार्जिन अम.डा./कि.ग्रा.	पाटन मार्जिन %
लांक्सेस जीएमबीएच	****	****	****	30%

इस प्रकार आकलित पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है और इसे पर्याप्त समझा जाता है।

छ.1.3 यूरोपीय संघ के सभी अन्य निर्यातक:पीएक्स-13

यूरोपीय संघ के असहयोगकारी निर्यातकों के संबंध में प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया है। असहयोगकारी निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर **** अम.डा./कि.ग्रा. पर किया गया है। इसी प्रकार, निर्यात कीमत का निर्धारण लागू कमीशन, अंतर्राज्यीय परिवहन, समुद्री भाड़ा तथा बीमा के संबंध में समायोजन की अनुमति दिए जाने के बाद औसत सीआईएफ निर्यात कीमत के आधार पर **** अम.डा./कि.ग्रा. पर किया गया है। तदनुसार यूरोपीय संघ के अन्य सभी निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन का अनंतिम निर्धारण **** अम.डा./कि.ग्रा.(36%) पर किया गया।

छ.1.4 चीनी ताइपेई के सभी निर्यातक

प्राधिकारी नोट करता है कि चीनी ताइपेई के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने निर्धारित प्रश्नावली के अनुसार सामान्य मूल्य के बारे में कोई भी प्रत्युत्तर अथवा जानकारी प्रदान नहीं की है। अतः प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने

सामान्य मूल्य की गणना उपरोक्त नियमावली के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी के आधार पर चीनी ताइपेई में संबद्ध माल के यथोचित लाभ से आकलित उत्पादन लागत के आधार पर की है। तदनुसार, चीनी ताइपेई के सभी निर्यातकों के संबंध में एमओआर के सामान्य मूल्य का निर्धारण **** अम.डा./कि.ग्रा. पर किया है।

प्राधिकारी ने चीनी ताइपेई से किए गए आयातों के संबंध में सभी तुलनीय सौदों की भारित औसत निर्यात कीमत की गणना की है जिससे भारत के लिए सीआईएफ निर्यात कीमत का निर्धारण किया जा सके जिसकी गणना **** अम.डा./मी.टन पर की जाती है। इस प्रकार, आकलित निर्यात कीमत जो सीआईएफ कीमत भी है, में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर कुल **** अम.डा./कि.ग्रा. पर अंतर्राज्यीय परिवहन, समुद्री भाड़ा, बीमा तथा कमीशन का समायोजन किया गया है और इसे ही संबंधित निर्यातकों के संपूर्ण असहयोग को देखते हुए विचार में लाया गया है। तदनुसार, कारखानागत स्तर पर निवल निर्यात कीमत का अनंतिम निर्धारण **** अम.डा./कि.ग्रा. पर किया गया है।

कारखानागत सामान्य मूल्य की तुलना व्यापार के उसी स्तर पर इस प्रकार निर्धारित कारखानागत निर्यात कीमत से की गई है जिससे कि पाटन मार्जिन का निर्धारण किया जा सके जो चीनी ताइपेई के सभी निर्यातकों के संबंध में **** अम.डा./कि.ग्रा. बैठता है।

छ.2 उत्पाद: एमओआर

प्राधिकारी नोट करता है कि हालांकि संबद्ध माल का तथाकथित पाटन यूरोपीय संघ, संयुक्त राज्य अमरीका और चीन जन.गण. से हो रहा है लेकिन यूरोपीय संघ केवल एक निर्यातक अर्थात् मै0 लांक्सेस एनवी, बेल्जियम ने इस उत्पाद के संबंध में प्रश्नावली का प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया है। इस उत्पाद के संबंध में अन्य देशों अर्थात् संयुक्त राज्य अमरीका तथा चीन जन.गण. के किसी भी निर्यातक से कोई भी प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने प्रत्युत्तरदाता निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों की जांच निम्नानुसार की है:-

छ.2.1 मै0 लांक्सेस एनवी, बेल्जियम

मै0 लांक्सेस एनवी, बेल्जियम ने केवल एकमात्र उत्पाद अर्थात् एमओआर के संबंध में अपना प्रश्नावली प्रत्युत्तर दर्ज कराया है। उनके प्रश्नावली प्रत्युत्तर चूंकि कतिपय

मामलों में अपूर्ण पाया गया, के आधार पर, विशेष रूप से उनकी घरेलू बिक्री तथा विनिर्माण लागत के बारे में कतिपय अतिरिक्त जानकारी मांगी गई। अपने निवेदन में निर्यातक ने कहा है कि एमओआर अब यूरोपीय संघ में टायर उद्योग में कारगर प्रयोग में नहीं रह गया है। अतः घरेलू यूरोपीय संघ बाजार में इस उत्पाद की उनकी बहुत छोटी सी बिक्री होती है। इस बाजार में कुल बिक्री उनकी कुल बिक्री के 1% से भी कम होती है जोकि सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सही बाजार कीमत परिलक्षित नहीं होती है। उन्होंने इन बिक्री सौदों से संबंधित आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं और अपने तीसरे देश बिक्री कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। किंतु उन्होंने निवेदन किया है कि प्राधिकारी यदि आवश्यक हो तो इन आंकड़ों की मौके पर पड़ताल के दौरान घरेलू बिक्रियों के ब्यौरों की पड़ताल कर सकता है।

यूरोपीय संघ में उपरोक्त उत्पाद की पर्याप्त घरेलू बिक्री नहीं होने पर इस निर्यातक का प्रस्ताव है कि किसी समुचित तीसरे देश को होने वाले उनके निर्यात को उनके सामान्य मूल्य के रूप में स्वीकार कर लिया जाये। इस संबंध में उन्होंने अनुरोध किया है कि ईरान को होने वाले उनके निर्यात की इस प्रयोजनार्थ समुचित तीसरे रूप में जांच की जाए। उन्होंने तर्क दिया है कि निम्नलिखित कारणों से ईरान को सर्वाधिक समुचित तीसरा देश मान लिया जाए:-

- क) इस उत्पाद के संबंध में बिक्री मात्रा द्वारा अगला सर्वाधिक बड़ा देश
- ख) अंतिम उपभोक्ता ढांचा वही है जो भारत में है
- ग) ईरान को होने वाली बिक्री अमरीकी डालर में दर्शाई जाती है और इसीलिए मुद्रा संबंधी अंतर को समाप्त कर दिया गया है
- घ) स्थानीय टायर विनिर्माण सुविधाओं की मौटे तौर पर तुलना दोनों देशों में की जाती है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी ने एमओआर के संबंध में मै0 लांक्सेस एनवी के दावे के संबंध में उनके द्वारा किए गए निवेदनों की जांच की है। प्राधिकारी नोट करता है कि धारा 9क(1)(ग) और उक्त करार के अनुच्छेद 2.1 के अनुसार किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का आशय निम्नलिखित होता है:-

"2.1 इस करार के प्रयोजनार्थ कोई उत्पाद तब पाटित समझा जाएगा, अर्थात् उसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर दूसरे देश के वाणिज्य में शामिल, बशर्ते एक देश से दूसरे देश को निर्यातित उत्पाद के निर्यात कीमत निर्यातक देश में खपत के लिए आशयित समान उत्पाद के संबंध में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में तुलनीय कीमत से कम हो।

2.2 जब निर्यातक देश के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान उत्पाद की कोई बिक्री नहीं हो रही हो अथवा जब निर्यातक देश के घरेलू बाजार में विशेष बाजार स्थिति अथवा बिक्री मूल्य कम हो तो ऐसी स्थिति में ऐसी बिक्रियों पर किसी यथोचित तुलना की अनुमति नहीं होती है, अतः पाटन मार्जिन का निर्धारण समान उत्पाद की तुलनीय कीमत से तुलना करके किया जाता है जब उसका निर्यात किसी समुचित तीसरे देश को किया जाता हो बशर्ते यह कीमत उसका प्रतिनिधित्व करती हो अथवा लाभ के लिए प्रशासनिक, बिक्री तथा सामान्य लागतों की यथोचित राशि में उद्भव के देश में उसकी उत्पादन लागत को जोड़कर निर्धारित किया जाता हो ।

2.2.1 निर्यातक देश के घरेलू बाजार में समान उत्पाद की बिक्री अथवा प्रति इकाई (निर्धारित तथा कमोबेश) उत्पादन लागत जमा प्रशासनिक, बिक्री तथा सामान्य लागतों से कम कीमत पर किसी तीसरे देश को की गई बिक्रियों को कीमत के कारण द्वारा सामान्य व्यापार प्रक्रिया नहीं होना माना जाए और इसे सामान्य मूल्य के निर्धारण में तब शामिल नहीं किया जाए यदि प्राधिकारी यह तय करते हैं कि ऐसी बिक्रियां पर्याप्त मात्रा में बढ़ाई गई समयावधि के भीतर की जाती हैं और वह ऐसी कीमत पर की जाती है जिन्हें यथोचित समयावधि के भीतर सभी लागतों की वसूली के लिए प्रदान नहीं किया जाता हो । यदि ऐसी कीमतें जो बिक्री के समय प्रति इकाई लागत से कम स्तर पर हों और वह जांच अवधि के लिए भारित औसत प्रति इकाई लागत से ऊपर हो तो ऐसी कीमतों को यथोचित समयावधि के भीतर लागतों की वसूली के लिए समझा जाए ।"

प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के निर्यातकों को इस बात का अवसर दिया कि वे उपरोक्त धारा के अनुसार जांच के संगत जानकारी प्रस्तुत करें और अपनी टिप्पणी, यदि कोई हो, ऑफर करें । इस उत्पाद के संबंध में यूरोपीय संघ के एकमात्र प्रत्युत्तरदाता निर्यातक अर्थात् मै0 लांक्सेस एनवी, बेल्जियम ने अनुरोध किया है कि घरेलू यूरोपीय संघ के बाजार में इस उत्पाद की अपर्याप्त घरेलू बिक्री मात्रा को देखते हुए इस उत्पाद के लिए उनके सामान्य मूल्य का निर्धारण समुचित तीसरे देश के रूप में ईरान को किए गए उनके निर्यातों के संदर्भ में किया जाए । इस संबंध में उन्होंने तर्क दिया है कि ईरान ही भारत में बाजार दशा के तुलनीय और निर्यात मात्रा की दृष्टि से सर्वाधिक समुचित तीसरा देश है ।

प्राधिकारी नोट करता है कि ऊपर उल्लिखित उपबंधों में प्राधिकारी के लिए यह विकल्प उपलब्ध है कि वह सामान्य मूल्य के निर्धारण की एक ऐसी यथोचित पद्धति अपनाए जब निर्यातक की घरेलू बिक्री सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए प्रतिनिधि

नहीं बनती है । किंतु यथोचित तीसरे देश को की गई बिक्री को सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ अंगीकार किया जा सकता है बशर्ते वह पर्याप्तता परीक्षण में सफल हो जाए और व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में यह हो कि "प्रति एकक (निर्धारित तथा संचलनीय) उत्पादन लागत जमा प्रशासनिक, बिक्री तथा सामान्य लागतों से कम कीमत पर तीसरे देश को की गई बिक्री को कीमत के कारण व्यापार सामान्य प्रक्रिया में नहीं होने के रूप में मान लिया जाए ।"

प्रत्युत्तरदाता निर्यातक ने मौजूदा मामले में प्रस्तावित तीसरे देश के बिक्री सौदों के संबंध में यथोचित व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में परीक्षण करने के लिए प्रश्नावली प्रत्युत्तर में पर्याप्त जानकारी उपलब्ध नहीं कराई है । इस निर्यातक ने अपने प्रश्नावली प्रत्युत्तर में अपनाई गई प्रक्रिया तथा संबद्ध माल के संबंध में प्रमुख कच्चे माल के संसाधन के कारण अपने प्रतिस्पर्धियों की तुलना में अच्छे लागत लाभ का दावा किया है, जिनका विनिर्माण उनके अपने ही संयंत्र में होता है । किंतु, इन दावों की पुष्टि उनके लागत आंकड़ों द्वारा नहीं की गई है हालांकि । इस निर्यातक ने सुझाव दिया है कि यह जानकारी स्थल पर जांच के दौरान प्रस्तुत की जाएगी । अतः प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ, प्राधिकारी ने इस निर्यातक के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देश को की गई निर्यात बिक्रियों के आधार पर कड़ाई से किया है जो किए गए विभिन्न दावों और सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजार्थ इन निर्यातों की ग्राह्यता के अध्यधीन हो ।

सामान्य मूल्य: लांक्सेस एनवी

प्रत्युत्तरदाता निर्यातक ने **** यूरो (**** अम.डा. के बराबर) की औसत सीआईएफ निर्यात कीमत पर जांच अवधि के दौरान ईरान को इस उत्पाद के **** मी.टन. निर्यात किए जाने की रिपोर्ट दी है । इस निर्यातक ने इस कीमत पर **** % एजेंट कमीशन और **** अम.डा./कि.ग्रा. की दर से परिवहन तथा बीमा समायोजन को भी इंगित किया है । तदनुसार, उनके तीसरे देश निर्यात कीमत पर आधारित कारखानागत सामान्य मूल्य **** अम.डा./कि.ग्रा. बैठता है ।

निर्यात कीमत: लांक्सेस एनवी

प्रत्युत्तरदाता निर्यातक ने **** अम.डा./कि.ग्रा.की औसत सीआईएफ कीमत पर जांच अवधि के लिए भारत को संबद्ध माल के **** मी.टन. निर्यात होने की रिपोर्ट दी है । इस पर **** % के सीआईएफ कीमत कमीशन की अनुमति दी गई है और इस निर्यातक ने परिवहन तथा बीमे के लिए **** अम.डा./कि.ग्रा. के अतिरिक्त समायोजन का भी दावा किया है । किंतु अपने सामान्य निवेदन में इस

पक्षकार ने निवेदन किया है कि अपनी सभी बिक्रियों पर लांक्सेस एनवी द्वारा लांक्सेस जीएमबीएच को **** % के कमीशन का भुगतान किया जाता है जिसमें से **** % का भुगतान लांक्सेस इंडिया को उनके द्वारा किए गए कारोबार के लिए किया जाता है। तदनुसार, **** % की दर से कमीशन की संपूर्ण राशि को कारखानागत निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए सीआईएफ मूल्य से घटा दिया जाता है जो **** अम.डा./कि.ग्रा. बैठता है।

पाटन मार्जिन: लांक्सेस एनवी (उत्पाद - एमओआर)

चूंकि इस निर्यातक द्वारा किसी अन्य समायोजन का दावा नहीं किया है अथवा उसकी पुष्टि नहीं की है अतः इस प्रकार तृतीय देश निर्यात कीमत के संदर्भ में अनंतिम तौर पर निर्धारित कारखानागत निर्यात कीमत की तुलना व्यापार के उसी स्तर पर भारत के लिए कारखानागत निर्यात कीमत से की गई है और पाटन मार्जिन की गणना **** अम.डा./कि.ग्रा. पर अर्थात् निर्यात कीमत के 26.3% पर की जाती है। अनंतिम आधार पर इस प्रकार निर्धारित पाटन मार्जिन काफी है और वास्तविक है।

छ.2.2 यूरोपीय संघ के अन्य सभी निर्यातक

यूरोपीय संघ के अन्य सभी निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य का अनंतिम निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित सामान्य मूल्य के आधार पर किया गया है (सहयोगकारी निर्यातक द्वारा संबद्ध माल के सौदा मूल्यों के मद्देनजर) और इस अनंतिम निर्धारण के प्रयोजनार्थ यूरोपीय संघ के सभी अन्य निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य **** अम.डा./कि.ग्रा. पर आंका गया है।

कारखानागत निर्यात कीमत का अनंतिम निर्धारण कमीशन, अंतर्राज्यीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा तथा बीमा संबंधी समायोजनों की अनुमति दिए जाने के बाद यूरोपीय संघ की औसत निर्यात कीमत के आधार पर किया गया है। यूरोपीय संघ से संबद्ध माल की औसत सीआईएफ कीमत का निर्धारण **** अम.डा./कि.ग्रा. पर किया गया है। समुद्री भाड़ा, अंतर्राज्यीय भाड़ा, बीमा, कमीशन आदि के समायोजनों की अनुमति दिए जाने के पश्चात् निवल कारखानागत निर्यात कीमत की गणना **** अम.डा./कि.ग्रा. पर की गई है।

तदनुसार यूरोपीय संघ के सभी असहयोगकारी निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन **** अम.डा./कि.ग्रा. बैठता है।

छ.2.3 संयुक्त राज्य अमरीका के सभी निर्यातक

प्राधिकारी नोट करता है कि संयुक्त राज्य के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने निर्धारित प्रश्नावली के अनुसार सामान्य मूल्य के बारे में कोई प्रत्युत्तर अथवा जानकारी नहीं दी है। अतः प्राधिकारी निर्णय देता है कि संयुक्त राज्य अमरीका के किसी भी निर्यातक ने उपर्युक्त नियमावली के तहत यथाविहित प्रावधानों के अनुसार प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है। उक्त करार के अनुच्छेद 6(8) और उसके साथ पठित उसके अनुबंध-II में यह उपबंध है कि निर्यातकों द्वारा संपूर्ण असहयोग के मामले में प्राधिकारी जांच प्रारंभ हेतु घरेलू उद्योग द्वारा दायर प्रार्थना-पत्र में उपलब्ध तथ्यों सहित सभी उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारण करने के लिए स्वतंत्र होगा। इन परिस्थितियों में प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य की गणना उपरोक्त नियम 6(8) के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी के आधार पर संयुक्त राज्य अमरीका में संबद्ध माल के यथोचित लाभ के साथ आंकी गई उत्पादन लागत के आधार पर की है। तदनुसार, संयुक्त राज्य अमरीका के सभी निर्यातकों के संबंध में एमओआर के सामान्य मूल्य का निर्धारण **** अम.डा./कि.ग्रा. पर किया है।

प्राधिकारी ने संयुक्त राज्य अमरीका से होने वाले आयातों के संबंध में सभी तुलनीय सौदों की भारित औसत निर्यात कीमत की गणना की है ताकि भारत के लिए सीआईएफ निर्यात कीमत का निर्णय किया जा सके और **** अम.डा./कि.ग्रा. बैठती है। इस प्रकार आकलित निर्यात कीमत, जो सीआईएफ निर्यात कीमत भी है, में उस देश के संपूर्ण असहयोग को देखते हुए, उपलब्ध तथ्यों के आधार पर लागू कुल **** अम.डा./कि.ग्रा. के हिसाब से अंतर्राज्यीय परिवहन, समुद्री भाड़ा, बीमा तथा कमीशन के समायोजन पर निर्धारित किया गया है। तदनुसार कारखानागत स्तर पर निवल निर्यात कीमत का अनंतिम निर्धारण **** अम.डा./कि.ग्रा. पर किया गया है।

कारखानागत सामान्य मूल्य की तुलना इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य से समान व्यापार स्तर पर की गई और संयुक्त राज्य अमरीका के सभी निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण अनंतिम तौर पर **** अम.डा./कि.ग्रा. पर निर्धारित किया जाता है।

छ.2.4 चीन के सभी निर्यातक

प्राधिकारी नोट करता है कि चीन के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने निर्धारित प्रश्नावली के अनुसार सामान्य मूल्य के संबंध में कोई भी प्रत्युत्तर अथवा जानकारी

प्रदान नहीं की है अथवा चीन के निर्यातकों के विरुद्ध गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की धारणा का खंडन नहीं किया है। अतः प्राधिकारी निर्णय देता है कि चीन जन.गण. के किसी भी निर्यातक ने प्राधिकारी को सहयोग नहीं दिया है जैसाकि उक्त नियमावली के तहत यथा विहित है। उपरोक्त नियमावली के अनुबंध-II के पैरा 8 में यह उपबंध है कि गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों के निर्यातकों के संबद्ध में सामान्य मूल्य का निर्धारण उत्पादन लागत तथा भारत सहित किसी समुचित तीसरे देश में विचाराधीन उत्पाद के संबंध में यथोचित लाभ के आधार पर किया जा सकता है। इन परिस्थितियों में प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य की गणना उपर्युक्त नियमावली के तहत सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी के अनुसार चीन जन.गण. में संबद्ध माल के यथोचित लाभ के साथ आंकी गई उत्पादन लागत के आधार पर की है। तदनुसार, चीन के सभी निर्यातकों के संबंध में एमओआर के परिकलित सामान्य मूल्य का अनंतिम निर्धारण **** अम.डा./कि.ग्रा. पर किया है।

प्राधिकारी ने चीन जन.गण. से होने वाले आयातों के संबंध में सभी तुलनीय सौदों की भारत औसत निर्यात कीमत की गणना की है ताकि भारत के लिए सीआईएफ निर्यात कीमत का निर्धारण किया जा सके जोकि **** अम.डा./कि.ग्रा. बैठती है। इस प्रकार आकलित निर्यात कीमत जोकि सीआईएफ निर्यात कीमत भी है, में कुल **** अम.डा./कि.ग्रा. के अंतर्राज्यीय परिवहन, समुद्री भाड़ा, बीमा तथा कमीशन संबंधी समायोजन शामिल हैं और उस देश के संपूर्ण असहयोग को देखते हुए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर उसे लागू किया गया है। तदनुसार, कारखानागत स्तर पर निवल निर्यात कीमत का अनंतिम निर्धारण **** अम.डा./कि.ग्रा. पर किया गया है।

कारखानागत सामान्य मूल्य की तुलना इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य से व्यापार के समान स्तर पर की गई है और चीन जन.गण. के सभी निर्यातकों के संबंध में **** अम.डा./कि.ग्रा. के हिसाब से अनंतिम पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है।

छ.3. उत्पाद टीडीक्यू

प्राधिकारी नोट करता है कि टीडीक्यू का तथाकथित पाटन यूरोपीय संघ तथा चीनी टार्गेट से होता है। किंतु, यूरोपीय संघ के केवल एक निर्यातक अर्थात् मै0 जनरल क्यूमिका एसए ने ही इस उत्पाद के संबंध में अपना प्रश्नावली प्रत्युत्तर दर्ज कराया है। मै0 लांगसेस जीएमबीएच, जर्मनी ने यूरोपीय संघ के बाजार में इस उत्पाद की

घरेलू बिक्री कीमत के संबंध में अपने आंकड़े प्रस्तुत किए हैं और निवेदन किया है कि वे इस उत्पाद का भारत को निर्यात नहीं करते हैं लेकिन उनकी घरेलू बिक्री कीमतें प्राधिकारी की सहायता के लिए उपलब्ध कराए गए हैं ताकि इस उत्पाद के संबंध में उद्देश्यपूर्ण निर्धारण किया जा सके। चीन के किसी अन्य निर्यातक ने इस उत्पाद के संबंध में जांच के लिए कोई प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है। प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने प्रत्युत्तरदाता निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों की जांच निम्नानुसार की है:-

छ.3.1 मै0 जनरल क्यूमिका एसए

मै0 जनरल क्यूमिका एसए, स्पेन ने अपने रूबाटन 184 नामक उत्पाद के संबंध में प्रश्नावली प्रत्युत्तर दर्ज कराया है और यह उत्पाद टीडीक्यू नामक उत्पाद के बराबर है। उन्होंने तर्क दिया है कि उनकी घरेलू बिक्रियों तथा भारत के निर्यात कीमत के आधार पर उस देश से किसी भी पाटन का प्रश्न नहीं उठता है। प्रत्युत्तरदाता निर्यातक से पूछा गया था कि वे घरेलू बाजार बिक्रियों तथा भारत के लिए निर्यात के संबंध में पर्याप्त आंकड़ों के साथ अपना प्रत्युत्तर पूरा करें। इस निर्यातक द्वारा प्रस्तुत संशोधित प्रत्युत्तर के आधार पर प्राधिकारी द्वारा अनंतिम आकलन निम्नानुसार किया गया है:-

सामान्य मूल्य

इस निर्यातक ने घरेलू बाजार में सबद्ध माल की घरेलू बिक्री ***** प्रति.मी.टन यूरो की औसत बिक्री कीमत पर ***** मी.टन. की है। उक्त प्रत्युत्तर के अनुसार व्यापार समायोजनों का स्तर लागू करने के पश्चात् कारखानागत बिक्री कीमत की गणना ***** यूरो प्रति मी.टन (***** अम.डा./मी.टन के बराबर) बैठती है। अतः इस निर्यातक के लिए इस उत्पाद के सामान्य मूल्य का अनंतिम निर्धारण ***** अम.डा./मी.टन(***** अम.डा./कि.ग्रा.) बैठता है जोकि उसके लागत आंकड़ों और यथा दावा किए गए अन्य समायोजनों के सत्यापन के अधधीन है।

निर्यात कीमत

इस निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को ***** अम.डा. के कुल सीआईएफ मूल्य पर सबद्ध माल का ***** मी.टन. निर्यात करने की रिपोर्ट दी है। समुद्री भाड़ा, अंतर्राज्यीय भाड़ा, बीमा तथा सुपुर्दगी प्रभारों के लिए समायोजनों की अनुमति दिए जाने के पश्चात् कारखानागत निर्यात कीमत का अनंतिम निर्धारण ***** अम.डा./मी.टन.(***** अम.डा./कि.ग्रा.)पर किया गया है।

पाटन मार्जिन

चूंकि इस निर्यातक द्वारा किसी अन्य समायोजन का दावा नहीं किया है अथवा उसकी पुष्टि नहीं की है, अतः उनकी घरेलू बिक्रियों के संदर्भ में इस प्रकार अनंतिम निर्धारित कारखानागत सामान्य मूल्य की तुलना व्यापार के समान स्तर पर भारत के लिए कारखानागत निर्यात कीमत से कर दी गई है और पाटन मार्जिन की गणना **** अम.डा./मी.टन. (**** अम.डा./कि.ग्रा.) पर अर्थात् निर्यात कीमत के 31% पर की जाती है। इस प्रकार अनंतिम आधार पर निर्धारित पाटन मार्जिन पर्याप्त तथा वास्तविक है।

छ.3.2 यूरोपीय संघ के सभी अन्य निर्यातक

प्राधिकारी नोट करता है कि मै0 लांक्सेस जीएमबीएच ने यूरोपीय संघ में सामान्य मूल्य के सबूत के रूप में अपने घरेलू बाजार में टीडीक्यू की अपनी बिक्री के संबंध में कतिपय जानकारी प्रदान की है किंतु, इस जानकारी को पुष्ट नहीं किया गया है और इन सौदों के संबंध में व्यापार स्तर मालूम नहीं है। सहयोगकारी निर्यातक की घरेलू बिक्री कीमत पर भी यूरोपीय संघ के असहयोगकारी निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य के अनंतिम आंकलन के प्रयोजनार्थ विचार किया गया है। सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी के आधार पर यूरोपीय संघ के असहयोगकारी निर्यातकों के संबंध में कारखानागत सामान्य मूल्य का अनंतिम निर्धारण **** अम.डा./मी.टन (**** अम.डा./कि.ग्रा.) पर किया गया है।

असहयोगकारी निर्यातकों के संबंध में संबद्ध माल की कारखानागत निर्यात कीमत के अनंतिम निर्धारण के प्रयोजनार्थ आकलन ****% की दर से समुद्री भाड़ा, अंतर्राज्यीय भाड़ा, बीमा, सुपुर्दगी प्रभार तथा कमीशन के समायोजन के बाद सहयोगकारी निर्यातकों के सौदों के आधार पर किया गया है। तदनुसार, असहयोगकारी निर्यातकों के संबंध में निवल निर्यात कीमत का अनंतिम आकलन **** अम.डा./मी.टन (**** अम.डा./कि.ग्रा.) पर किया गया है। उपर्युक्त अनंतिम आकलन के आधार पर यूरोपीय संघ के सभी असहयोगकारी निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन की गणना **** अम.डा./मी.टन (**** अम.डा./कि.ग्रा.) अर्थात् निर्यात कीमत के 34.8% परर बैठती है जोकि पर्याप्त तथा वास्तविक है।

छ.3.3 चीनी ताईपेई के सभी निर्यातक

प्राधिकारी नोट करता है कि चीन के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने निर्धारित प्रश्नावली के अनुसार सामान्य मूल्य के संबंध में कोई भी प्रत्युत्तर अथवा जानकारी

प्रदान नहीं की है। अतः प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य की गणना उपरोक्त नियमावली के अनुसार उपलब्ध सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार चीनी ताइपेई में संबद्ध माल के यथोचित लाभ के साथ आकलित उत्पादन लागत के आधार पर की है। तदनुसार, चीनी ताइपेई के सभी निर्यातकों के संबंध में पीडीक्यू के सामान्य मूल्य का निर्धारण **** अम.डा./कि.ग्रा. पर किया है।

प्राधिकारी ने भारत के लिए सीआईएफ निर्यात कीमत के उद्देश्य से चीनी ताइपेई से किए गए आयातों के संबंध में सभी तुलनीय सौदे की भारित औसत निर्यात कीमत का हिसाब लगाया है जोकि **** अम.डा./कि.ग्रा. बैठती है। इस प्रकार आकलित निर्यात कीमत जोकि सीआईएफ निर्यात कीमत भी है, में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अंतर्राज्यीय परिवहन, समुद्री भाड़ा, बीमा तथा कमीशन के लिए समायोजन को शामिल किया गया है और संबंधित निर्यातकों के संपूर्ण असहयोग को देखते हुए इसी पर विचार किया गया है। तदनुसार, कारखानागत स्तर पर निवल निर्यात कीमत का अनंतिम निर्धारण **** अम.डा./कि.ग्रा. पर किया गया है।

कारखानागत सामान्य मूल्य की तुलना इस प्रकार निर्धारित कारखानागत निर्यात कीमत से व्यापार के समान स्तर पर की गई है और चीनी ताइपेई के सभी निर्यातकों के संबंध में **** अम.डा./कि.ग्रा. (*** %) के हिसाब से अनंतिम तौर पर पाटन मार्जिन का आकलन किया गया है।

छ.4 पाटन मार्जिन: सारांश

उत्पाद	देश/क्षेत्र	निर्यातक	सामान्य मूल्य अम.डा./कि.ग्रा.	निर्यात कीमत अम.डा./कि.ग्रा.	पाटन मार्जिन अम.डा./कि.ग्रा.	पाटन मार्जिन %
पीएक्स-13	ईयू	फ्लेक्सीस एनवी	****	****	****	23.18%
	ईयू	लांक्सेस जीएमबीएच	****	****	****	32%
	ईयू	अन्य सभी	****	****	****	36.02%
	ताइवान	सभी निर्यातक	****	****	****	35.38%
एमओआर	ईयू	लांसेक्स एनवी	****	****	****	32.48%
	ईयू	अन्य सभी	****	****	****	41.12%
	यूएसए	सभी निर्यातक	****	****	****	34.20%

	चीन	सभी निर्यातक	****	****	****	43.72%
टीडीक्यू	ईयू	जनरल क्यूमिका एसए	****	****	****	30.51%
	ईयू	अन्य सभी निर्यातक	****	****	****	34.86%
	चीनी ताइपेइ	सभी निर्यातक	****	****	****	32.48%

ज. क्षति का निर्धारण

ज.1 निर्यातकों एवं अन्य इच्छुक पक्षकारों के विचार

ज.1.1 मै0 लांसेस एनवी एवं मै0 लांसेस जीएमबीएच

मै0 लांसेस एनवी एवं मै0 लांसेस जीएमबीएच ने अपने-अपने निवेदनों में तर्क दिया है कि क्षतिकारकों की (i) बिक्री (ii) उत्पादन (iii) लाभ (iv) कीमत (v) बाजार हिस्सा (vi) उत्पादकता (vii) क्षमता उपयोग (viii) पूंजी निवेश पर आय (ix) रोजगार (x) पूंजी अथवा निवेश करने की योग्यता (xi) मालसूची/स्टॉक आदि पर प्रतिकूल प्रभाव में वास्तविक गिरावट की जांच करना जरूरी है। याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत क्षति संबंधी आंकड़ों के उल्लेख करते हुए उन्होंने आगे यह भी तर्क दिया है कि:-

- (i) आधार वर्ष से जांच अवधि तक याचिकाकर्ता की क्षमता, उत्पादन, घरेलू बिक्री मात्रा और निर्यात बिक्री मात्रा में काफी वृद्धि हुई है;
- (ii) भारतीय बाजार में संबद्ध माल की मांग में भी वृद्धि हुई है;
- (iii) मांग में याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से में मामूली सी गिरावट आई है;
- (iv) पीएक्स 13 के संबंध में यह बात महत्वपूर्ण है कि याचिकाकर्ता की प्रतिस्थापित क्षमता के उपयोग में मामूली गिरावट आई है जबकि क्षमता में विशाल वृद्धि रही है;
- (v) याचिका में स्वयं यह स्वीकार किया गया है कि प्रस्तावित जांच अवधि में याचिकाकर्ता को वास्तविक लाभ हुआ है हालांकि वह यह वास्तविकता से कम रहा है;
- (vi) याचिकाकर्ता क्षति के मूल्यांकन संबंधी अधिकांशतः सभी कारकों को पूरा करने में पूरी तरह से असफल रहा है।

कारणात्मक संबंध

मै0 लांक्सेस ने आगे यह भी तर्क दिया है कि याचिकाकर्ता स्वयं सामना की जा रही क्षति और भारत को इस उत्पाद के निर्यात के बीच कोई भी संबंध स्थापित करने में असफल रहा है। उन्होंने आगे यह भी तर्क दिया कि:

- याचिकाकर्ता का निर्यात निष्पादन तथाकथित पाटन से असंबद्ध कारणों की वजह से बिगड़ा है।
- प्राधिकारी को चाहिए कि वह याचिकाकर्ता के प्रतिकूल निर्यात-निष्पादन और तथाकथित पाटन के कारण क्षति संबंधी दावों की वजह से हुई क्षति की जांच करे।
- याचिकाकर्ता कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए इस निर्यातक ने यह तर्क दिया है कि याचिकाकर्ता को तथाकथित हानि का कारण उसके पेट्रोकेमिकल डिविजन की समस्याएं हैं जोकि उनकी अपनी स्वीकृति में कंपनी के समापन से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इसके अलावा जैसाकि याचिकाकर्ता की वार्षिक रिपोर्ट में बताया गया है, पेट्रोकेमिकल डिविजन की परिसंपत्तियों को अलग करके उनका निपटान किया जाना था। शेष देयता रबड़ केमिकल डिविजन द्वारा अधिग्रहीत की गई और कुछ समय में उसके लाभ क्लियर किए गए किंतु याचिकाकर्ता अपने रबड़ रसायन डिविजन की क्षमता को ऐसे वक्त पर बढ़ाने को चुनता है जब सभी कारोबार तर्क अन्यथा सुझाते हैं।
- उपरोक्त को देखते हुए यदि याचिकाकर्ता को हानि हुई है तो वह इस वस्तु के किसी भी तथाकथित पाटन अथवा किसी अन्य पक्षकार के परिणामस्वरूप नहीं हुआ है।
- याचिकाकर्ता भारत के एमओआर बाजार में प्रतिष्ठित बाजार अग्रणी है और इस प्रकार वे कीमत पैटर्न को निम्नवर्ती अथवा उर्ध्वमुखी बदलने की सर्वोत्तम स्थिति में है।
- आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में निर्यातकों ने इस बात की मनाही की है कि याचिकाकर्ता को आयात कीमत में होने वाली कटौतियों का प्रत्युत्तर दे देना चाहिए था। विश्वव्यापी बाजार में सामान्य व्यापार प्रक्रिया में उक्त वस्तु की कीमतों में समय-समय पर गिरावट आई है और यह निश्चित रूप से स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता ने अपने उत्पाद बेचने के लिए सामान्य बाजार कीमतों को महंगा समझा है।

ज.1.2 मै0 फ्लेक्सीस एन वी के विचार

मै0 फ्लेक्सीस एन वी ने अपने प्रारंभिक निवेदन में तर्क दिया है कि उक्त करार के अनुच्छेद 3.1 के अनुसार गाट 1994 के अनुच्छेद VI के प्रयोजनार्थ क्षति का निर्धारण सकारात्मक साक्ष्य के आधार पर होगा और इसमें इन दोनों की उद्देश्यपूर्ण जांच शामिल होगी (क) पाटित आयात की मात्रा और समान उत्पादों के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव, और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू

उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव । उन्होंने तर्क दिया है कि कतिपय कारकों के कारण क्षति आकलन के विश्लेषण से भी यह प्रतीत नहीं होता है कि याचिकाकर्ता को यूरोपीय संघ से तथाकथित पाटित आयातों के परिणामस्वरूप कोई "वास्तविक क्षति" हुई है।

उन्होंने आगे यह भी तर्क दिया है कि याचिकाकर्ता को यूरोपीय संघ से हुए तथाकथित पाटित निर्यातों की वजह से "वास्तविक क्षति" नहीं हुई है । अनुच्छेद 3.4 में यह उपबंध है कि संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में सभी संगत आर्थिक कारकों तथा सूचियों का मूल्यांकन शामिल होगा जिनका उद्योग की स्थिति, बिक्रियों, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादक, पूंजी निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग सहित घरेलू कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कारकों, पाटन की मात्रा तथा मार्जिन, नकद प्रवाह, माल सूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश करने की सामर्थ्य पर वास्तविक एवं संभाव्य नकारात्मक प्रभाव से संबंध हो। उन्होंने तर्क दिया है कि याचिकाकर्ता डब्ल्यू टी ओ के पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.4 के तहत जैसाकि आदेश दिया गया है, क्षति के सभी सूचीबद्ध कारकों का मूल्यांकन करने तथा उनकी जांच करने में असफल रहा है ।

इस निर्यातक ने यह भी निवेदन किया है कि याचिकाकर्ता ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट तथा याचिका में कंपनी की स्थिति के संबंध में शंकाकारी एवं भ्रामक जानकारी दी है । अतः प्राधिकारी को चाहिए कि वह विस्तार में इस बात की पड़ताल करें कि क्या याचिकाकर्ता उद्योग को क्षति हो रही है । यदि जांच परिणाम सकारात्मक रहता है तो तब ऐसी स्थिति में निर्दिष्ट प्राधिकारी को चाहिए कि वह आगे इस बात का भी विश्लेषण करें कि क्या इस क्षति का संबंध किसी भी तरह से तथाकथित पाटित आयातों से है अथवा यह "बीमार" घोषित याचिकाकर्ता कंपनी की स्थिति के कारण स्वयं बताया गया है ।

कारणात्मक संबंध

इसके अलावा निर्यातक का तर्क है कि तथाकथित पाटित आयातों तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कोई भी कारणात्मक संबंध नहीं है क्योंकि देश में संबद्ध माल के और भी उत्पादक हैं जोकि याचिकाकर्ता से प्रतिस्पर्धा करते हैं । उन्होंने यह भी तर्क दिया है कि नया पूंजी-निवेश करने की असमर्थता के संबंध में याचिकाकर्ता के दावे का यूरोपीय संघ से संबद्ध माल के निर्यात से कोई संबंध नहीं है बल्कि यह बीएफआईआर द्वारा "बीमार औद्योगिक कंपनी" के रूप में घोषित इस कंपनी की स्थिति से प्रत्यक्ष संबंधित है ।

जहां तक टीडीक्यू का संबंध है, इस निर्यातक ने तर्क दिया है कि टीडीक्यू के विनिर्माण के लिए महत्वपूर्ण कच्चे माल एसीटोन तथा एनीलीन पाटनरोधी तथा

2002-2003 की अवधि के लिए सुरक्षा शुल्कों के अध्यधीन है। इस बात की भी संभावना है कि इन शुल्कों के कारण याचिकाकर्ता द्वारा टीडीक्यू के उत्पादन पर प्रभाव विनिर्माण लागत की वजह से पड़ा हो और इस प्रकार वह अक्षम हो गया हो।

ज.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के क्षति संबंधी दावों के संबंध में इच्छुक पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों को नोट किया है और इन जांच परिणामों में अनंतिम क्षति निर्धारण तथा कारणात्मक संबंध के विश्लेषण के प्रयोजनार्थ आवश्यक कारकों की जांच की है।

ज.2.1 क्षति का संचयी आकलन

पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II(iii) में यह अपेक्षा है कि यदि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद का आयात साथ-साथ हो रहा है और जो पाटनरोधी जांच के अध्यधीन हैं, निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करेगा, बशर्त वह यह तय करता है कि:

- i) अलग-अलग देशों से होने वाले आयात या तो न्यूनतम सीमा से अधिक हैं या वे संचयी आधार पर कुल आयातों का 7% से अधिक हैं;
- ii) अलग-अलग देशों पर पाटन मार्जिन 2% से ऊपर है; और
- iii) आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों के मद्देनजर समुचित है।

प्राधिकारी नोट करता है कि भारतीय बाजार में पाटित आयात अनेक देशों/क्षेत्रों से साथ-साथ प्रवेश कर रहे हैं। अतः इन स्रोतों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संचयी आकलन के मुद्दे की जांच की है और पाया कि:

- i) प्रत्येक संबद्ध देश/क्षेत्र से अलग-अलग उत्पादों का पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है।

- ii) प्रत्येक संबद्ध/क्षेत्र से अलग-अलग उत्पादों की आयात मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक है।
- iii) घरेलू उत्पाद तथा विभिन्न देशों द्वारा सप्लाई किए गए उत्पाद समान उत्पाद हैं।
- iv) आयातित उत्पाद तथा घरेलू उत्पादित संबद्ध माल परस्पर परिवर्तनीय हैं और इनका परस्पर परिवर्तनीय रूप से प्रयोग हो रहा है। संबद्ध देशों से किए गए आयातों संबंधी सौदेवार जानकारी यह दर्शाती है कि ये आयात खड़ उद्योग के वास्तविक प्रयोक्ताओं तथा उन व्यापारियों द्वारा किए जा रहे हैं जिन्होंने इस माल की खरीद पुनःबिक्री के लिए की है। शामिल देशों द्वारा सप्लाई किए गए माल भारतीय बाजार में उन्हीं वितरण चैनलों के ज़रिए हो रहा है जो भारतीय बाजार के साथ प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।
- v) संबद्ध देशों से सप्लाई किए गए उत्पादों का भारत में विपणन उसी अवधि के दौरान तुलनीय बिक्री चैनलों के ज़रिए तथा समान वाणिज्यिक दशाओं में किया जा रहा है।
- vi) प्रत्येक संबद्ध देश से अलग-अलग उत्पाद का आयात बढ़ गया है।
- vii) घरेलू उत्पादक तथा संबद्ध देशों के निर्यातक इस उत्पाद की बिक्री समान उपभोक्ता श्रेणी को कर रहे हैं।
- viii) संबद्ध देशों से होने वाले आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में काफी कटौती हो रही है।

अतः प्राधिकारी यह निर्णय देता है कि क्षति का संचयी आकलन यथोचित है क्योंकि संबद्ध देशों से अलग-अलग उत्पादों के निर्यात प्रत्यक्ष रूप से आपस में और घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा ऑफर किए गए समान उत्पाद से कर रहे हैं। किंतु प्राधिकारी नोट करता है कि क्षति का विश्लेषण अलग-अलग उत्पाद आधार पर किया गया है।

ज.3. क्षति कारकों की जांच

अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में यह उपबंध है कि क्षति निर्धारण में उन कारकों की जांच शामिल होगी जो घरेलू उद्योग को क्षति होने की इंगित करते हों और यह पाटित आयातों की मात्रा सहित सभी संगत कारकों,

1175-GI/05-9

समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव को ध्यान में रखते हुए किया जा सकेगा। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करने में यह आवश्यक समझा जाता है कि इस बात की जांच की जाए कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत से तुलना किए गए पाटित आयातों द्वारा कीमत में काफी कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव के कारण अन्यथा कीमतों में काफी सीमा तक मंदी आई है अथवा कीमत वृद्धि में बाधा आई है जोकि अन्यथा काफी मात्रा में हुई होती।

प्राधिकारी नोट करता है कि इस जांच में खड़ उद्योग में प्रयुक्त तीन अलग-अलग रसायनों को कवर किया गया है। अतः क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ भी इन उत्पादों को तीन विभिन्न तथा अलग-अलग उत्पाद माना गया है और अलग-अलग उत्पादों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच भी अलग-अलग की गई है किंतु, इस उद्योग की समग्र स्थिति और घरेलू उद्योग के खड़ रसायन व्यवसाय पर आयातों के प्रभाव की यथा संगत सीमा तक जांच की गई है।

भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की स्थिति से संबंधित अनुसूचियों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री वसूली, पाटन मार्जिन की मात्रा, आदि पर उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध- II के अनुसार विचार किया गया है।

घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले यथाउपरोक्त सभी आर्थिक कारकों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा आदि की निम्नानुसार जांच की गई है:-

ज.3.1 अपनाई गई तुलना पद्धति

विचाराधीन उत्पाद अर्थात् एमओआर, पीएक्स 13 और टीडीक्यू तीन अलग-अलग उत्पाद हैं जो नियम 2(घ) के आशय के भीतर परस्पर समान वस्तुएं नहीं हैं। अतः प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति का आकलन प्रत्येक संबद्ध खड़ रसायन के लिए अलग-अलग किया है। यह क्षति जांच 2000-2001, 2001-2002, 2002-2003 और जनवरी-दिसंबर, 2003 (जांच अवधि) के वर्षों से संबंधित आंकड़ों पर विचार करते हुए की गई है। प्राधिकारी नोट करता है कि घरेलू उद्योग में पर्याप्त निर्यात कार्यकलाप होने की जानकारी पाई गई है। किंतु, क्षति विश्लेषण के

प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन का आकलन केवल घरेलू बाजार के संबंध में ही किया गया है।

ज.4 क्षति तथा कारणात्मक संबंध

ज.4.1 पाटित आयातों का मात्रा संबंधी प्रभाव: आयात मात्रा तथा बाजार हिस्से

क) आयात मात्रा

पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी से यह अपेक्षा है कि वह इस बात पर विचार करे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप अथवा उत्पादन से संबंधित अथवा भारत में खपत में काफी वृद्धि हुई है।

प्रत्येक संबद्ध देश से प्रत्येक संबद्ध खड़ रसायन की आयात मात्रा का विश्लेषण डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों में बताए गए आंकड़ों के आधार पर किया गया है। यह आयात आंकड़े नीचे दिए गए हैं -

मात्रा मी.टन में	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
आयात मात्रा				
(ईयू + यूएसए + चीन)	996	943	1284	2017
प्रवृत्ति	100	95	129	203
कुल आयात एमओआर	1106	1001	1354	2057
प्रवृत्ति	100	91	122	186
पीएक्स-13				
(ईयू+ ताइवान)	1070	962	3050	3152
प्रवृत्ति	100	90	285	295
पीएक्स-13 का कुल आयात	1418	1106	3456	3396
प्रवृत्ति	100	78	244	239
टीडीक्यू				
(ईयू+ ताइवान)	246	75	285	655

प्रवृत्ति	100	30	116	266
टीडीक्यू का कुल आयात	281	274	450	702
प्रवृत्ति	100	98	160	250

स्रोत: डीजीसीआईएंडएस

उपरोक्त आंकड़े यह इंगित करते हैं कि कुल आयातों और संबद्ध देशों से संबद्ध माल के पाटित आयातों में क्षति जांच अवधि के दौरान काफी वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों की आयात मात्रा में वृद्धि कुल आयातों में वृद्धि की तुलना में अधिक रही है। यह ऐसा भी दर्शाता है कि पिछले वर्ष की तुलना में पाटित आयातों में मात्रा संबंधी सहसा वृद्धि रही है।

ख) बिक्रियों पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव

घरेलू बिक्री मात्रा तथा घरेलू बिक्रियों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच घरेलू उद्योग की संपूर्ण बिक्री, मांग तथा बाजार हिस्से की दृष्टि से की गई है।

एमओआर	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
घरेलू बिक्रियां	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	116	139	134
अन्य बिक्रियां	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	100	131	112
कुल घरेलू बिक्रियां	1925	2144	2626	2457
प्रवृत्ति	100	111	136	128
आयात	1106	1001	1354	2057
प्रवृत्ति	100	91	122	186
मांग	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	104	131	149
पाटित आयात	996	943	1284	2017
प्रवृत्ति	100	95	129	203
कुल आयात में पाटित आयात का हिस्सा	90.04	94.21	94.83	98.09

मांग में बाजार हिस्सा				सूचीकृत
घरेलू उद्योग	100	111.11	104.44	88.89
पाटित आयात	100	90.91	96.97	136.36
अन्य	100	90.91	95.45	68.18

जहां तक एमओआर का संबंध है घरेलू बाजार में इसकी मांग में काफी वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग की बिक्रियां संपूर्ण मात्रा की दृष्टि से काफी वृद्धि दर्शाती है। लेकिन घरेलू उद्योग ने पाटित आयातों के कारण काफी बड़ा बाजार हिस्सा खो दिया है जो आधार वर्ष की तुलना में दुगुने से भी ज्यादा हो गया है जबकि मांग में केवल 50% की वृद्धि हुई है।

पीएम्स-13	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
घरेलू बिक्रियां	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	103	110	122
अन्य बिक्रियां	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	87	83	66
कुल घरेलू बिक्रियां	3550	3393	3467	3437
प्रवृत्ति	100	96	98	97
आयात	1418	1106	3456	3396
प्रवृत्ति	100	78	244	239
मांग	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	91	139	138
पाटित आयात	1070	962	3050	3152
प्रवृत्ति	100	90	285	295
मांग में बाजार हिस्से				सूचीकृत
घरेलू उद्योग	100	113.21	78.97	88.95
पाटित आयात	100	99.28	204.55	214.18
अन्य	100	87.28	63.69	48.51

1175 GI/05-10

पीएक्स-13 के संबंध में उपरोक्त आंकड़े यह दर्शाते हैं कि जबकि इस उत्पाद की मांग में केवल 38% की वृद्धि हुई है लेकिन पाटित आयातों में लगभग 200% की वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग की बिक्रियों में केवल 22% की वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 8% की काफी गिरावट आई है जबकि पाटित आयातों का बाजार हिस्सा क्षति अवधि में दुगुना हो गया।

टीडीक्यू	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
घरेलू बिक्रियां	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	117	139	146
अन्य बिक्रियां	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	108	132	138
कुल घरेलू बिक्रियां	3141	3528	4256	4447
प्रवृत्ति	100	112	135	142
आयात	281	274	450	702
प्रवृत्ति	100	98	160	250
मांग	****	****	****	****
प्रवृत्ति	100	111	138	150
पाटित आयात	246	75	285	655
प्रवृत्ति	100	30	116	266
मांग में बाजार हिस्से				सूचीकृत
घरेलू उद्योग	100	104.55	100.00	95.45
पाटित आयात	100	28.57	85.71	185.71
अन्य	100	106.12	102.04	91.84

जहां तक टीडीक्यू का संबंध है, यह देखा जाता है कि इस अवधि के दौरान आयातों में संपूर्ण दृष्टि से 150% की वृद्धि हुई है जबकि पाटित आयातों में 166% की वृद्धि हुई है लेकिन घरेलू उद्योग की बिक्री में केवल 46% की ही वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 2% की गिरावट आई है जबकि पाटित आयातों के हिस्से में 6% की वृद्धि रही है।

इन तीनों उत्पादों के संबंध में पाटित आयातों में संपूर्ण दृष्टि से और भारत में आयात, भारत में उत्पादन और भारत में खपत की दृष्टि से वृद्धि हुई है। यह भी देखा जाता है कि आयातों की मात्रा में मांग में वृद्धि की तुलना में वृद्धि हुई है। अन्य शब्दों में आयातों की वृद्धि दर मांग की वृद्धि दर की अपेक्षा अधिक रही है।

ज.4.2 पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी से अपेक्षा है कि वह इस बात पर विचार करे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में काफी कीमत कटौती आई है अथवा क्या इन आयातों के प्रभाव के कारण अन्यथा कीमतों में काफी मात्रा में मंदी आएगी अथवा कीमत वृद्धि में बाधा आएगी जोकि अन्यथा काफी सीमा तक हो गई होती। प्राधिकारी यह पाता है कि संबद्ध देशों की सीआईएफ आयात कीमतें निम्नानुसार रही हैं:-

प्रति किग्रा. लैंडेड कीमत/रु.				
एमओआर	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
ईयू	215.5	193.82	160.89	152.61
यूएस	198.7	193.33	153.19	143.89
चीन	231.8	172.82	163.47	146.77
संबद्ध देश	214.25	193.72	160.41	151.18
संबद्ध देशों की सीआईएफ कीमत	157.14	142.07	122.17	119.74
लैंडेड कीमत में % गिरावट (आधार वर्ष के संदर्भ में)				
ईयू	-	10	25	29
यूएस	-	3	23	28
चीन	-	25	29	37
संबद्ध देश	-	10	25	29
पीएक्स-13				
ईयू	204.8	199.51	152.86	134.72
ताइवान	213.3	190.2	155.5	135.09
संबद्ध देश	205.84	196.78	153.29	134.79

संबद्ध देशों की सीआईएफ कीमत	150.96	144.32	116.75	106.76
लैंडेड कीमत में % गिरावट (आधार वर्ष के संदर्भ में)				
ईयू	-	3	25	34
ताइवान	-	11	27	37
संबद्ध देश	-	4	26	35
टीडीक्यू लैंडेड मूल्य				
ईयू	88.38	83.75	85.79	80
ताइवान	-	-	-	75.52
संबद्ध देश	88.38	83.75	85.79	79.2
संबद्ध देशों की सीआईएफ कीमत	64.82	61.42	65.34	62.73
लैंडेड कीमत में % गिरावट (आधार वर्ष के संदर्भ में)				
ईयू	-	5	3	9
ताइवान	-	-	-	-
संबद्ध देश	-	5	3	10

प्राधिकारी नोट करता है कि प्रत्येक संबद्ध रबड़ रसायन की सीआईएफ कीमत तथा लैंडेड कीमत में क्षति अवधि के दौरान काफी गिरावट रही है।

ज. 4.3 कीमत कटौती, दबाव तथा मंदी

प्राधिकारी ने बिक्री कीमत जिसमें कर तथा शुल्क, छूट, डिस्काउंट तथा कमीशन और भाड़ा तथा परिवहन शामिल नहीं है को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली का निर्धारण किया है। आयातों की लैंडेड कीमत का निर्धारण भारत औसत सीआईएफ आयात कीमत जमा 1% लैंडिंग प्रभार तथा लागू आधारिक सीमा शुल्क को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली इस अवधि के दौरान घट गई जैसाकि नीचे दी गई सारणी में दर्शाया गया है। यह पाया जाता है कि निवल बिक्री वसूली में क्षति अवधि के दौरान काफी गिरावट आई है:-

(आंकड़े रु./किग्रा. में)

	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
निवल बिक्री वसूल (रु./किग्रा.)				
एमओआर	*****	*****	*****	*****
आधार वर्ष की तुलना में गिरावट (%)		11.35	32.14	28.28
पीएक्स-13	*****	*****	*****	*****
आधार वर्ष की तुलना में गिरावट (%)		17.72	40.43	56.64
टीडीक्यू	*****	*****	*****	*****
आधार वर्ष की तुलना में गिरावट (%)		3.64	8.7	7.94

घरेलू उद्योग की निवल वसूली की तुलना पाटित आयातों के लैंडेड मूल्य से इसलिए की गई है ताकि इस बात की जांच की जा सके कि क्या पाटित आयातों का घरेलू उद्योग पर पर्याप्त कीमत कटौती प्रभाव पड़ा है। पाटित आयातों के लैंडेड मूल्य की तुलना संबद्ध माल की अक्षतिकारी कीमत से की गई है ताकि पाटित आयातों के कम दाम पर प्रभाव का निर्धारण किया जा सके जो निम्नानुसार है:-

रु./किग्रा.

एमओआर	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
डीआई की निवल बिक्री वसूल	*****	*****	*****	*****
एनआईपी				*****
ईयू की लैंडेड कीमत	215.5	193.82	160.89	152.61
ईयू की कीमत कटौती	(****)	(****)	(****)	5-15%
ईयू की कम दाम				5-15%

1175-GI/5-11

पर बिक्री				
यूएस की लैंडेड कीमत	198.7	193.33	153.19	143.89
कीमत कटौत - यूएस	(****)	(****)	(****)	10-20%
कम दाम पर बिक्री-यूएस				15-25%
लैंडेड कीमत-चीन	231.8	172.82	163.82	146.77
कीमत कटौती - चीन	(****)	****	(****)	10-20%
कम दाम पर बिक्री-चीन				15-25%
एमओआर-संबद्ध देश				
लैंडेड कीमत	214.25	193.72	160.41	151.18
कीमत कटौती	(****)	(****)	****	5-15%
कम दाम पर बिक्री				10-20%

उपरोक्त आंकड़े यह इंगित करते हैं कि संबद्ध देशों से एमओआर के अलग-अलग पाटित आयात का लैंडेड मूल्य भी घरेलू कीमतों में काफी सीमा तक संचयी आधार पर कटौती करते हैं संबद्ध देशों का लैंडेड मूल्य घरेलू उद्योग की अक्षतिकारी कीमत से काफी कम है और इस प्रकार ये कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे हैं। यह भी संज्ञान में आया है कि लैंडेड मूल्यों में गिरावट के कारण कीमत कटौती जोकि पिछले वर्ष में नकारात्मक रही थी, अधिकांश देशों के संबंध में सकारात्मक हो गई है।

पीएक्स-13 से संबंधित आंकड़े भी इसी प्रकार की प्रवृत्ति दर्शाते हैं जैसाकि नीचे दी गई सारणी से विदित है। लैंडेड कीमतों की कीमत कटौती भी जांच अवधि अथवा पिछले वर्ष के दौरान सकारात्मक हो गई क्योंकि पाटित आयातों की सीआईएफ कीमत तथा लैंडेड मूल्य में काफी गिरावट रही है।

रु./किग्रा.

पीएक्स-13	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
डीआई की निवल बिक्री वसूली	*****	*****	*****	*****
एनआईपी				*****
ईयू की लैंडेड कीमत	204.8	199.51	152.86	134.72
ईयू की कीमत कटौती	(****)	(****)	****	0-10%
कम दाम पर बिक्री - ईयू				15-25%
ताइवान की लैंडेड कीमत	213.3	190.2	155.5	135.09
ताइवान की कीमत कटौती	(****)	(****)	(****)	0.10%
कम दाम पर बिक्री - ताइवान				15-25%
संबद्ध देशों की लैंडेड कीमत	205.84	196.78	153.29	134.79
संबद्ध देशों की कीमत कटौती	(****)	(****)	(****)	0-10%
कम दाम पर बिक्री				15-25%

पीडीक्यू से संबंधित आंकड़े भी इसी प्रकार की प्रवृत्ति दर्शाते हैं। लैंडेड कीमत में कटौती तथा कीमत कटौती काफी रही है।

रु./किग्रा.

टीडीक्यू	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
निवल बिक्री वसूली	*****	*****	*****	*****
एनआईपी				*****
ईयू की लैंडेड कीमत	88.38	83.75	85.79	80

ईयू की कीमत कटौती	****	****	(****)	0-10%
कम दाम पर बिक्री-ईयू				5-15%
ताइवान की लैंडेड कीमत	-	-	-	75.52
ताइवान की कीमत कटौती	-	-	-	5-15%
कम दाम पर बिक्री -ताइवान				10-20%
संबद्ध देशों की लैंडेड कीमत	88.38	83.75	65.79	79.2
संबद्ध देशों की कीमत कटौती	****	****	(****)	0-10%
कम दाम पर बिक्री -संबद्ध देश				5-15%

उपरोक्त आंकड़े यह इंगित करते हैं कि संबद्ध देशों से हुए आयातों की लैंडेड कीमत भी घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली से काफी कम रही है जिसके परिणामस्वरूप काफी कीमत कटौती हुई है ।

कीमत दबाव तथा मंदी

घरेलू कीमतों पर पाटित आयातों के कीमत दबाव के प्रभाव की जांच करने के उद्देश्य से घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली की प्रवृत्ति की तुलना उत्पादन लागत से की गई है। ये आंकड़े यह इंगित करते हैं कि हालांकि क्षति जांच अवधि के दौरान संबद्ध माल की उत्पादन लागत में मामूली गिरावट आई है लेकिन बिक्री वसूली में गिरावट उत्पादन लागत में गिरावट की तुलना में काफी अधिक रही है । अतः ऐसा प्रतीत होता है कि पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के कारण घरेलू उद्योग को अपनी कीमतें अपना बाजार हिस्सा कायम रखने के लिए कम रखने पर बाध्य होना पड़ा है ।

	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
निवल बिक्री वसूली में गिरावट (%)				
आधार वर्ष की तुलना में गिरावट				
एमओआर		5.88	16.64	14.64
पीएक्स-13		9.12	20.80	29.14

टीडीक्यू		4.04	9.66	8.81
उत्पादन लागत में गिरावट (%)				
आधार वर्ष की तुलना में गिरावट				
एमओआर		3.43	6.55	5.46
पीएक्स-13		9.40	4.24	8.21
टीडीक्यू		11.09	5.28	2.98

उपर्युक्त विश्लेषण यह दर्शाता है कि पाटित आयातों की वजह से संपूर्ण दृष्टि से और बाजार हिस्से दोनों में पाटित आयातों की मात्रा में वृद्धि की दृष्टि से और घरेलू बाजार की कीमतों में मंदी तथा उसके बाजार हिस्से में क्षति होने से घरेलू उद्योग पर मात्रा तथा कीमत संबंधी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

ज.4.4 अन्य क्षति कारकों की जांच

कुछ क्षति कारकों जैसे बिक्रियों तथा बाजार हिस्से में वास्तविक एवं संभाव्य गिरावट पिछले भाग में आयातों की मात्रा में वास्तविक तथा संभाव्य वृद्धि आदि की जांच करने के पश्चात प्राधिकारी ने अन्य आवश्यक क्षति कारकों की जांच की है, जैसाकि नीचे बताया गया है:-

क) क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्रियां

क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्रियों की दृष्टि से घरेलू उद्योग का कार्य-निष्पादन निम्नानुसार रहा है:-

	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
एमओआर				
क्षमता(मी.टन)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	100	119	124
उत्पादन (मी.टन)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	119	140	137
क्षमता उपयोग(%)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	118.75	117.50	110.00
घरेलू बिक्रियां(मी.ट.)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	116	139	134
निर्यात बिक्रियां(मी.ट.)	****	****	****	****

सूचीकृत	100	105.67	120.57	139.01
मांग(मी.ट.)	100	103.76	131.31	148.93
सूचीकृत				
मांग में बाजार हिस्सा(%)	100	111.97	105.57	90.07
सूचीकृत				
माल सूची (मी.टन)	100	166.10	206.78	194.92
सूचीकृत				
पीएक्स-13				
क्षमता(मी.टन)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	108	177	177
उत्पादन (मी.टन)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	112	125	155
क्षमता उपयोग(%)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	103	110	122
घरेलू	****	****	****	****
विक्रियां(मी.ट.)				
सूचीकृत	100	103	110	122
निर्यात विक्रियां(मी.ट.)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	123.35	131.89	198.06
मांग(मी.ट.)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	90.56	139.35	137.54
मांग में बाजार हिस्सा(%)	100	113.23	78.97	88.95
माल सूची (मी.टन)	100	42.25	59.15	84.51
सूचीकृत				
टीडीक्यू				
क्षमता(मी.टन)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	100	148	167
उत्पादन (मी.टन)	****	****	****	****

सूचीकृत	100	139	172	201
क्षमता उपयोग(%)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	137.88	115.15	119.70
घरेलू बिक्रियां(मी.ट.)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	117	139	146
निर्यात बिक्रियां(मी.ट.)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	139.59	195.27	250.52
मांग(मी.ट.)	****	****	****	****
सूचीकृत	100	111.10	137.52	150.47
मांग में बाजार हिस्सा(%)	100	105.53	101.26	96.76
सूचीकृत				
माल सूची(मी.टन)	100	321.35	340.45	279.78
सूचीकृत				

प्राधिकारी नोट करता है कि घरेलू उद्योग ने मौजूदा क्षमता के अवरोध समाप्त करके और अतिरिक्त उपस्कर जोड़कर अलग-अलग उत्पादों के संबंध में अपनी क्षमता में वृद्धि की है। क्षमता में यह वृद्धि मांग में वृद्धि और उसकी उत्पादन दक्षता तथा उत्पादन लागत में सुधार के अनुरूप है। प्राधिकारी यह भी नोट करता है कि:-

क) घरेलू उद्योग के उत्पादन में जांच अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। किंतु, हालांकि उत्पादन में वृद्धि तो हुई है लेकिन यह देखा जाता है कि उत्पादन में यह वृद्धि मांग में वृद्धि की तुलना में कम है और क्षमता का अधिकांश भाग अपर्युक्त रह गया। दूसरे शब्दों में घरेलू उद्योग को घरेलू बाजार में अच्छी मांग के बावजूद यथावांछित सीमा तक उत्पादन में वृद्धि करने में बाधा आई है।

ख) जबकि क्षमता में वृद्धि मांग में वृद्धि के समानुपात रही है लेकिन सुधार होने के बाद क्षमता उपयोग में गिरावट आ गई। अन्य शब्दों में, घरेलू उद्योग बढ़ी हुई क्षमता का पर्याप्त उपयोग नहीं कर सका है।

ग) घरेलू उद्योग की बिक्री में वृद्धि हुई है। किंतु, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई। इस प्रकार यह देखा जाता है कि जबकि घरेलू उद्योग मांग में वृद्धि के

प्रत्युत्तर में अपनी बिक्रियों में वृद्धि कर सकता था लेकिन बिक्रियों में यह वृद्धि मांग में हुई वृद्धि के समानुपात नहीं रही। घरेलू उद्योग की मांग तथा बिक्रियों में हुई वृद्धि के बावजूद उसकी माल-सूची में वृद्धि हुई है और क्षमता उपयोग में गिरावट आ गई है।

ख) लाभ

घरेलू बाजार में संबद्ध माल की बिक्रियों से घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित लाभ निम्नानुसार रहे:-

सूचीकृत

	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
एमओआर				
लाख रु.	100	84.72	-5.62	7.78
रु./कि.ग्रा.	100	72.92	-4.05	5.81
बिक्री कीमत का %	100	80.00	-5.00	7.00
पीएक्स-13				
लाख रु.	100	96.78	-76.78	-143.65
रु./कि.ग्रा.	100	94.44	-69.80	-117.44
बिक्री कीमत का %	100	100.00	-90.00	-170.00
टीडीक्यू				
लाख रु.	100	24780.00	-18040.00	-25213.33
रु./कि.ग्रा.	100	21266.67	-13033.33	-17433.33
बिक्री कीमत का %	100	23333.33	-16666.67	-20000.00

ऐसा देखा जाता है कि घरेलू उद्योग के लाभ में गिरावट आई है और घरेलू उद्योग को इस अवधि में प्राप्त अपेक्षतया अधिक उत्पादन तथा बिक्री मात्रा के बावजूद लाभ की स्थिति से वित्तीय हानि की स्थिति में पहुंच गया है।

ग) रोजगार

प्रत्येक संबद्ध रबड़ रसायन में कर्मचारियों की संख्या वही रही है जोकि जांच-अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादकता के विश्लेषण संबंधी जांच में रही थी।

सूचीकृत

	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
कर्मचारियों की संख्या				
एमओआर	100	100	92.86	85.71
पीएक्स-13	100	93.33	80.00	73.33
टीडीक्यू	100	100.00	154.55	163.64
प्रति कर्मचारी उत्पादकता				
एमओआर	100	118.67	150.36	159.75
पीएक्स-13	100	120.42	155.79	211.08
टीडीक्यू	100	139.31	111.36	122.54
प्रति केटी उत्पादन कर्मचारियों की संख्या				
एमओआर	100	88.89	66.67	66.67
पीएक्स-13	100	83.33	66.67	50.00
टीडीक्यू	100	75	100.00	75.00

उपर्युक्त आंकड़े यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में उसकी श्रमिक उत्पादकता की दृष्टि से वृद्धि रही है।

घ) मजदूरियां

इस कंपनी द्वारा दी गई मजदूरियां और प्रति इकाई उत्पादन मजदूरी निम्नानुसार रही है:-

	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
प्रति कि.ग्रा. मजदूरी				
एमओआर	100	99.43	80.74	88.10
पीएक्स-13	100	95.90	86.15	71.79
टीडीक्यू	100	91.61	111.19	112.59

यह देखा जाता है कि प्रति किग्रा. मजदूरी में अपेक्षित अधिक श्रमिक उत्पादकता तथा अधिक उत्पादन की वजह से गिरावट आई है।

ड.) पूंजी निवेश पर आय

पूंजी निवेश पर आय की गणना प्रत्येक खड़ रसायन में लगाई गई पूंजी और ब्याज पूर्व लाभ को देखते हुए की गई है जोकि निम्नानुसार है:-

सूचीकृत

	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
लगाई गई पूंजी (लाख रु.)				
एमओआर	100	106.61	106.42	101.51
पीएक्स-13	100	92.78	103.68	92.76
टीडीक्यू	100	94.30	110.36	103.83
पूंजी निवेश पर आय (%)				
एमओआर	100	83.33	25.00	37.50
पीएक्स-13	100	100.00	-27.78	-83.33
टीडीक्यू	100	300.00	-16.67	-66.67
पूंजी निवेश पर लाभ (%)				
एमओआर	100	82.35	-5.88	5.88
पीएक्स-13	100	108.33	-75.00	-158.33
टीडीक्यू	100	30000.00	-17500.00	-27500.00

ऐसा देखा जाता है कि प्रत्येक संबद्ध माल के संबंध में लगाई गई पूंजी में गिरावट रही है और पूंजी निवेश पर आय में भी गिरावट आई है जो पीएक्स-13 तथा टीडीक्यू के संबंध में नकारात्मक रहा है ।

च) माल सूची

सूचीकृत

माल सूची(मी.टन)	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
एमओआर	100	166.10	206.78	194.92
पीएक्स-13	100	42.25	59.15	84.51
टीडीक्यू	100	321.35	340.45	279.78

प्राधिकारी को लगता है कि एमओआर तथा पीएक्स-13 के संबंध में घरेलू उद्योग की मांग सूची में काफी वृद्धि रही है जबकि टीडीक्यू के मामले में इसमें गिरावट रही है । किंतु प्राधिकारी नोट करता है कि विचाराधीन उत्पाद के मामले में घरेलू उद्योग ने काफी निर्यात किया है । विचाराधीन उत्पाद की माल सूची-स्तर में इस प्रकार कोई सतत पैटर्न परिलक्षित नहीं होता है और यह निर्यात पोत-लदानों तथा मात्राओं द्वारा प्रभावित रहा है ।

छ) नकद प्रवाह

जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का नकद प्रवाह निम्नानुसार रहा है:-

सूचीकृत

	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
नकद लाभ लाख रु. में				
एमओआर	100	88.68	12.09	24.77
पीएक्स-13	100	97.26	-34.33	-86.77
टीडीक्यू	100	381.62	-102.41	-182.33

यह देखा जाता है कि इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का नकद लाभ बिगड़ गया है। नकद लाभ में यह स्थिति आयातों की लैंडेड कीमत के प्रत्युत्तर में बिक्री कीमतों में गिरावट के प्रत्यक्ष कारण से आई है।

ज) उत्पादकता

जैसाकि पहले नोट किया गया है, प्रत्येक संबद्ध रबड़ रसायन की उत्पादकता में वृद्धि हुई है, जैसाकि नीचे दी गई सारणी में देखा जा सकता है:-

सूचीकृत

	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
प्रति कर्मचारी उत्पादन (मी.टन)				
एमओआर	100	118.67	150.36	159.75
पीएक्स-13	100	120.42	155.79	211.08
टीडीक्यू	100	139.31	111.36	122.54

किंतु उत्पादकता में सुधार घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में परिवर्तित नहीं हुआ है। यह पाया जाता है कि हालांकि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में काफी सुधार हुआ है जिससे घरेलू उद्योग की प्रति इकाई उत्पादन लागत, लाभ में काफी गिरावट आई है, इससे बिक्री कीमतों में गिरावट के कारण लाभ की स्थिति हानि में बदल गई।

झ) वृद्धि

हालांकि क्षमता, उत्पादन, बिक्री जैसे कारकों की दृष्टि से घरेलू उद्योग में वृद्धि रही है और उत्पादकता भी सकारात्मक रही है लेकिन वह बाजार हिस्से, लाभ, नकद प्रवाह तथा पूंजी निवेश पर आय की दृष्टि से नकारात्मक रही।

ट) नया पूंजी निवेश करने की सामर्थ्य

प्राधिकारी नोट करता है कि घरेलू उद्योग ने प्रत्येक संबद्ध माल में क्षति अवधि में पिछली लाभप्रदता और मांग तथा बाजार हिस्से में भावी संभावनाओं के संकेतक के रूप में

अधिक, नया पूंजी निवेश किया है। किंतु, यह पाया जाता है कि घरेलू उद्योग के वित्तीय निष्पादन में काफी ह्रास हो रहा है जिसका नया पूंजी निवेश करने संबंधी उसके भावी सामर्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

समग्र आकलन

ऐसे कारकों के उपर्युक्त विश्लेषण से यह विदित होता है कि क्षमता, उत्पादन, और संपूर्ण दृष्टि से बिक्री तथा उत्पादन लागत में गिरावट, उत्पादकता में सुधार के बावजूद इस उद्योग को अधिक अपर्युक्त क्षमता के कारण क्षति होती है जबकि घरेलू बाजार में इस उत्पाद की अच्छी मांग है लेकिन उसमें कम निवल बिक्री वसूली, अपेक्षतया अधिक निर्मित माल सूची पूंजी निवेश पर नकारात्मक अथवा कम आय और कम लाभ हुआ है। यह क्षति वास्तविक तथा महत्वपूर्ण है। अतः इच्छुक पक्षकारों के यह तथ्य कि घरेलू उद्योग को कोई वास्तविक हानि नहीं हुई है, वैध प्रतीत नहीं होता है।

ज.5 कारणात्मक संबंध

प्राधिकारी नोट करता है कि अन्य इच्छुक पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति उसके पेट्रोकेमिकल यूनिट के कारण हुई है और इसका पाटित आयातों से कोई संबंध नहीं है। इस संबंध में उन्होंने तर्क दिया है कि पेट्रोकेमिकल डिविजन एक रुग्ण एकक होने के नाते इस कंपनी की समग्र वित्तीय स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है किंतु प्राधिकारी नोट करता है कि यह पेट्रोकेमिकल यूनिट अलग होने की प्रक्रिया में पहले से ही है और उपरोक्त क्षति विश्लेषण केवल खड़ रसायन डिविजन और इस जांच में उल्लिखित विशिष्ट खड़ रसायनों के संबंध में किया गया है। अतः इच्छुक पक्षकारों के यह तर्क कि याचिकाकर्ता को हानि उसके पेट्रोकेमिकल यूनिट की वजह से हुई है, वैध प्रतीत नहीं होते हैं।

इच्छुक पक्षकारों ने यह भी तर्क दिया है कि चूंकि संबद्ध माल के उत्पादन के लिए अपेक्षित एनीलीन जैसे कुछ प्रमुख कच्चे माल पर भारत में पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना अपेक्षित हो रहा है। अतः इससे घरेलू उद्योग के लागत ढांचे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा और इसलिए घरेलू उद्योग को क्षति होती। किंतु, प्राधिकारी नोट करता है कि कच्चे माल पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का प्रयोजन उस उत्पाद के पाटन से कीमत मंदी को समाप्त करना होता है। उन उत्पादों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से यह भी इंगित होता है कि उन उत्पादों की बिक्री घरेलू बाजार तथा अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भारत की कीमतों की

तुलना में अधिक कीमत पर हो रही है । अतः कच्चे माल पर पाटनरोधी शुल्क को घरेलू उद्योग को हो रही क्षति का कारण नहीं माना जा सकता ।

वास्तविक क्षति होने और कीमत कटौती, कम दाम पर बिक्री तथा कीमत दबाव तथा मंदी के प्रभावों के संबंध में पाटित आयातों की मात्रा तथा कीमत प्रभावों की जांच करने के बाद प्राधिकारी ने इस बात की भी जांच की है कि क्या भारतीय नियमावली तथा पाटनरोधी करार के तहत सूचीबद्ध अन्य संकेतात्मक कारकों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति में सहायता मिली है । अतः निम्नलिखित कारकों की जांच की गई है:-

- क) तीसरे देशों से आयात - ऐसे देशों से आयात जो इस जांच में शामिल नहीं हैं या तो कम रहे हैं अथवा संबद्ध देशों की आयात कीमतों की तुलना में अधिक कीमतों पर हुए हैं। अतः उनका घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है;
- ख) मांग में कमी - संबद्ध माल की मांग में क्षति जांच अवधि के दौरान काफी वृद्धि हुई है । अतः मांग में संभावित कमी घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं बन सकती है;
- ग) खपत का पैटर्न - किसी भी इच्छुक पक्षकार द्वारा खपत के पैटर्न में किसी ज्यादा बदलाव का आरोप नहीं लगाया गया है;
- घ) प्रतिस्पर्धा की शर्तें - इस माल का मुक्त रूप से आयात किया जा सकता है । याचिकाकर्ता संबद्ध माल का प्रमुख उत्पादक है क्योंकि अन्य अर्थक्षम उत्पादकों ने या तो उत्पादन बंद कर दिया है अथवा वे संबद्ध माल के व्यापारी बन गए हैं । अतः घरेलू प्रतिस्पर्धा घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं बन सकती है । प्रतिस्पर्धा की शर्तों अथवा व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियों का कोई भी साक्ष्य प्राधिकारी के संज्ञान में नहीं लाया गया है ।
- ड.) प्रौद्योगिकी में विकास - प्रौद्योगिकी में किसी खास बदलाव का आरोप नहीं लगाया गया है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति होती । इस निर्यातक ने कतिपय कच्चे माल की स्वस्थाने उपलब्धता अथवा भिन्न उत्पादन प्रक्रिया की वजह से काफी लाभ का दावा किया है जिसका उत्पादन लागत तथा सामान्य मूल्य से संबंध होता । किंतु प्रौद्योगिकीय अंतर के कारण घरेलू उद्योग को किसी लागत हानि का दावा नहीं किया गया है ।
- च) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

सूचीकृत

		2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
निर्यात					
एमओआर	मी.टन	100	105.67	120.57	139.01
पीएक्स-13	मी.टन	100	123.35	131.89	198.06
टीडीक्यू	मी.टन	100	139.59	195.27	250.52

घरेलू उद्योग की निर्यात बिक्री काफी है और यह काफी वृद्धि दर्शाती है लेकिन निर्यात से लाभप्रदता नकारात्मक रही है। तथापि, क्षति विश्लेषण के लिए घरेलू तथा निर्यात बाजार की कीमत तथा लाभप्रदता को अलग-अलग कर दिया गया। और, यदि कंपनी के निर्यात निष्पादन की वजह से कोई क्षति हुई है तो इसका कारण पाटित आयात नहीं बन सकते हैं।

- छ) उत्पादकता - घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में कुल उत्पादन और प्रति कर्मचारी उत्पादकता की दृष्टि से सुधार हुआ है। अतः यह घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं बन सकता है।

उपर्युक्त अश्रेयकर विश्लेषण यह दर्शाता है कि पाटित आयातों के अलावा किसी अन्य कारक के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है।

ज.5.1 कारणात्मक संबंध साबित करने वाले कारक

क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन के विश्लेषण से यह परिलक्षित होता है कि घरेलू उद्योग का निष्पादन संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण वास्तविक रूप से बिगड़ा है। अतः पाटित आयातों तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध निम्नलिखित आधारों पर साबित किया जाता है -

1. पाटित आयातों की कीमतें और संबद्ध देशों से हुए आयातों की लैंडेड कीमत में तीव्र गिरावट आई है जिसके परिणामस्वरूप काफी कीमत कटौती हुई है। प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में घरेलू उद्योग को कीमत कम करने के लिए बाध्य होना पड़ा।
2. घरेलू उद्योग द्वारा बिक्री कीमत में कटौती के परिणामस्वरूप इस कंपनी के लाभ, नकद प्रवाह तथा निवेश पर आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।
3. हालांकि आयात कीमतों में गिरावट का घरेलू उद्योग ने प्रतिक्रिया की है लेकिन सकारात्मक कीमत कटौती के परिणामस्वरूप संबद्ध देशों से हुए आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है। प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में घरेलू बाजार हिस्से में गिरावट आई।

4. घरेलू उद्योग की कीमत कटौती तथा बाजार हिस्से में परिणामी गिरावट होने के कारण क्षमता उपयोग पिछले स्तर तक नहीं पहुंच सका है। घरेलू उद्योग बिक्रियों में वृद्धि नहीं कर सका जिसके परिणामस्वरूप मांग में वृद्धि के बावजूद उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में कमी आई है।
5. मांग में वृद्धि तथा घरेलू उद्योग द्वारा बिक्री कीमतों में कटौती किए जाने के बावजूद घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है क्योंकि आयातों की लैंडेड में काफी गिरावट हुई। इससे घरेलू उद्योग की वृद्धि में बाधा आई।

अतः प्राधिकारी अनंतिम तौर पर निष्कर्ष देता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति होती है और इस क्षति का कारण संबद्ध देशों/क्षेत्रों से पाटित आयात का होना है।

झ. क्षति की मात्रा तथा क्षति मार्जिन

प्राधिकारी द्वारा निर्धारित अक्षतिकारी कीमत की तुलना क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए निर्यात के लैंडेड मूल्य से की गई है। संबद्ध देशों से हुए निर्यात की भारत औसत लैंडेड कीमत और क्षति मार्जिन की गणना निम्नानुसार की गई है:-

उत्पाद	देश/क्षेत्र	निर्यातक	क्षति मार्जिन %
पीएक्स-13	ईयू	फ्लेक्सीस एनवी	19%
	ईयू	लांक्सेस, जीएमबीएच	30%
	ईयू	अन्य सभी	30%
पीएक्स-13	ताइवान	सभी निर्यातक	26%
एमओआर	ईयू	लांक्सेस, एनवी	11%
	ईयू	अन्य सभी	16%
	यूएसए	सभी निर्यातक	17%
	चीन	सभी निर्यातक	14%
टीडीक्यू	ईयू	जनरल क्यूमिका एसए	24%
	ईयू	अन्य सभी निर्यातक	10%
	चीनी ताइपेई	सभी निर्यातक	17%

ट. निष्कर्ष:

इच्छुक पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों तथा किए गए निवेदनों की जांच करने के पश्चात और प्राधिकारी के समक्ष इस जांच परिणाम में यथा-रिकार्ड किए गए अनुसार, प्राधिकारी अनंतिम तौर पर यह निष्कर्ष देता है कि:

- i) भारतीय बाजार में संबद्ध माल का प्रवेश संबद्ध देशों/क्षेत्रों से निर्यातक देशों के घरेलू बाजार में अपने सामान्य मूल्यों से कम कीमत पर हुआ है;
- ii) संबद्ध देशों/क्षेत्रों से आयातित संबद्ध माल का पाटन मार्जिन काफी रहा है और वह न्यूनतम सीमा से अधिक रहा है;
- iii) घरेलू उद्योग को बाजार हिस्से में हानि, कम क्षमता उपयोग तथा लाभप्रदता की दृष्टि से वास्तविक क्षति होती है ;
- iv) और, घरेलू उद्योग को हुई क्षति, संबद्ध देशों/क्षेत्रों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध माल के पाटित आयातों की मात्रा तथा कीमत दोनों के कारण रही है ।

ठ. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे:

प्राधिकारी नोट करता है कि सामान्य रूप में पाटनरोधी शुल्कों का प्रयोजन घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना होता है जोकि पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों द्वारा किया जाता है, ताकि भारतीय बाजार में मुक्त तथा उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनः स्थापित की जा सके जोकि देश के सामान्य हित में आवश्यक भी है । पाटनरोधी उपाय किए जाने के परिणामस्वरूप संबद्ध देश से हो रहे आयातों को किसी भी तरह से रोका नहीं जा सकेगा और इसलिए इनका उपभोक्ताओं को उस उत्पाद की उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

ड. सिफारिशें

प्राधिकारी नोट करता है कि यह जांच प्रारंभ की गई और इसे सभी इच्छुक पक्षकारों को अधिसूचित किया गया और निर्यातकों , आयातकों तथा अन्य इच्छुक पक्षकारों को इस बात के लिए पर्याप्त अवसर दिया गया कि वे पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंधों के पहलू पर सकारात्मक जानकारी प्रदान करें । पाटन, क्षति तथा पाटन तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की उपर्युक्त नियमावली के अनुसार जांच प्रारंभ तथा प्रारंभिक जांच किए जाने के पश्चात और संबद्ध देशों के विरुद्ध अनंतिम तौर पर सकारात्मक पाटन मार्जिन को साबित किए जाने के बाद और यह निष्कर्ष किए जाने के बाद कि घरेलू उद्योग को ऐसी पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति होती है, प्राधिकारी की राय है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को हुई क्षति को रोकने के लिए अनंतिम उपाय करना आवश्यक है ।

अतः प्राधिकारी नीचे वर्णित प्रारूप तथा तरीके में संबद्ध देशों/क्षेत्रों से संबद्ध माल के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझता है और इसकी सिफारिश करता है ।

प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए अपेक्षतया कम शुल्क संबंधी नियम के संबंध में प्राधिकारी पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन से कम की बराबर राशि का अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करता है जिससे घरेलू उद्योग को हो रही क्षति समाप्त की जा सके । तदनुसार अनुबंध में दी गई शुल्क संबंधी तालिका के कॉलम 9 में इंगित राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करता है जो इस संबंध में संबद्ध देशों/क्षेत्रों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध माल के सभी आयातों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी होने वाली अधिसूचना की तारीख से प्रभावी होगा ।

ढ. अगली प्रक्रिया:

प्रारंभिक जांच-परिणामों को अधिसूचित किए जाने के पश्चात् निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:-

- (क) प्राधिकारी इन जांच परिणामों पर सभी इच्छुक पक्षकारों से टिप्पणियां आमंत्रित करता है और अंतिम जांच परिणाम में उस पर विचार किया जाएगा;
- (ख) संबंधित ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ता तथा अन्य इच्छुक पक्षकारों को प्राधिकारी द्वारा अलग-अलग पत्र भेजे जा रहे हैं जो उक्त आशय के पत्र के जारी होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने-अपने विचार प्रस्तुत कर सकेंगे । कोई अन्य पक्षकार भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने-अपने विचार प्रस्तुत कर सकेंगे;
- (ग) प्राधिकारी यथा-आवश्यकतानुसार वांछित सीमा तक और आगे पड़ताल करेगा;
- (घ) प्राधिकारी आवश्यक तथ्यों का खुलासा अंतिम जांच परिणामों की घोषणा से पहले करेगा।

▲

फाइल सं० 14/13/2004-डीजीएडी

अनुबंध

शुल्क तालिका

क्र स	उप-शीर्ष अथवा टैरिफ मद	माल का विवरण	विशेष विवरण	उद्भव का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातव र	शुल्क राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
पीएक्स-13										
1.	कोई सीमा शीर्ष	रबड़ केमिकल पीएक्स-13	पैरा ग देखें	यूरोपियन यूनियन	यूरोपियन यूनियन	मै. फ्लेक्सीस एनबी, बेल्जियम	कोई	501	मी. टन	अम. डा.
2.	-वही-	-वही-	-वही-	यूरोपियन यूनियन	यूरोपियन यूनियन	मै लांक्सेस जीएमबीएच जर्मनी	कोई	590	मी. टन	अम. डा.
3.	-वही-	-वही-	-वही-	यूरोपियन यूनियन	यूरोपियन यूनियन	उपरोक्त के अतिरिक्त कोई अन्य	कोई	706	मी. टन	अम. डा.
4.	-वही-	-वही-	-वही-	यूरोपियन यूनियन	यूरोपियन यूनियन के अलावा कोई	कोई	कोई	706	मी. टन	अम. डा.
5.	-वही-	-वही-	-वही-	यूरोपियन यूनियन के अतिरिक्त कोई	यूरोपियन यूनियन	कोई	कोई	706	मी. टन	अम. डा.
6.	-वही-	-वही-	-वही-	ताइवान	ताइवान	कोई	कोई	740	मी. टन	अम. डा.
7.	-वही-	-वही-	-वही-	ताइवान	ताइवान के अलावा कोई	कोई	कोई	740	मी. टन	अम. डा.
8.	-वही-	-वही-	-वही-	ताइवान से इतर अन्य	ताइवान	कोई	कोई	740	मी. टन	अम. डा.
एमओआर										
9.	-वही-	रबड़ केमिकल एमओआर	-वही-	यूरोपियन यूनियन	यूरोपियन यूनियन	मै० लांक्सेस एनबी, बेल्जियम	कोई	350	मी. टन	अम. डा.
10.	-वही-	-वही-	-वही-	यूरोपियन यूनियन	यूरोपियन यूनियन	उपरोक्त के अलावा अन्य कोई	कोई	490	मी. टन	अम. डा.
11.	-वही-	-वही-	-वही-	यूरोपियन यूनियन	यूरोपियन यूनियन के अलावा	कोई	कोई	490	मी. टन	अम. डा.

					कोई					
12	-वही-	-वही-	-वही-	यूरोपियन यूनियन से इतर अन्य	यूरोपियन यूनियन	कोई	कोई	490	मी. टन	अम. डा.
13	-वही-	-वही-	-वही-	सं. रा. अम.	सं. रा. अम.	कोई	कोई	510	मी. टन	अम. डा.
14	-वही-	-वही-	-वही-	सं. रा. अम. से इतर कोई	सं. रा. अम.	कोई	कोई	510	मी. टन	अम. डा.
15	-वही-	-वही-	-वही-	सं. रा. अम.	सं. रा. अम. से इतर कोई	कोई	कोई	510	मी. टन	अम. डा.
16	-वही-	-वही-	-वही-	चीन	चीन	कोई	कोई	450	मी. टन	अम. डा.
17	-वही-	-वही-	-वही-	चीन	चीन से इतर कोई	कोई	कोई	450	मी. टन	अम. डा.
18	-वही-	-वही-	-वही-	चीन से इतर कोई	चीन	कोई	कोई	450	मी. टन	अम. डा.
टीडीक्यू										
19	-वही-	रबड़ केमिकल टीडीक्यू	-वही-	यूरोपियन यूनियन	यूरोपियन यूनियन	मै. जनरल क्यूमिका एसए, स्पेन	कोई	295	मी. टन	अम. डा.
20	-वही-	-वही-	-वही-	यूरोपियन यूनियन	यूरोपियन यूनियन	उपरोक्त के अलावा कोई	कोई	327	मी. टन	अम. डा.
21	-वही-	-वही-	-वही-	यूरोपियन यूनियन	यूरोपियन यूनियन के अलावा कोई	कोई	कोई	327	मी. टन	अम. डा.
22	-वही-	-वही-	-वही-	यूरोपियन यूनियन से इतर कोई	यूरोपियन यूनियन	कोई	कोई	327	मी. टन	अम. डा.
23	-वही-	-वही-	-वही-	ताइवान	ताइवान	कोई	कोई	270	मी. टन	अम. डा.
24	-वही-	-वही-	-वही-	ताइवान	ताइवान से इतर कोई	कोई	कोई	270	मी. टन	अम. डा.
25	-वही-	-वही-	-वही-	ताइवान से इतर कोई	ताइवान	कोई	कोई	270	मी. टन	अम. डा.

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 8th April, 2005

Preliminary Findings

Sub: Anti-Dumping Investigation concerning imports of Certain Rubber Chemicals (MOR, PX13 and TDQ) originating in or exported from the European Union, USA, China PR and Chinese Taipei

NO.14/13/2004-DGAD: - Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof:

WHEREAS M/s National Organic Chemicals Industries Ltd. (herein after referred to as NOCIL or petitioner) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as this Authority), in accordance with the Act, and Rules, alleging dumping of Certain Rubber Chemicals namely MOR, PX13 and TDQ (herein after referred to as subject goods) originating in or exported from the European Union, USA, Chinese Taipei and People Republic of China and requested for initiation of an investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods. The petitioner has alleged that MOR is being dumped by the exporters and producers in EU, USA and China, while PX-13 and TDQ are being dumped by the exporters and producers in EU and Taiwan. These countries/ territories have been referred to as subject countries/ territories hereinafter.

AND WHEREAS, the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner M/s National Organic Chemicals Ltd. on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 17th August 2004 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries/territories in accordance with the sub-Rule 5(5) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

A. Procedure

Procedure described below has been followed with regard to this investigation after issuance of the public notice notifying the initiation of the above investigation by the Authority.

- (i) The Designated Authority sent copies of initiation notifications dated 17th

August, 2004 to the Embassies/representatives of the subject countries/territories in India, known exporters from the subject countries/territories, importers and the domestic industry as per the information available with it and requested them to file questionnaire responses and make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.

- (ii) Copies of the non-confidential version of the petition filed by the domestic industry were made available to the known exporters and the Embassies/High Commissions of the subject countries/territories in accordance with Rules 6(3) supra.
- iii) The Embassies/High Commissions/ Representatives of the subject countries/territories in New Delhi were informed about the initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries/territories to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporter was also sent to the Embassies/High Commissions of subject countries/territories along with a list of known exporters/ producers.
- iv) The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information, to the known exporters from subject countries/territories in accordance with the rule 6(4):-
- v) In response to the above notification the following exporters from the subject countries/ territories filed their questionnaire responses. No response was however, received from China PR, Chinese Taipei and USA.
 - a) M/s Flexsys NV, Belgium
 - b) M/s Lanxess NV, Belgium
 - c) M/s Lanxess AG, Germany
 - d) M/s General Quimica SA, Spain
- vi) Questionnaires were sent to known importers and Consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4). Whereas M/s J. K Industries Ltd has filed substantial importer's questionnaire response; the following interested parties have filed only brief responses to the initiation of the investigation:
 - a) M/s Lanxess India Pvt. Ltd
 - b) .Automotive Tyres Manufactureres Association (ATMA)
 - c) The Delegation of the European Union

The views of the above interested parties, to the extent they are relevant have been taken on record and examined by the Authority at appropriate places.

- vii) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, including the period of investigations;

- viii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- ix) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the petitioner on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out provisionally so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;
- x) *** in this Notification represents information furnished by the petitioner on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;
- (xi) Investigation was carried out for the period starting from 1st January 2003 to 31st December 2003 (POI).

C. Product under Consideration and Like Article

The products under consideration are three specific rubber chemicals used in manufacture of rubber products, namely: i) Anti-Degradants: **PX 13** ii) Accelerators: **MOR** iii) Antioxidant: **TDQ**

Detailed chemical names of the products are as follows:-

MOR: N-oxydiethylene-2-benzothiazole sulphenamide (2-Morphoolinothiobenothiazole) (MBS). **MOR Mercapto** benzothiazole disulphide is reacted with morpholine and sodium hypochlorite. The reaction is carried out in presence of isopropyl alcohol. The product is filtered, washed and extruded to form pallets, which are dried and packed. The isopropyl alcohol is recovered and recycled.

PX 13: N-1, 3-dimethyl butyl-N'Phenyl paraphenylenediamine (6 PPD). PX-13 Px- 13 is produced by hydrogenation of a mixture of 4-nitrodiphenylamine and methyl isobutyl ketone in an autoclave at moderately high pressure in presence of a noble metal catalyst. The resulting reaction mass, which contains unreacted ketone, by-products, etc., is filtered to remove the catalyst, which is then recycled. The filtrate is distilled to remove low boilers and is then flaked to give the finished product. The low boilers are redistilled to recover the unreacted ketone. Catalyst is recycled until the activity is reduced. It is then removed from the system.

TDQ: Polymerized 2,2, 4-Trimethyl-1, 2 di-hydroquinoline. TDQ Acetone and aniline are condensed at high temperature in presence of an acid catalyst. The resultant mass is then polymerised to the required degree; the excess acid is neutralized with caustic solution and washed with water. The material is then stripped at high temperature under vacuum to recover low boilers. The product is then pastilized and bagged.

These rubber chemicals are extensively used in treating natural rubber, synthetic rubber (SBR, Butadiene Rubber, Nitrile Rubber, Carboxylated Rubber) and other synthetic rubber based compounds used for manufacture of various rubber products

The Authority notes that there is no dedicated ITC HS Classification for the subject goods and products under consideration are classified under various subheadings of customs classification heads 38.12.10, 38.12.20 and 38.12.30 as well as under 29.34.20 and 29.25.20 (at six digit levels) of the Customs Tariff Act and ITC HS classification. The Delegation of the European Union has also submitted that the European classification of the above products do not conform to the classification used in the European Union. However, the Authority notes that the products are known by their respective trade names and the chemical descriptions as indicated above, Therefore, the Customs and ITC HS classifications shown above are indicative only and are in no way binding on the scope of the present investigation.

C.1 Views of the Exporters, importers and other interested parties

The interested parties in their preliminary submissions have stated that It is an unprecedented practice of the Designated Authority to initiate "a three in one" investigation which covers three distinctive and separate rubber chemicals i.e. MOR, TDQ and PX-13 in a single investigation and that there cannot be one anti-dumping case for three products.

The Authority notes that neither the Agreement nor the Antidumping Rules prohibits in any manner investigation of multiple products under one investigation. As long as the individual domestic products and the individual export products are like articles and the injury determination can be conducted against individual products there is no restriction to limit the investigation to single product as has been argued by the exporter.

The Authority further notes that the products under consideration, in the present investigation, are three distinct yet same general category of rubber chemicals used as Anti-degradants, Accelerator Rubber Chemical, and Antioxidants in the rubber industry. The domestic industry is same for these rubber chemicals, which manufactures all these chemicals in the same manufacturing facilities. Therefore, initiation of a combined investigation was most ideal in this situation to optimize use of resources for such investigations.

The Authority also notes that the initiation notification has amply clarified that both dumping and injury investigations are to be carried out in respect of individual products in addition to overall impact examination on the domestic industry as a whole. The Authority also notes that the investigation covers the countries/territories named in the petition against each of the subject rubber chemicals and do not cover all the countries for all the products as has been argued. Therefore, the arguments of the interested parties in this respect do not appear to be valid.

D. Standing of the Domestic Industry and initiation of the investigation**D.1 Views of the interested parties**

The interested parties in their submissions have questioned the standing of the domestic industry. They have submitted that total domestic production and share of the petitioner have not been properly reported in the petition. Therefore, the Designated Authority, in order to measure the degree of support in this case, should have taken up the practice of sending pre-initiation questionnaires to the other Domestic Producers requesting for information on their production and sales quantity and whether or not they are supporting the complaint. As there is no finding made in the Initiation Notification, on the issue of standing which is contrary to the information provided in the Petition, the Designated Authority has clearly violated Section 5(3) (a) of the Anti-Dumping Rules.

They have further submitted that without prejudice to the aforesaid submissions made, in case the Designated Authority has verified the sufficiency of the standing test (polling) before initiating this proceeding, nevertheless the Designated Authority should put the Petitioners to strict proof to verify the data submitted for the purpose of "standing", more so after these errors have been brought to the notice of the Designated Authority.

The exporter has also submitted that the proceedings must fail for lack of clarity and evidence on dumping, injury and causal link, since the petitioner has failed to provide adequate non-confidential disclosures on the above in its application for the investigation.

D.2 Views of Domestic industry

The domestic industry has submitted that dumping is extensive and such has been the extent of dumping that two major producers, i.e. M/s Bayer India and M/s ICI India have substantially exited from manufacture of the products under consideration and turned traders, resorting to imports from some of the subject countries. Since these companies have turned traders, they do not constitute eligible Indian producers to qualify to be treated as domestic industry within the meaning of Rule 2(b).

The petitioner further argued that production facilities of Rubber Chemicals generally involve production of a large number of rubber chemicals within the same facilities. Therefore, there is no published information reasonably available with regard to production by various producers. However, as per its market Bayer India and ICI has suspended production and substantially existed from production of these products and continue to offer the material by resorting to imports. Therefore, they have assessed production of these companies based on its market intelligence, as there is no published information available in this regard.

They have further argued that since ICI and Merchem have resorted to imports of MOR, PX13 and TDQ, in commercial quantities, after suspending/curtailing/reducing production and to sell the material in the market these Companies do not qualify to be eligible as domestic industry. Therefore, once

production of these Companies is excluded, petitioner satisfy requirement of standing under Rule 5 of Indian Rules and WTO Agreement and constitutes domestic industry. Since production of the petitioner constitutes more than 50% of eligible Indian Production for each of the subject chemical, petitioner considers that there is no necessity to establish support or opposition to the petition.

D. 3 Examination by the Authority

The petition has been filed by M/s. NOCIL, Mumbai. M/s Bayer India Ltd., M/s ICI Ltd. and M/s Merchem Ltd. were the other manufacturers of some of these products under consideration. However, it has been argued by the domestic industry that all of them have either ceased to produce the subject goods because of the dumped imports and turned themselves into traders and importer of the subject goods or substantially reduced their production. All the three companies were asked by the Authority to confirm the above position, as well as their support or opposition to the application. However, no response was received from these producers. Therefore, the Authority concludes that there is no opposition to the investigation from any other domestic producers.

The transaction-wise import data provided by DGCI&S and other sources show that these companies have substantial imports of these products during the period of investigation. As far as Bayer India is concerned, the Company is allegedly related to the world major M/s Bayer GmbH, which is the major producer and exporter of the subject goods to India from its manufacturing facilities located at different locations. Bayer India is also the importer of the subject goods from their principals in Germany and Belgium. Therefore, these domestic manufacturers do not qualify to be included in the domestic industry domain in terms of Article 4.1 (i) of the Agreement.

As far as the applicant is concerned, it is a multi-product manufacturer of organic chemicals. The Authority notes that the plant capacity of the petitioner, for the individual products under consideration, is dedicated. Authority notes that taking into consideration the production of the individual chemicals of the petitioner company and after disallowing the production of the producers who have substantial imports of respective products, the petitioner company commands a major proportion of the total domestic production of the products under consideration. In view of the above the Authority holds that the petitioner satisfies the standing requirement to file the application as the domestic industry, under Rule 5.3 (a) of AD Rules.

E. De Minimis Limits

Imports have been reported from several EU member countries. However, for the purpose of this investigation the EU has been taken as a single customs territory. As per the import data received by the Authority from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and other secondary sources the imports of the individual products from the USA, EU, China and Taiwan are above the de minimis level.

F. Other submissions and issues raised

F.1 Domestic Industry

The domestic industry has submitted that there is no dedicated head of classification of the products under consideration and MOR, PX-13 and TDQ have been reported under several Custom Subheadings under the Customs Tariff Act. Since the customs classification is not dedicated to the product under consideration, petitioner has compiled import information from transaction wise information on imports provided by International Business Information Service (IBIS), Mumbai. They have also submitted that dumping has intensified after initiation of the investigation and a preliminary determination and provisional duty is essential in view of continued injury suffered by them.

F.2 M/s. LANXESS N.V Belgium and M/s LANXESS GmbH, Germany

M/s. LANXESS N.V Belgium and M/s LANXESS GmbH, Germany have filed their respective questionnaire responses against the initiation of this investigation and have inter alia submitted that

- That due to a strategic reorientation Bayer has transferred large parts of its' chemicals activities from Bayer Chemicals AG and parts of its polymer business (including the Business Unit Rubber Chemicals) from Bayer Material Science AG to LANXESS Deutschland GmbH with effect from 1st October 2004.
- Therefore in regard to the respective rubber chemicals products LANXESS Deutschland GmbH has become by law the legal successor of Bayer Material Science AG, and LANXESS NV has become by law the legal successor of Bayer Antwerp NV.
- That M/s LANXESS N.V. Belgium is only concerned with the export of MOR to India. LANXESS_Deutschland GmbH is concerned with the export of PX13 to India. Neither company exported TDQ to India during the relevant period of investigation and is not concerned with the same for the purposes of this proceeding.
- That MOR is an accelerator used to enhance the rate of vulcanization of rubber. The said article is primarily used in the production of rubber for automotive tyres of a non-radial type. By its very nature the global market for non-radial tyres is limited and the market for the same in, for example, the EU is so minute that it could be considered to be virtually non-existent. Countries using these articles in material quantities are India and Iran. Other smaller users include the U.S., Columbia, Indonesia, etc. Insofar as PX13 is concerned, the same has wide usage in various areas and is exported to several countries.
- That with respect to MOR Lanxess's share in the Indian market is static, and regarding PX13, there has been an increase in the export volumes to

India due to the switch from production of one of the Indian producers to imports from Germany. However there has been no change in the petitioners' market share.

- That there is *de facto* no domestic market for MOR in the EU and market prices must necessarily be determined on the basis of prices in countries where there is a market. If this is done, the difference in prices is marginal.
- That essentially, the EU domestic market for PX13 entails prices, which are comparable to the export prices.
- That the petitioner is running a plant, which is far too small for it to offer sustainable economies of scale in the market or achieve the numerous others cost advantages.
- That, the manufacturing process for MOR described by the petitioner in the petition is economically disadvantageous in comparison to the process used by Lanxess.

In addition to these general submissions these two exporters have made specific submissions in respect of their normal values and export prices. As far as determination of the normal value is concerned these two exporters have inter alia submitted:

- That in terms of the WTO Agreement the normal value is the comparable price at which the goods are sold in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory. If it cannot be so determined, it may be determined by (a) the comparable representative export price to an appropriate third country; or (b) the cost of production in the country or origin with reasonable additions for administrative, selling and general costs and for profits;
- That so far as MOR is concerned; there is no reliable comparable price at which the goods are sold in the course of ordinary trade in the domestic EU market. At best, there are minor transactions, which are not representative, nor would these sales constitute sales in the course of ordinary trade as the term is commonly understood. In view of the same, there is no question of any reliable data or trade pricing available upon which the normal value in the EU can possibly be ascertained.
- That being the case, regarding MOR the remaining two options the most accurate and representative price would necessarily be that of comparable export prices to third countries. The exporter claims that on the basis of relevant details provided by them establishes that the normal value would be similar to the export price to India.
- That regarding PX13, it is clear from the material provided that the prices in the domestic market and the export prices are, after adjustments, are essentially comparable.

- That the common belief that fixed costs are higher in the EU is not correct. The scale of operations at Lanxess facilities, the output per person employed, the cost of utilities (water, electricity, both of which are significantly higher in India *in absolute comparison*), enable them to deliver many times the output of the petitioners using a tiny fraction of the manpower and utilities (and utility costs) of the petitioners.
- That therefore, the commonly repeated statement that production costs are higher in the EU requires to be qualified by a proper comparison of the scale of the competing operations. Lanxess's capacities are in fact approximately much higher compared to that of the petitioners. This, coupled with their ability to efficiently leverage its' strength with respect to backward integration, produce key raw materials and intermediates on site effectively results in their costs of production being significantly more cost efficient than the petitioners'.
- That the entire methodology followed in the petition for assessing normal value is erroneous and contrary to the rules.
- In respect of MOR, there has been no attempt whatsoever to ascertain comparable export prices to third countries. Had this been done, it would have become clear that the export prices to India are in fact the normal value of the goods in the ordinary course of trade.
- In respect of PX13, there is an active market for the same in the EU, and the prices in the same are broadly in consonance with the export price, after adjustments.
- That the method adopted in the petition for determination of the cost of production is both erroneous and illegal. No details whatsoever have been provided regarding the calculations, which are, on the petitioner's own showing, based on "best estimates". Such estimates cannot possibly be considered to be confidential.
- That the statement that fixed costs are known to be higher in developed countries is misleading and fails to take into account the fact that their manufacturing unit operates on world scale manufacturing capacities and economies of scale and has therefore several cost advantages, including in the purchasing of base raw materials and its base raw material capacity.
- That they are in a unique position, in that they are able to make direct comparisons regarding the overall manufacturing costs in India and in Europe as they operate rubber chemical manufacturing units in both places.
- While there is no disagreement over the fact that the cost per operator is lower in India than in Europe, it is also a fact that other major components of manufacturing costs in India, such as for example the cost of energy and utilities are substantially higher.

- That the manufacturing process for MOR is not the same as that used by Lanxess in that Lanxess technology permits them to not to carry out certain reactions at all.
- That as far as the manufacturing process for PX13 is concerned they are in a position to efficiently leverage their strength with respect to backward integration, with key raw materials and intermediates being produced on site.
- That there would be only a very marginal reduction in the price of the exported article was it not the fact that customs duty rates have been dropped from 30% to 25% during the period of investigation, and thereafter to 20%.
- That there is no significant difference whatsoever between the packing required in the case of exports and in other case.

F.3 Other Interested parties

Other interested parties have raised general issues of product classification, period of investigation, initiation and product coverage etc. in their submissions in response to the investigation. The Authority has taken note of these submissions to the extent they are relevant and substantiated.

F.4 Examination of the Authority

The Authority has taken note of the submissions made by the exporters in respect of determination of their normal values and export prices of the products under consideration. The basic arguments extended by the exporters in their general submissions with regard to the normal value and export prices have been that they have comparable sales either in their home markets or in appropriate third countries, which should be accepted by the Authority for normal value purpose and these prices are not higher than the export prices to India. They have also raised the issue of their plant sizes and efficiencies in manufacture of the subject goods, which keeps their production, cost lower and enables them to compete in the world market, including India.

The Authority notes that the claims of plant size and efficiencies should be corroborated with evidence and data in the form and manner prescribed for a meaningful examination of their cost of production and conducting an ordinary course of trade test on their home market or third country sales data to arrive at an appropriate normal value. Therefore, to the extent this information has been produced by the exporter these aspects shall be examined by the Authority in appropriate places.

1175-GI/05-18

As far as estimation of the normal value by the petitioner is concerned, the obligation on the petitioner is to provide the information to the Authority about the Normal value in the country of export as reasonably available to the petitioners. Thereafter the onus is on the responding exporters to refute the claim and produce credible evidence to counter this. Therefore, to the extent such information has been provided by the interested parties the same shall be examined by the Authority subject to verification.

G. Determination of Dumping Margin

G.1 Product: PX-13

The Authority notes that only two exporters from the European Union i.e., M/s Flexsys NV, Belgium and M/s Lanxess GmbH, Germany, have filed their questionnaire response in respect of this product. Though the product is allegedly dumped from Chinese Taipei also, no response has been received from any exporter from Chinese Taipei in respect of this product.

For the purpose of the preliminary determination the Authority has examined the data submitted by the responding exporters as follows:

G.1.1 M/s Flexsys NV, Belgium

M/s Flexsys NV Belgium has filed a detailed questionnaire response to the investigation and based on their response and deficiencies therein certain additional information were also called for. In response to the questionnaire and in its reply to various queries the exporter has inter-alia submitted that they manufacture number of rubber chemicals, including the subject goods involved in this investigation. MOR or Santocore MBS and Santoflex 6PPD or PX 13 are manufactured as their production facility in Antwerp, Belgium. TDQ or Flectol EMQ is produced at their production facility in UK. However, they have filed questionnaire response only in respect of 6 PPD or PX 13 and submitted that based on their market intelligence, they do not intend to market MBS and TDQ in Indian market on a long term basis. Therefore, they have not submitted their responses in respect of these two products.

The Authority notes that this exporter produces the product 6PPD and sales the same in the domestic market as well as in the Indian market. The product is equivalent of the PX13 manufactured and sold by the domestic producer in India. Therefore, 6PPD constitutes the like product for this exporter and domestic sales data of 6PPD has been provisionally accepted for the purpose of determination of the normal value for this exporter.

Normal Value

On the basis of the questionnaire response submitted, the exporter has
**** domestic transactions (****MTs) of the product i.e. 6PPD to various users in

the European Union The exporter has also produced certain information on the cost of production of the subject good. Pending verification of the cost of production and ordinary course of trade examination of the domestic sales transactions, the weighted average domestic sales price has been accepted provisionally as their normal value. The applicant has claimed certain adjustments on the domestic sales on account of level of trade adjustments. Pending verification the adjustments claimed has been accepted by the Authority provisionally for the purpose of working out the normal value at the ex-works level. Based on this, the normal value for the above exporter has been determined at US\$****Per Kg

Export Price

The exporter has reported **** export transactions (**** MT) of export sales of the subject goods to India at weighted average export price of USD****Per Kg. The exporter has not shown adjustments towards ocean insurance and shipping charges. After provisionally allowing for adjustments towards inland freight, handling and ocean freight as claimed the net ex-works export price works out to USD ****Per Kg.

Dumping Margin

For the purpose of determination of dumping margin the ex-works normal value and export prices so determined provisionally have been compared at the same level of trade. No other adjustment towards other factors affecting price comparability has been claimed. Accordingly, the dumping margin for this exporter has been provisionally determined as follows:

Exporter	Normal Value USD/Kg	Export Price USD/Kg	Dumping Margin USD/Kg	Dumping Margin %
Flexsys NV	****	****	****	23.36%

G.1.2 M/s Lanxess GmbH, Germany

M/s Lanxess GmbH has filed its response for only one product i.e PX-13 and confirmed that they are not involved in manufacture and sale of MOR. The third product i.e TDQ is produced by them and sold in their domestic EU market but not exported to India. However, they have provided certain information on their domestic sales price of this product also in the spirit of cooperation so that Authority can determine the Normal Value of this product for the EU exporters.

The exporter has filed their domestic sales details of the product Volkanox 4020 (equivalent to PX-13) in the German Market. However, the information provided is not in the form and manner prescribed. In response to the deficiencies communicated to them in this regard the exporter has clarified that it

is not possible to transform the data available in their computer system to the questionnaire format. Therefore, they have requested the Authority not to take a rigid and inflexible approach to the mode and the format of information provided. They have further clarified that some of these information and data are extremely sensitive for them because of their world-wide operations. However, they have submitted that all these information shall be provided during the in-situ verification of the data and Authority is free to examine their data from their system. The Authority notes that it is the responsibility of the exporter concerned to provide the data in the form and manner prescribed so as to make an objective examination and determination of margin of dumping, if any. Therefore, pending verification of the data required for determination of the normal value for this exporter, the Authority has provisionally determined the normal value based on the data provided by the exporter as follows:

Normal Value: Lanxess Gmbh

The exporter has reported **** MT of sale of the product in the domestic German market during the POI at an average price of ****Euro (Equivalent to US\$****) Per Kg. The exporter has not claimed any adjustment on this price and therefore, it is presumed that the price is at the ex-factory level. Accordingly the normal value of PX-13 is provisionally determined as US\$****Per Kg.

Export Price: Lanxess Gmbh

The exporter has reported export of **** MT of PX-13 to India during the POI. Though the exporter has mentioned that part of this export is through M/s laxness India, no details of those subsequent sales have been provided. Therefore, for the purpose preliminary determination the Authority has worked out the weighted average export price of all comparable transaction in respect of imports from the subject countries to arrive at the CIF export price to India, which works out to US\$****per Kg. The exporter has also indicated that a commission of **% is payable on all transactions. The export price so assessed, being the CIF export price, adjustments towards ocean freight, insurance and commission totaling to US\$ ****/Kg based on the facts available, have been considered. Accordingly, net export price at the ex-factory level works out to US\$**** Per KG.

DUMPING MARGINS (Lanxess GmbH) PX-13

For arriving at the dumping margin the export price has been compared with the normal value at the same level of trade, i.e. at ex-works level, during the POI. The exporter has not claimed any adjustments towards the differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sales, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability.

Accordingly, the dumping margins for the producers/exporters of the subject goods in the subject countries have been determined as under:-

(PX-13)	NORMAL VALUE (\$/Kg)	EXPORT PRICE (\$/Kg)	DUMPING MARGIN (\$/Kg)	DUMPING MARGIN (%)
Lanxess GmbH	****	****	****	30%

The dumping margins so assessed are above the de-minimus limits and are considered significant.

G.1.3 All other exporters from EU: PX-13

For the non-cooperative exporters from the European Union the Authority has determined the dumping margin based on facts available. Normal Value for the non-cooperative exporters has been determined as US\$****Per Kg based on facts available. Similarly, export price has been determined as US\$****per Kg based on the average CIF export price after allowing for adjustments towards Commissions, inland transportation, ocean freight and insurance as applicable. Accordingly, dumping margin for all other exporters from the EU has been provisionally determined as US\$****Per Kg (36%).

G.1.4 All exporters from Chinese Taipei

The Authority notes that none of the exporters/producers from Chinese Taipei has provided any response or information on the normal value as per the prescribed questionnaire. Therefore, for the purpose of the preliminary determination the Authority has constructed the normal value based on estimated cost of production with reasonable profit of the subject good in the Chinese Taipei as per the best information available as per the Rules above. Accordingly, the Normal Value of MOR for all exporters from the Chinese Taipei has been determined as US\$ **** per Kg.

The Authority has worked out the weighted average export price of all comparable transaction in respect of imports from the Chinese Taipei to arrive at the CIF export price to India which works out to US\$****PMT. The export price so assessed, being the CIF export price, adjustments towards inland transportation, ocean freight, insurance and commission totaling to US\$ ****/Kg based on the facts available, have been considered in view of complete non cooperation by the concerned exporters. Accordingly, net-export price at the ex-factory level has been provisionally determined as US\$ ****Per Kg.

The ex-works normal value has been compared with the ex-works export price so determined at the same level of trade to determine the dumping margin which works out to US\$ ****Per Kg for all exporters from Chinese Taipei.

1175-GI/GS-19

G.2 Product: MOR

The Authority notes that though the subject goods are allegedly being dumped from the European Union, USA and China PR, only one exporter from the European Union i.e M/s Lanxess NV, Belgium has filed a questionnaire response in respect of this product. No response has been received from any exporter from the other countries i.e. USA and China PR in respect of this product. For the purpose of the preliminary determination the Authority has examined the data submitted by the responding exporters as follows:

G.2.1 M/s Lanxess NV, Belgium

M/s Lanxess NV, Belgium has filed its questionnaire response for only one product i.e. MOR. On the basis of their questionnaire response which was incomplete in certain respects, particularly their domestic sales and cost of manufacturing, certain additional information were called for. In its submissions the exporter has stated that MOR is no longer in active use in the Tyre industry in the European Union and therefore, they have very little sale of this product in the domestic EU market. A total sale in this market is less than 1% of their total sales which do not reflect correct market price for the purpose of normal value determination. They have not provided the data on these sales transactions and claimed normal value on the basis of their third country sales price. However, they have submitted that the Authority may verify the details of domestic sales during the on-the spot verification of the data if required.

In view of the lack of sufficient domestic sales of the above product within the EU the exporter has proposed that their export to an appropriate third country be accepted as their normal value. In this respect they have pleaded that their exports to Iran be examined as the appropriate third country for this purpose. They have argued that for the following reasons Iran should be treated as the most appropriate third country:

- a) the next largest country by sales volumes for the product
- b) end customer structure is similar to that in India
- c) Sales to Iran are denominated in USD and therefore, the currency difference is eliminated.
- d) Local tyre manufacturing facilities are broadly comparable in both the countries.

Examination by the Authority

The Authority has examined the submissions made by M/s Lanxess NV in respect of its claim of normal value for MOR. The Authority notes that as per Section 9A (1) (c), and Article 2.1 of the Agreement normal value in relation to an article means:-

"2.1 For the purpose of this Agreement, a product is to be considered as being dumped, i.e. introduced into the commerce of another country at less than its normal value, if the export price of the product exported from one country to another is less than the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like product when destined for consumption in the exporting country.

2.2 When there are no sales of the like product in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or when, because of the particular market situation or the low volume of the sales in the domestic market of the exporting country, such sales do not permit a proper comparison, the margin of dumping shall be determined by comparison with a comparable price of the like product when exported to an appropriate third country, provided that this price is representative, or with the cost of production in the country of origin plus a reasonable amount for administrative, selling and general costs and for profits.

2.2.1 Sales of the like product in the domestic market of the exporting country or sales to a third country at prices below per unit (fixed and variable) costs of production plus administrative, selling and general costs may be treated as not being in the ordinary course of trade by reason of price and may be disregarded in determining normal value only if the authorities determine that such sales are made within an extended period of time in substantial quantities and are at prices which do not provide for the recovery of all costs within a reasonable period of time. If prices which are below per unit costs at the time of sale are above weighted average per unit costs for the period of investigation, such prices shall be considered to provide for recovery of costs within a reasonable period of time."

The Authority provided opportunity to the exporters from subject countries to furnish information relevant to the investigations and offer comments, if any, in accordance with the Section cited above. The sole responding exporter from the EU in respect of the above product i.e M/s Lanxess NV, Belgium has pleaded that in view of insufficient domestic sale volume of this product in the domestic EU market their normal value for this product should be determined with reference to their exports to Iran as the appropriate third country. In this regard they have argued that Iran is the most appropriate third country comparable to the market condition in India as well as in terms of volume of exports.

The Authority notes that the provisions quoted above provide the Authority the option to adopt an appropriate method of determination of normal value when the domestic sales of the exporter is not representative for determination of normal value. However, the sales to the appropriate third country can be adopted for the determination of normal value provided they pass the sufficiency test and ordinary course of trade as much as that "the sales to a third country at prices below per unit (fixed and variable) costs of production plus administrative, selling and general costs may be treated as not being in the ordinary course of trade by reason of price".

The responding exporter in the instant case has not provided adequate information in the questionnaire response to conduct a reasonable ordinary course of trade test on the proposed third country sales transactions. In their questionnaire response the exporter has claimed significant cost advantage over its competitors on account of process adopted and sourcing of the major raw material for the subject goods, which are manufactured in their own plant. However, these claims have not been substantiated with proper cost data though the exporter has suggested that such information shall be provided during the on the spot investigation. Therefore, for the purpose of the preliminary determination the Authority has provisionally determined the Normal value for this exporter based on third country export sales strictly subject to verification of various claims made and admissibility of these exports for the purpose of normal value determination.

Normal Value: Lanxess NV

The responding exporter has reported export of **** MT of the product to Iran during the POI with an average CIF export price of Euro **** (equivalent to US\$****) per Kg. The exporter has also indicated an agent commission of ****% on this price and adjustment towards transportation and insurance @ US\$****per Kg. Accordingly the Ex-works Normal Value based on their third country export price works out to US\$****per Kg.

Export Price: Lanxess NV

The responding exporter has reported export of ****MT of the subject good to India during the POI at an average CIF price of US\$****per Kg. Against this CIF price commission of ****% has been admitted and the exporter has also claimed further adjustment of US\$****per Kg towards transportation and insurance. However, in their general submissions the party has submitted that against all their sales Lanxess NV pays a commission of ****% to Lanxess GmbH out of which ****% is paid to Lanxess India for the business transacted through them. Accordingly the entire amount of commission @ ****% has been deducted from the CIF value to arrive at the ex-factory export price provisionally which works out to US\$****per Kg.

Dumping Margin: Lanxess NV (Product MOR)

Since no other adjustments have been claimed or substantiated by the exporter ex-works Normal Value so determined provisionally with reference to the third country export price, has been compared with the ex-works export price to India at the same level of trade and the dumping margin works out to US\$****per Kg i.e. 26.3% of the export price.

G.2.2 All other exporters from EU

Normal value for all other exporters from the EU has been determined provisionally based on constructed normal value on facts available basis (taking into account the transaction values of the subject goods by the cooperating exporter) and for the purpose of this provisional determination the normal value for all other exporters from the EU has been estimated as US\$ **** per Kg.

Ex-works Export Price has been determined provisionally on the basis of average export price from the European Union after allowing for adjustments towards commissions, inland freight, ocean freight and insurance. Average CIF price of the subject goods from the EU has been determined as US\$****per Kg. After allowing adjustments towards ocean freight, inland freight, insurance commission etc. the net ex-work export price works out to US\$****per Kg

Accordingly, dumping margin for all non-cooperative exporters from the EU works out to US\$ ****per Kg

G.2.3. All exporters from the USA

The Authority notes that none of the exporters/producers from the USA has provided any response or information on the normal value as per the prescribed questionnaire. The Authority therefore, holds that none of the exporters from USA has cooperated with the Authority as envisaged under the Rules. Article 6.8 of the Agreement read with the Annex II to the same provides that in the case of complete non-cooperation by the exporters the Authority shall be free to make determinations based on facts available, including those available in the application filed by the domestic industry for the initiation of the investigation. Under the circumstances, for the purpose of the preliminary determination the Authority has constructed the normal value based on estimated cost of production with reasonable profit of the subject good in the USA as per the best available information in terms of the Rules 6(8) supra. Accordingly, the Normal Value of MOR for all exporters from the USA has been determined as US\$ ****per Kg.

The Authority has worked out the weighted average export price of all comparable transaction in respect of imports from the USA to arrive at the CIF export price to India which works out to US\$****per Kg. The export price so assessed, being the CIF export price, adjustments towards inland transportation, ocean freight, insurance and commission totaling to US\$ ****/Kg have been applied based on the facts available, in view of complete non cooperation from that country. Accordingly, net-export price at the ex-factory level has been provisionally determined as US\$**** Per Kg.

1175 GI/05-20

The ex-works normal value has been compared with the ex-works export price so determined at the same level of trade and the dumping margin is provisionally determined as US\$****Per Kg for all exporters from the USA.

G.2.4 All exporters from China

The Authority notes that none of the exporters/producers from China PR has provided any response or information on the normal value as per the prescribed questionnaire or rebutted the non-market economy presumption against Chinese exporters. The Authority therefore, holds that none of the exporters from China PR has cooperated with the Authority as envisaged under the Rules. Para 8 of Annex II of the Rules provides that for the exporters from the non-market economy countries the normal value can be determined on the basis of cost of production and a reasonable profit for the product under consideration in an appropriate third country including India. Under the circumstances, for the purpose of the preliminary determination the Authority has constructed the normal value based on estimated cost of production with reasonable profit of the subject good in the China PR as per the best available information available under the Rules above. Accordingly, the Constructed Normal Value of MOR for all exporters from China has been provisionally determined as US\$ ****per Kg.

The Authority has worked out the weighted average export price of all comparable transactions in respect of imports from the China PR to arrive at the CIF export price to India which works out to US\$****/Kg. The export price so assessed, being the CIF export price, adjustments towards inland transportation, ocean freight, insurance and commission totaling to US\$ ****per Kg has been applied on the facts available basis in view of complete non cooperation from that country. Accordingly, net-export price at the ex-factory level has been provisionally determined as US\$****Per Kg.

The ex-works normal value has been compared with the ex-works export price so determined at the same level of trade and provisional dumping margin works out to US\$ ****Per Kg for all exporters from China PR.

G.3 Product TDQ

The Authority notes that TDQ is allegedly dumped from the European Union and Chinese Taipei. However, only one exporter from the European Union i.e. M/s General Quimica SA, has filed its questionnaire response in respect of this product. M/s Lanxess GmbH, Germany has provided only data regarding their domestic selling price of the product in the EU market and has submitted this product is not exported by them to India but their domestic sales prices have been provided to help the Authority for an objective determination in respect of this product. No other exporter from Chinese Taipei has filed any response to the initiation in respect of this product. For the purpose of the preliminary

determination the Authority has examined the data submitted by the responding exporters as follows:

G.3.1 M/s General Quimica SA

M/s General Quimica SA, Spain has filed a questionnaire response in respect of its product Rubatan 184 which is equivalent to the product TDQ and has argued that based on their domestic sales and export price to India there is no question of any dumping from that country. The responding exporter was asked to supplement its response with adequate data on home market sales and exports to India. Based on the revised response filed by the exporter provisional assessments have been done by the Authority as follows:

Normal Value

This exporter has **** MT of domestic sale of the subject good in the domestic market with average selling price of Euro **** per MT. After applying level of trade adjustments as per the response the ex-works selling price works out to Euro**** per MT (Equivalent to US\$****Per MT. Therefore, the normal value of the product for this exporter has been provisionally determined as US\$****per MT (US\$****per Kg subject verification of its cost data and other adjustments claimed.

Export Price

The exporter has reported **** MT of export of the subject goods to India during the POI at a total CIF value of US\$****. After allowing the adjustments towards ocean freight, inland freight, insurance and handling expenses the ex-works export price has been provisionally determined as US\$**** Per MT (US\$****per Kg)

Dumping margin

Since no other adjustments have been claimed or substantiated by the exporter ex-works Normal Value so determined provisionally with reference to their domestic sales has been compared with the ex-works export price to India at the same level of trade and the dumping margin works out to US\$****Per MT (US\$****per Kg) i.e. 31% of the export price.

G.3.2 All other exporters from EU

The Authority notes that M/s Ixness GmbH, has provided certain information about its sale of TDQ in its home market as a proof of normal value in the European Union. However, this information has not been substantiated and the levels of trade for these transactions are not known. The domestic sales price of the cooperating exporter has also been considered for the purpose of

provisional estimation of the normal value for non-cooperating exporters from the EU. Based on the best information available the ex-works Normal value for the no-cooperating exporters from the EU has been provisionally determined as US\$**** Per MT (US\$****per Kg).

For the purpose of the provisional determination the ex-works export price of the subject goods for the non-cooperating exporters have been estimated based on the cooperating exporter's transaction data after adjusting for ocean freight, inland freight, insurance, handling charges and commission at the rate of **% . Accordingly, the net export price for the non-cooperating exporters has been provisionally assessed as US\$****Per MT (US\$****per Kg). On the basis of the above provisional estimation the dumping margin for all non-cooperating exporters from the European Union works out to US\$**** Per MT (US\$****Per KG) i.e. 34.8% of the export price.

G.3.3 All exporters from Chinese Taipei

The Authority notes that none of the exporters/producers from Chinese Taipei has provided any response or information on the normal value as per the prescribed questionnaire. Therefore, for the purpose of the preliminary determination the Authority has constructed the normal value based on estimated cost of production with reasonable profit of the subject good in the Chinese Taipei as per the best information available as per the Rules above. Accordingly, the Normal Value of TDQ for all exporters from the Chinese Taipei has been determined as US\$ ****Per Kg.

The Authority has worked out the weighted average export price of all comparable transaction in respect of imports from the Chinese Taipei to arrive at the CIF export price to India which works out to US\$****Per Kg. The export price so assessed, being the CIF export price, adjustments towards inland transportation, ocean freight, insurance and commission based on the facts available, have been considered in view of complete non cooperation by the concerned exporters. Accordingly, net-export price at the ex-factory level has been provisionally determined as US\$ ****Per Kg.

The ex-works normal value has been compared with the ex-works export price so determined at the same level of trade and the dumping margin has been provisionally assessed as US\$****Per Kg (****%) for all exporters from Chinese Taipei.

G.4 Dumping Margins: Summary

Product	Country/ Territory	Exporter	Normal Value	Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin
			US\$/KG	US\$/KG	US\$/KG	%
PX-13	EU	Flexsys NV	****	****	****	23.18%
	EU	Lanxess GmbH	**** ****	**** ****	**** ****	32%
	EU	All Others	****	****	****	36.02%

	Taiwan	All Exporters	****	****	****	35.38%
MOR	EU	Lanxess	****	****	****	32.48%
		NV	****	****	****	
	EU	All others	****	****	****	41.12%
	USA	All Exporters	****	****	****	34.20%
	China	All Exporters	****	****	****	43.72%
TDQ	EU	General Quimica SA	****	****	****	30.51%
	EU	All other Exporters	****	****	****	34.86%
	Chinese Taipei	All Exporters	****	****	****	32.48%

H. INJURY DETERMINATION

H.1 Views of the Exporters and other interested parties

H.1.1 M/s Lanxess NV and M/s Lanxess GmbH

M/s Lanxess NV and M/s Lanxess GmbH in their respective submissions have argued that the parameters of injury require an examination of actual *decline* in (i) sales (ii) output (iii) profits (iv) price (v) market share (vi) productivity (vii) capacity utilization (viii) return on investment (ix) employment (x) ability to raise capital or investment (xi) an adverse effect on inventories /stock, etc. Quoting the injury data submitted by the petitioner they have further argued that

- (i) The Petitioner's capacity, productions, domestic sales volumes, exports sales volumes have increased substantially from the base year to the POI;
- (ii) Demand for the subject goods in the Indian market has also increased;
- (iii) The petitioner's market share in the demand has declined slightly;
- (iv) Regarding PX13, it is significant that the utilization of the installed capacity of the petitioner has declined only marginally despite a huge increase in capacity;
- (v) It is admitted in the petition itself that the petitioners have made an actual profit in the proposed investigation period though the same was lower than what it would have been;
- (vi) The petitioner has comprehensively failed to meet almost all the parameters for evaluating injury.

Causal Link

M/S Lanxess has further argued that the petitioners have failed to establish any link between injury faced by the petitioner and their exports of the product to India. They have further argued that

- The export performance of the petitioners have deteriorated for reasons unconnected with alleged dumping;
- That the Authority should examine the injury caused due to adverse export performance of the petitioner and the injury claims due to alleged dumped imports.
- Quoting the Annual reports of the petitioner company the exporter has argued that the cause of alleged injury to the petitioner is due to the problem in its Petrochemical Division, which in their own admission has severely affected the liquidity of the Company. Further as per the Annual Reports of the petitioner the assets of the Petrochemicals Division were to be separated and disposed of. The remaining liabilities were to be taken over by the Rubber Chemical Division and cleared from its profits over a period of time. However, the petitioner chose to enhance its Rubber Chemical Division capacity at a time when all business logic suggested otherwise.
- That in view of the above, if the petitioners have suffered any injury, the same is not the result of any alleged dumping of the article by them, or by any other party.
- That the petitioners are the acknowledged market leaders in the MOR market in India, and are therefore in the best position to drive price patterns upward or downward.
- With respect to the price effect of imports, the exporters have denied that the petitioners had to respond to reductions in price of import. The prices of the said article in the ordinary course of trade in the global market have from time to time fallen and it is abundantly clear that the petitioners have found the normal market prices uneconomical to sell their products.

H.1.2 Views of M/s Flexsys NV

M/s Flexsys NV in its preliminary submissions have argued that in terms of Article 3.1 of the Agreement a determination of injury for purposes of Article VI of GATT 1994 shall be based on positive evidence and involve an objective examination of both (a) the volume of the dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for like products, and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. They have argued that even from the analysis of injury assessment on account of certain parameters, the Petitioner has not suffered any "material injury" as a result of the alleged dumped imports from EU.

They have further argued that the Petitioner has not suffered "material injury" from the alleged dumped exports from EU. Article 3.4 provides that *The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and*

indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilisation of capacity; factors affecting domestic prices; the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. They have argued that the petitioner has failed to assess and examine all the listed factors of injury as mandated under Article 3.4 of the WTO Anti-Dumping Agreement.

The exporter has also submitted that the petitioner has given confusing and misleading information on the state of the company in its Annual Reports and the petition. Therefore, the Authority should verify in detail whether the Petitioning Industry is suffering injury. If the finding is positive, then the Designated Authority should further analyse whether this injury is in any way linked to the alleged dumped imports or is it self inflicted due to the status of the Petitioner Company being declared "sick".

Causal Links

Further the exporter argues that there is no causal link between the alleged dumped imports and injury suffered by the domestic industry, as there are other producers of the subject goods in the country, which compete with the petitioner. They have also argued that Petitioners claim of its inability to raise fresh capital investment has nothing to do with exports of the subject goods from the EU, but is directly related to the status of the company being declared as a "sick industrial company" by BFIR.

As far as TDQ is concerned the exporter has argued that acetone and aniline, which are important raw materials for the manufacture of TDQ, have been subject to anti-dumping and safeguard duties for the period 2002-2003. It is likely that by virtue of these duties, the impact on the production of TDQ by the Petitioner would have impacted the cost of manufacturing and thus would have rendered them unviable.

H.2 Examination by the Authority:

The Authority has noted the views expressed by the interested parties in respect of the injury claims of the domestic industry and examined the mandatory factors for the purpose of provisional injury determination and causal link analysis in these findings.

H.2.1 Cumulative assessment of injury

The Annexure II (iii) of the Anti Dumping Rules requires that where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that

- I) the imports from individual countries are above de minimis or cumulatively account for more than 7% of imports:

- II) the dumping margin against individual countries are above 2%; and
- III) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles

The Authority notes that the dumped imports in respect of the individual products covered in this investigation are entering the Indian market simultaneously from several countries/territories. Therefore, the issue of cumulative assessment of the injury caused to the domestic industry due to dumped imports from these sources has been examined with respect to the above parameters and it was observed that:

- i) The margins of dumping of individual products from each of the subject countries/territories are more than the de minimis limit;
- ii) The volume of imports of individual products from each of the subject countries/territories is more than the limits prescribed;
- iii) The domestic products and products supplied by producers in various countries are like articles;
- iv) Imported products and domestically produced subject goods are interchangeable and are being interchangeably used. Transaction wise information on imports from various countries shows that the imports are being made by actual users in the Rubber industry as well as traders who have purchased the material for reselling. Goods supplied by the countries involved are entering the Indian markets through the same channels of distributions and directly competing in the same market;
- v) Products supplied from the subject countries are being marketed in India during the same period through comparable sales channels and under similar commercial conditions;
- vi) Imports of individual products from each of the subject countries have increased;
- vii) The domestic producer and exporters in the subject countries are selling the product to the same category of consumers;
- viii) Imports from the subject countries are significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market;

Therefore, the Authority holds that cumulative assessment of injury is appropriate in this case since the exports of individual products from the subject countries are directly competing amongst themselves as well as with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market. However, the Authority notes that injury analysis has been done on individual product basis.

H.3 Examination of Injury Parameters:

Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure –II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, ".... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

The Authority notes that the investigation covers three distinct rubber chemicals used in the rubber industry. Therefore, for the purpose of injury determination also these products have been treated as three different and distinct products and injury caused to the domestic industry on account of individual products have been examined separately. However, overall condition of the industry and effects of the imports on the rubber chemical business of domestic industry has also been examined to the extent relevant.

For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.

All economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above such as production, capacity utilization, sales volume etc. have been examined as under:-

H.3.1 Comparison methodology adopted

The products under consideration i.e. MOR, PX-13 and TDQ are three distinct products and are not inter se like products within the meaning of Rule 2(d). Therefore, Authority has assessed injury to the domestic industry individually for each of the subject rubber chemicals. The injury examination has been carried out considering data for the years 2000-2001, 2001-2002, 2002-2003 and Jan.-Dec., 2003 (POI). The Authority notes that the domestic industry is found to be having significant export activities. However, for the purpose of the injury analysis the performance of the domestic industry has been assessed only in respect of domestic market.

H.4 Injury and Causal Links

H.4.1 Volume Effects of Dumped Imports: Import volumes and market shares

1175 6405-22

a) Import Volumes

With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

Volume of imports for each of the subject rubber chemicals from each of the subject countries have been analysed based on the data reported in the DGCIS data. The transaction-wise data reported in DGCIS for all Rubber Chemicals have been compared with IBIS data for identifying individual products and compilation of data for the individual products. Though certain anomalies in respect of volume of imports have been noticed while the data is compared to IBIS data for the purpose of the preliminary determination the data reported in DGCIS has been relied upon and has been used after pruning the same for unrelated products to the extent possible. On the basis of this examination the import figures are as under:-

Qty in MT				
	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Import volumes				
MOR				
Dumped Imports (EU+ USA+ China)	996	943	1284	2017
Trend	100	95	129	203
Total Imports MOR	1106	1001	1354	2057
Trend	100	91	122	186
PX-13				
Dumped Imports (EU + Taiwan)	1070	962	3050	3152
Trend	100	90	285	295
Total Import PX-13	1418	1106	3456	3396
Trend	100	78	244	239
TDQ				
Dumped Imports (EU + Taiwan)	246	75	285	655
Trend	100	30	116	266
Total Imports TDQ	281	274	450	702
Trend	100	98	160	250

Data Source: DGCIS

The above data indicates that total imports and dumped imports of the subject goods from the subject countries have increased substantially during the injury examination period. The growth in import volume from the subject countries is significantly higher than the growth in total imports. It also shows that there is a quantum jump in dumped imports compared to the previous year.

b) Actual and potential effect on sales:

The volume of domestic sales and effects of dumped imports on the domestic sales have been examined in terms of absolute sales of the domestic industry, demands and market shares

MOR	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Domestic sales	*****	*****	*****	*****
Trend	100	116	139	134
Sales others	*****	*****	*****	*****
Trend	100	100	131	112
Total Domestic sales	1925	2144	2626	2457
Trend	100	111	136	128
Imports	1106	1001	1354	2057
Trend	100	91	122	186
Demand	*****	*****	*****	*****
Trend	100	104	131	149
Dumped Imports	996	943	1284	2017
Trend	100	95	129	203
Share of dumped imports in total imports	90.04	94.21	94.83	98.09
Market shares in Demand				Indexed
Domestic Industry	100	111.11	104.44	88.89
Dumped Imports	100	90.91	96.97	136.36
Others	100	90.91	95.45	68.18

As far as MOR is concerned there is a substantial increase in the demand in the domestic market and the sales of the domestic industry shows substantial increase in absolute volume terms. But the domestic industry has lost substantial market share to the dumped imports which has more than doubled compared to the base year while the demand has gone up by only 50%.

PX-13	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Domestic sales	****	****	****	****
Trend	100	103	110	122
Sales others	****	****	****	****
Trend	100	87	83	66
Total Domestic sales	3550	3393	3467	3437
Trend	100	96	98	97
Imports	1418	1106	3456	3396
Trend	100	78	244	239
Demand	****	****	****	****
Trend	100	91	139	138
Dumped Imports	1070	962	3050	3152

Trend	100	90	285	295
Market shares in Demand				Indexed
Domestic Industry	100	113.21	78.97	88.95
Dumped Imports	100	99.28	204.55	214.18
Others	100	87.28	63.69	48.51

The above data in respect of PX-13 shows that while the demand for the product has increased by only 38% the dumped imports has increased by almost 200% and the sales of domestic industry has increased by only 22%. The market share of the domestic industry has declined significantly compared to the previous years, while the market share of dumped imports has doubled in the injury period.

TDQ	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Domestic sales	*****	*****	*****	*****
Trend	100	117	139	146
Sales others	*****	*****	*****	*****
Trend	100	108	132	138
Total Domestic sales	3141	3528	4256	4447
Trend	100	112	135	142
Imports	281	274	450	702
Trend	100	98	160	250
Demand	*****	*****	*****	*****
Trend	100	111	138	150
Dumped Imports	246	75	285	655
Trend	100	30	116	266
Market shares in Demand				Indexed
Domestic Industry	100	104.55	100.00	95.45
Dumped Imports	100	28.57	85.71	185.71
Others	100	106.12	102.04	91.84

As far as TDQ is concerned, it is seen that the imports increased over the period in absolute terms by 150% whereas the dumped imports increased by 166% but the sales of the domestic industry increased only by 46%. The market share of the domestic industry has dropped marginally, whereas the share of dumped imports increased significantly.

The dumped imports in respect of all three products have increased in absolute term as also in relation to imports into India, production in India and consumption in India. It is also seen that the volume of imports have increased more than the increase in demand. In other words, rate of increase of imports was more than rate of increase of demand.

H.4.2 Price effect of dumped imports

With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. The Authority finds that the CIF import prices from the subject countries have been as under:-

Landed Price Rs Per KG				
MOR	2000-01	2001-02	2002-03	POI
EU	215.5	193.82	160.89	152.61
US	198.7	193.33	153.19	143.89
China	231.8	172.82	163.47	146.77
Subject Countries	214.25	193.72	160.41	151.18
CIF Price subject countries	157.14	142.07	122.17	119.74
% decline (with reference to base year) Landed Price				
EU	-	10	25	29
US	-	3	23	28
China	-	25	29	37
Subject Countries	-	10	25	29
PX-13				
EU	204.8	199.51	152.86	134.72
Taiwan	213.3	190.2	155.5	135.09
Subject Countries	205.84	196.78	153.29	134.79
CIF Price subject Countries	150.96	144.32	116.75	106.76
% decline (with reference to base year) Landed Price				
EU	-	3	25	34
Taiwan	-	11	27	37
Subject Countries	-	4	26	35
TDQ Landed value				
EU	88.38	83.75	85.79	80
Taiwan	-	-	-	75.52
Subject Countries	88.38	83.75	85.79	79.2
CIF Price Subject Countries	64.82	61.42	65.34	62.73
% decline (with reference to base year) Landed Price				
EU	-	5	3	9
Taiwan	-	-	-	-
Subject Countries	-	5	3	10

The Authority notes that the CIF price and Landed price of each of the subject rubber chemical substantially declined over the injury period.

H.4.3 Price undercutting, suppression and depression

The Authority determined net sales realization of the domestic industry considering selling price, excluding taxes & duties, rebates, discounts & commissions and freight & transportation. Landed price of imports has been determined considering weighted average CIF import price, with 1% landing charges and applicable basic customs duty.

Net sales realization of the domestic industry declined over the period as shown in the table below. It is observed that the net sales realization has declined significantly over the injury period.

(Figures are in Rs./ KG)

	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Net sales realization (Rs./kg.)				
MOR	*****	*****	*****	*****
Decline over base year (%)		11.35	32.14	28.28
PX-13	*****	*****	*****	*****
Decline over base year (%)		17.72	40.43	56.64
TDQ	*****	*****	*****	*****
Decline over base year (%)		3.64	8.7	7.94

The net sales realization of the domestic industry was compared with the landed value of the dumped imports to examine whether the dumped imports have significant price undercutting effect on the domestic industry. The landed value of dumped imports was also compared with the non-injurious prices of the subject goods to determine the price underselling effect of the dumped imports as follows:

Rs Per KG

MOR	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Net Sales Realisation of DI	*****	*****	*****	*****
NIP	*****	*****	*****	*****
Landed Price EU	215.5	193.82	160.89	152.61
Undercutting EU	(*****)	(*****)	*****	5-15%
Underselling EU				5-15%
Landed Price- US	198.7	193.33	153.19	143.89

Undercutting- US	(*****)	(*****)	(*****)	10-20%
Underselling - US				15-25%
Landed Price- China	231.8	172.82	163.47	146.77
Undercutting-China	(*****)	*****	(*****)	10-20%
Underselling-China				15-25%
MOR-Subject Countries				
Landed Price	214.25	193.72	160.41	151.18
Undercutting	(*****)	(*****)	*****	5-15%
Underselling				10-20%

The above data indicates that the landed value of the dumped imports of MOR individually from the subject countries and also cumulatively undercut the domestic prices significantly. The landed value from the subject countries are also significantly below the non-injurious price of the domestic industry affecting the prices. It is also noticed that due to decline in the landed values the price undercutting, which was negative in the previous years has become positive in respect of most of the countries.

The data in respect of PX-13 also shows a similar trend as can be seen from the table below. The price undercutting of the landed prices have become positive only during the POI or in the previous year due to significant decline in the CIF prices and landed value of dumped imports.

Rs Per KG

PX-13	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Net Sales Realisation of DI	*****	*****	*****	*****
NIP				*****
Landed Price-EU	204.8	199.51	152.86	134.72
Undercutting-EU	(*****)	(*****)	*****	0-10%
Underselling--EU				15-25%
Landed Price-Taiwan	213.3	190.2	155.5	135.09
Undercutting-Taiwan	(*****)	(*****)	(*****)	0-10%
Underselling-Taiwan				15-25%

Landed Price- Subject Countries	205.84	196.78	153.29	134.79
Undercutting- Subject Countries	(*****)	(*****)	(*****)	0-10%
Underselling				15-25%

The data in respect of TDQ also shows a similar trend. The decline in the landed price and price undercutting has been significant.

Rs Per KG				
TDQ	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Net Sales Realisation	*****	*****	*****	*****
NIP				*****
Landed Price-EU	88.38	83.75	85.79	80
Undercutting-EU	*****	*****	(*****)	0-10%
Underselling-EU				5-15%
Landed Price-Taiwan	-	-	-	75.52
Undercutting-Taiwan	-	-	-	5-15%
Underselling- Taiwan				10-20%
Landed Price- Subject Countries	88.38	83.75	85.79	79.2
Undercutting-Subject Countries	*****	*****	(*****)	0-10%
Underselling Subject Countries				5-15%

The above data indicates that landed price of imports from the subject countries have been significantly below the net sales realization of the domestic industry, thus resulting in significant price undercutting.

Price suppression and depression

To examine the price suppression effect of the dumped imports on the domestic prices the trend of net sale realization of the domestic industry has been compared with the cost of production. The data indicates that though there is a marginal decline in the cost of production of the subject goods during the injury investigation period the fall in sales realization has been significantly higher than the decline in cost of production. It therefore, appears that the price effect of the dumped imports have forced the domestic industry to keep its prices lower in order to retain its market share.

	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Decline in net sales realization (%)				
Decline over base year				
MOR		5.88	16.64	14.64
PX-13		9.12	20.80	29.14
TDQ		4.04	9.66	8.81
Decline in Cost of production (%)				
Decline over base year				
MOR		3.43	6.55	5.46
PX-13		9.40	4.24	8.21
TDQ		11.09	5.28	2.98

The above analysis shows that the dumped imports have adverse volume and price effect on the domestic industry in terms of increase in volume of dumped imports both in absolute terms and market shares and by depressing the prices of the domestic market and eroding its market share.

H.4.4 Examination of other injury factors

After examining some of the injury factors i.e. actual and potential decline in sales and market share; actual and potential increase in volume of imports etc. in the previous section, the Authority has examined the other mandatory injury parameters as follows:

a) Capacity, Production, Capacity Utilization and Sales

Performance of the domestic industry in terms of capacity, production, capacity utilization and sales has been as under:-

	2000-01	2001-02	2002-03	POI
MOR				
Capacity(MT)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	100	119	124
Production(MT)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	119	140	137
Capacity utilization (%)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	118.75	117.50	110.00
Domestic Sales(MT)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	116	139	134
Export Sales(MT)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	105.67	120.57	139.01
Demand(MT) Indexed	100	103.76	131.31	148.93
Market share in Demand (%)	100	111.97	105.57	90.07

1175 GS/05-24

Indexed				
Inventory(MT) Indexed	100	166.10	206.78	194.92
PX-13				
Capacity(MT)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	108	177	177
Production(MT)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	112	125	155
Capacity utilization(%)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	103.49	69.77	87.21
Domestic Sales(MT)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	103	110	122
Export Sales(MT)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	123.35	131.89	198.06
Demand(MT)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	90.56	139.35	137.54
Market share in Demand (%)	100			
Indexed		113.23	78.97	88.95
Inventory(MT) Indexed	100	42.25	59.15	84.51
TDQ				
Capacity(MT)	****	****	****	****
Indexed	100	100	148	167
Production(MT)	****	****	****	****
Indexed	100	139	172	201
Capacity utilization(%)	****	****	****	****
Indexed	100	137.88	115.15	119.70
Domestic Sales(MT)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	117	139	146
Export Sales(MT)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	139.59	195.27	250.52
Demand(MT)	*****	*****	*****	*****
Indexed	100	111.10	137.52	150.47
Market share in Demand(%)	100			
Indexed		105.53	101.26	96.76
Inventory (MT) Indexed	100	321.35	340.45	279.78

The Authority notes that the domestic industry has increased its capacity in respect of the individual products through de-bottlenecking of the existing capacities and by addition of additional equipments. The increase in capacity is line with the increase in demand. The capacity and capacity utilization has in fact helped the company to improve its production efficiency and cost of production. The Authority also notes that

- a) Production of the domestic industry has increased over the injury period. However, even though the production has increased, it is seen that the increase in production is less than increase in

demand and a significant part of the capacity remained unutilized. In other words, the domestic industry has been prevented from increasing the production to the extent it could in spite of good demand in the domestic market.

- b) While addition of capacity is proportionate to increase in demand, the capacity utilization after improving has fallen. In other words, the domestic industry has not been able to utilize adequately the enhanced capacities.
- c) Sales of the domestic industry increased. However, the market share of the domestic industry declined. Thus, it is seen that while the domestic industry was able to increase its sales in response to increase in demand, such increase in sales was not proportionate to the increase in demand. In spite of increase in demand and sales of the domestic industry its inventories has increased and capacity utilization has fallen.

b) Profits

Profits earned by the domestic industry from the sales of the subject goods in the domestic market were as follows:-

	2000-01	2001-02	2002-03	Indexed POI
MOR				
Rs. Lacs	100	84.72	-5.62	7.78
Rs/kg	100	72.92	-4.05	5.81
% of selling price	100	80.00	-5.00	7.00
PX-13				
Rs. Lacs	100	96.78	-76.78	-143.65
Rs/kg	100	94.44	-69.80	-117.44
% of selling price	100	100.00	-90.00	-170.00
TDQ				
Rs. Lacs	100	24780.00	-18040.00	-25213.33
Rs/kg	100	21266.67	-13033.33	-17433.33
% of selling price	100	23333.33	-16666.67	-20000.00

It is seen that the profits of the domestic industry have declined and the domestic industry has moved to a situation of financial losses from a situation of profits in spite of higher production and sales volumes achieved by the domestic industry over this period.

c) Employment

Number of employees in each subject rubber chemical has been as examined to analyse the productivity of the domestic industry during the investigation period.

	2000-01	2001-02	2002-03	Indexed POI
No. of employee				
MOR	100	100	92.86	85.71
PX-13	100	93.33	80.00	73.33
TDQ	100	100.00	154.55	163.64
Productivity Per Employee				
MOR	100	118.67	150.36	159.75
PX-13	100	120.42	155.79	211.08
TDQ	100	139.31	111.36	122.54
No. of employee per KT production				
MOR	100	88.89	66.67	66.67
PX-13	100	83.33	66.67	50.00
TDQ	100	75	100.00	75.00

The above data shows that the productivity of the domestic industry has increased in terms of its labour productivity.

d) Wages

Wages paid by the company and incidence of wage per unit of production has been as under:-

	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Wages Per KG				
MOR	100	99.43	80.74	88.10
PX-13	100	95.90	86.15	71.79
TDQ	100	91.61	111.19	112.59

It is seen that overall wages per kg have reduced due to higher labour productivity and higher production.

e) Return on Investment

ROI has been calculated by considering capital employed in each rubber chemical and profit before interest, which shows as under:-

	2000-01	2001-02	2002-03	Indexed POI
Capital employed (Rs. Lacs)				
MOR	100	106.61	106.42	101.51
PX-13	100	92.78	103.68	92.76
TDQ	100	94.30	110.36	103.83
Return On Investment (%)				
MOR	100	83.33	25.00	37.50
PX-13	100	100.00	-27.78	-83.33
TDQ	100	300.00	-16.67	-66.67
Profit on investment (%)				
MOR	100	82.35	-5.88	5.88
PX-13	100	108.33	-75.00	-158.33
TDQ	100	30000.00	-17500.00	-27500.00

It is seen that capital employed for each of the subject goods has declined, and return on investment has declined to become negative for PX-13 and TDQ.

f) Inventories

	2000-01	2001-02	2002-03	Indexed POI
Inventory(MT)				
MOR	100	166.10	206.78	194.92
PX-13	100	42.25	59.15	84.51
TDQ	100	321.35	340.45	279.78

Authority finds that the inventory of the domestic industry has increased substantially for MOR and PX-13 whereas there is a drop in inventory in case of TDQ. However, the Authority notes that domestic industry has significant exports of the products under consideration. Inventory levels of the product under consideration are therefore not reflective of any consistent pattern and have been influenced by the pattern of export shipments and volumes.

g) Cash Flow

Cash profits of the domestic industry over the injury period have been as under:-

	2000-01	2001-02	2002-03	Indexed POI
Cash profits Rs. Lacs				
MOR	100	88.68	12.09	24.77
PX-13	100	97.26	-34.33	-86.77
TDQ	100	381.62	-102.41	-182.33

1175 GS/05-25

It is seen that the cash profits of the domestic industry has deteriorated over the period. This deterioration in cash profits was directly attributable to decline in the selling prices in response to landed price of imports.

h) Productivity

As noted earlier the productivity of each of the subject rubber chemicals has increased, as may be seen from the table below.

	2000-01	2001-02	2002-03	Indexed POI
Production per employee(MT)				
MOR	100	118.67	150.36	159.75
PX-13	100	120.42	155.79	211.08
TDQ	100	139.31	111.36	122.54

However, the improvement in productivity has not translated into profitability for the domestic industry. It is found that even when productivity of the domestic industry significantly improved, which helped in reduction in unit cost of production, profits of the domestic industry significantly declined from a situation of profits to losses due to decline in selling prices.

i) Growth

Even though growth of the domestic industry in terms of parameters, such as capacity, production, sales, and productivity was positive, the same was negative in terms of market share, profits, cash flow, and return on investments.

j) Ability to raise fresh Investment

The Authority notes that the domestic industry has made fresh investments in each of the subject goods, in the injury period more as an indicator of past profitability and future expectations of demand and market share. However, it is found that the financial performance of the domestic industry is significantly eroding, which may have adverse impact on its future ability to raise fresh investments.

Overall assessment

The above analysis of the factors shows that in spite of the improvement in capacity, production, and sales in absolute terms and reduction in its cost of production, improvement in productivity, the industry suffers injury on account high unutilized capacity while there is a healthy demand for the products in the domestic markets, low net sales realization, higher

inventory built up, negative or low return on investments and profits. The injury suffered is material and significant. Therefore, the arguments of the interested parties that the petitioner domestic industry does not suffer any material injury does not appear to be valid.

H.5 Causal link

The Authority notes that other interested parties have argued that the injury caused to the domestic industry is on account of its petrochemical unit and has nothing to do with the dumped imports. In this connection they have argued that petrochemical division being a sick unit the overall financial situation of the company has been affected. However, the Authority notes that the petrochemical unit is already in the process of de-merger and the injury analysis as above has been carried out only for the rubber chemical division and in respect of the specific rubber chemicals named in this investigation. Therefore, the arguments of the interested parties that the injury cause to the petitioner is on account of its petrochemical unit do not appear to be valid.

The interested parties have also argued that since some of the major raw materials like Aniline required for production of the subject goods are attracting antidumping duty in India it might have affected the cost structure of the domestic industry and therefore, caused injury to the domestic industry. However, the Authority notes that the purpose of the antidumping duty on the raw materials is to remove the distortion of price caused by dumping of that product. The antidumping duty on those products also indicates that those products are being sold in the home markets or international markets at a higher price than in India. Therefore, the antidumping duty on raw materials cannot be treated as a cause of injury to the domestic industry.

Having examined the existence of material injury and volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic in terms of its price undercutting, price underselling and price suppression, and depression effects the Authority has also examined whether other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti Dumping could have contributed to injury to the domestic industry. Therefore, the following parameters have been examined:

- a) **Imports from Third Countries:** - Imports from countries not under investigation are either insignificant or at prices higher than the import prices from the subject countries and therefore, do not affect the prices in the domestic industry;
- b) **Contraction in Demand:** - Demand for the subject goods have increased substantially during the injury examination period.

Therefore, possible contraction in demand cannot be attributed to the injury to the domestic industry.

- c) **Pattern of consumption:** - No significant change in the pattern of consumption has been alleged by any interested party.
- d) **Conditions of competition:** - The goods are freely importable. The petitioner is the major producer of the subject goods as the other viable producers have either stopped significant production or turned traders of the subject goods. Therefore, domestic competition could not be attributed to the injury to the domestic industry. No other evidence of conditions of competition or trade restrictive practices has been brought to the knowledge of the Authority.
- e) **Developments in technology:** - There is no allegation of significant changes in technology which could have caused injury to the domestic industry. The exporter have claimed substantial cost advantage due to in situ availability of certain raw materials or different production process which could have a bearing on their own cost of production and Normal Values. However, no cost disadvantage to the domestic industry due to technological difference has been claimed.
- f) **Export performance of the domestic industry:-**

Indexed					
Exports					
MOR	MT	100	105.67	120.57	139.01
PX-13	MT	100	123.35	131.89	198.06
TDQ	MT	100	139.59	195.27	250.52

The export sale of the domestic industry is substantial and shows significant growth. But the profitability from the export has been negative. However, for the injury analysis the price and profitability in the domestic and export markets have been segregated. And injury if any caused due to the company's export performance has not been attributed to the dumped imports.

- g) **Productivity:** - Productivity of the domestic industry has improved in terms of total output and productivity per employee. Therefore, this cannot be attributed to the injury of the domestic industry.

The non-attribution analysis as above shows that no other factor other than the dumped imports has affected the domestic industry.

H.5.1 Factors establishing causal link

Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated due to dumped imports from subject countries. Therefore, the causal links between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

1. The dumped import prices and consequently the landed price of imports from the subject countries steeply declined, resulting in significant price undercutting. As a direct consequence, the domestic industry was forced to reduce the prices.
2. Reduction in the selling prices by the domestic industry adversely affected the profits, cash flow and return on investments of the company.
3. Even though the domestic industry responded to decline in import prices, significant positive price undercutting resulted in increase in market share of imports from the subject countries. As a direct consequence, market share of the domestic industry declined.
4. Existence of significant price undercutting and consequent decline in market share of the domestic industry resulted in capacity utilization not reaching the earlier levels. Domestic industry could not increase sales and consequently production and capacity utilization in spite of increase in demand.
5. In spite of increase in demand and reduction in selling prices by the domestic industry, market share of the domestic industry declined due to significant reduction in landed price of imports. This retarded the growth of the domestic industry.

Therefore, the Authority provisionally concludes that the domestic industry suffers material injury and the injury has been caused by the dumped imports from the subject countries/territories.

I. Magnitude of Injury and injury margin

The non-injurious price determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports for determination of injury margin. The weighted average landed price of the exports from the subject countries and the injury margins have been worked out as follows:

1175 GJ/05-26

Product	Country/ Territory	Exporter	Injury Margin %
PX-13	EU	Flexsys NV	19%
	EU	Lanxess, GmbH	30%
	EU	All Others	30%
PX-13	Taiwan	All Exporters	26%
MOR	EU	Lanxess, NV	11%
	EU	All others	16%
	USA	All Exporters	17%
	China	All Exporters	14%
TDQ	EU	General Quimica SA	24%
	EU	All other Exporters	10%
	Chinese Taipei	All Exporters	17%

J. Conclusions

After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority as recorded in this finding the authority provisionally concludes that:

- i) The subject goods have entered the Indian market from the subject countries/territories at prices less than their normal values in the domestic markets of the exporting countries;
- ii) The dumping margins of the subject goods imported from the subject countries/territories are substantial and above de minimis;
- iii) The domestic industry suffers material injury in terms of loss of market share, low capacity utilization and profitability;
- iv) And the injury has been caused to the domestic industry both by volume and price effect of dumped imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries/territories.

K. Indian industry's interest & other issues

The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any

way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

L. Recommendations

The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having provisionally established positive dumping margin against the subject countries, and having concluded that the domestic industry suffers material injury due to such dumped imports the Authority is of the opinion that provisional measure is required to prevent injury being caused to the domestic industry during the investigation period.

Therefore, Authority considers it necessary and recommends provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries/territories in the form and manner described hereunder.

Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty equal to the amount indicated in Col 9 of the duty table annexed herewith is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries/territories.

M. Further Procedures

The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- (a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final finding;
- (b) Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- (c) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- (d) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

CHRISTYL L. FERNANDEZ, Designated Authority

File No. 14/13/2004-DGAD**Annexure****Duty Table**

Sl. No	Sub Heading or Tariff Item	Description of Goods	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit of Measure	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)		
PX-13										
1	Any Head of Customs	Rubber Chemical PX-13	See Para-C	European Union	European Union	M/s Flexsys NV, Belgium	Any	501	MT	US\$
2	-Do-	-Do-	-Do-	European Union	European Union	M/s Lanxess GmbH, Germany	Any	590	MT	US\$
3	-Do-	-Do-	-Do-	European Union	European Union	Any other than above	Any	706	MT	US\$
4	-Do-	-Do-	-Do-	European Union	Any (Other than EU)	Any	Any	706	MT	US\$
5	-Do-	-Do-	-Do-	Any (Other than EU)	European Union	Any	Any	706	MT	US\$
6	-Do-	-Do-	-Do-	Taiwan	Taiwan	Any	Any	740	MT	US\$
7	-Do-	-Do-	-Do-	Taiwan	Any Other than Taiwan	Any	Any	740	MT	US\$
8	-Do-	-Do-	-Do-	Any Other than Taiwan	Taiwan	Any	Any	740	MT	US\$
MOR										
9	-Do-	Rubber Chemical MOR	-Do-	European Union	European Union	M/s Lanxess NV, Belgium	Any	350	MT	US\$
10	-Do-	-Do-	-Do-	European Union	European Union	Any other than above	Any	490	MT	US\$
11	-Do-	-Do-	-Do-	European Union	Any (Other than EU) Union	Any	Any	490	MT	US\$
12	-Do-	-Do-	-Do-	Any (Other than EU)	European Union	Any	Any	490	MT	US\$
13	-Do-	-Do-	-Do-	USA	USA	Any	Any	510	MT	US\$

14	-Do-	-Do-	-Do-	Any other than USA	USA	Any	Any	510	MT	US\$
15	-Do-	-Do-	-Do-	USA	Any other than USA	Any	Any	510	MT	US\$
16	-Do-	-Do-	-Do-	China	China	Any	Any	450	MT	US\$
17	-Do-	-Do-	-Do-	China	Any other than China	Any	Any	450	MT	US\$
18	-Do-	-Do-	-Do-	Any other than China	China	Any	Any	450	MT	US\$

TDQ

19	-Do-	Rubber Chemical TDQ	-Do-	European Union	European Union	M/s General Qumica SA, Spain	Any	295	MT	US\$
20	-Do-	-Do-	-Do-	European Union	European Union	Any other than above	Any	327	MT	US\$
21	-Do-	-Do-	-Do-	European Union	Any other than EU	Any	Any	327	MT	US\$
22	-Do-	-Do-	-Do-	Any other than EU	European Union	Any	Any	327	MT	US\$
23	-Do-	-Do-	-Do-	Taiwan	Taiwan	Any	Any	270	MT	US\$
24	-Do-	-Do-	-Do-	Taiwan	Any other than Taiwan	Any	Any	270	MT	US\$
25	-Do-	-Do-	-Do-	Any other than Taiwan	Taiwan	Any	Any	270	MT	US\$

1175 GI/05-27